ISSN 2349-6614

अप्रेल 2021

मूल्य 50 रु

प्रत्यूष

हिन्दी मासिक पत्रिका

बंगाल पर टिकी निगाहें

पांच राज्यों में सत्ता संघर्ष का 'खेला'

जातियों को साधने की होड़ में बाकी मुद्दे गौण

प्रकाशन की तिथि प्रत्येक माह की 23 तारीख वर्ष 18 अंक 12 Postal Registration No. RJ/UD/29-62/2021-23 Posting Date: 27th-28th of Every Month RNI No.: RAJHIN/2003/9297 Posting Office: Chetak Circle, Udaipur

ANUSHKA ACADEMY

Join Today For Sure Success

सर्वाधिक चयन देने वाला राजस्थान का सर्वश्रेष्ठ शिक्षण संस्थान

UPSC | **CLAT**

IAS | IPS | IFS | IRS | IrTS

BANK (PO | CLERK) | **SSC**

RBI | SBI | IBPS | CGL | CHSL | CPO

BENEFITS

- EXPERIENCED FACULTIES
- GUIDANCE FROM RTD. IAS OFFICER
- TOPIC WISE CLASS NOTES & PRACTICE SHEETS
- LIBRARY FACILITY
- SPECIAL DOUBT CLASSES
- MONTHLY CURRENT AFFAIRS MAGAZINES
- SUNDAY SPECIAL CLASS

Sanitization | Face Mask | Temperature Check | Social Distancing

SUBHASH NAGAR
Near Dalal Petrol Pump, Udaipur.(Raj.)

CALL NOW
8233223322 / 7742443456

Subhash Nagar, Near Dalal Petrol Pump, Udaipur (Raj.)

'प्रत्यूष' के प्रेरणा स्रोत मात श्रीमती प्रमिला देवी शर्मा एवं
तात श्री आनन्दी लाल जी शर्मा
प्रत्यूष परिवार का शत्-शत् नमन चरणों में पुष्प समर्पण

प्रधान सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी

सम्पादक रेणु शर्मा

प्रबन्ध सम्पादक नीरज शर्मा, डॉ. वीणा शर्मा

विपणन प्रबन्धक नितेश कुमार, नन्द किशोर मदन, भूमिका, उषा चन्द्रप्रभा, संगीता

टाइप सेटिंग जगदीश सालवी

कम्प्यूटर ग्राफिक्स Supreme Designs
विकास सुहालका

सलाहकार मण्डल
गोपाल शर्मा (गोपजी), वैभव गहलोत
पवन खेड़ा, नीरज डागी
कुलदीप इन्दौरा, कृष्णकुमार हरितवाल
धीरज गुर्जर, अभय जैन
लालसिंह झाला, ओम शर्मा
अजय गुर्जर, आदित्य नाग
हेमन्त भागवानी, डॉ. राव कल्याण सिंह
अशोक तम्बोली, सुंदरदेवी सालवी

छायाकार :
कमल कुमावत, जितेन्द्र कुमावत,
ललित कुमावत

वीक रिपोर्टर : उमेश शर्मा

जिला संवाददाता

बांसवाड़ा - अनुराग चेलावत
चित्तौड़गढ़ - संदीप शर्मा
नाथद्वारा - लोकेश दवे
डूंगरपुर - सारिका राज
राजसमंद - कोमल पालीवाल
जयपुर - राव संजय सिंह
मोहसिन खान

प्रत्यूष में प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं, इनसे संस्थापक-प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।

प्रत्यूष
हिन्दी मासिक पत्रिका
प्रकाशक-संस्थापक :
Pankaj Kumar Sharrma
''रक्षाबंधन'', धानमण्डी, उदयपुर-313 001

नवरात्र एवं नव संवत्सर
की हार्दिक शुभकामनाएं

अप्रेल
2021
वर्ष 18, अंक 12

प्रत्यूष

मूल्य 50 रू
वार्षिक 600 रू

अंदर के पृष्ठों पर...

आस्था

भावात्मक एकता का प्रतीक केशरियाजी का मेला
10

प्रदेश

किसान सम्मेलनों में एकजुट दिखा प्रदेश संगठन
16

अनुष्ठान

नवरात्र शक्ति उपासना का महापर्व
20

चिंतनीय

भारत में छह करोड़ टन से ज्यादा अन्न की बर्बादी
34

समस्या

हर साल सर्पदंश से 1.25 लाख मौतें
40

कार्यालय पता : 2, 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी, उदयपुर (राज)
दूरभाष एवं फैक्सः 0294-2427703 वाट्सएप 9414077697
मोबाइल : 94141-57703(विज्ञापन), वाट्सएप 75979-11992(समाचार-आलेख), 98290-42499(वाट्सएप), 94141-66737
Email:pankajkumarsharma2013@gmail.com, Visit us at: www.pratyushpatrika.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, संस्थापक, स्वामी पंकज शर्मा की ओर से मुद्रक आशीष बापना द्वारा मैसर्स पायोनाइट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि. एम.आई.ए., उदयपुर से मुद्रित तथा 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी उदयपुर से प्रकाशित।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

आकाश वागरेचा

मो :- 94141-69241

EVEREST GROUP OF COMPANIES
SINCE 1963

एवरेस्ट ग्रुप ऑफ कम्पनीज

शुभलक्ष्मी बिल्डकॉन प्रा. लि.

सावा सर्जिकल प्रा. लि.

एवरेस्ट नेचुरो हर्ब प्रा. लि.

एवरेस्ट इंटरनेशनल होटल एंड रेस्टोरेंट

एवरेस्ट आशियाना बिजनेस प्रा. लि.

169-ओ रोड, भूपालपुरा, उदयपुर (राज.)

राजद्रोह नहीं, असहमति के स्वर

देश की सर्वोच्च अदालत ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि सरकार से भिन्न विचारों की अभिव्यक्ति देशद्रोह नहीं है। इससे पूर्व पर्यावरण कार्यकर्ता दिशा रवि के मामले की सुनवाई करते हुए दिल्ली की एक निचली अदालत ने भी कुछ इसी तरह की बात कही थी। दोनों ही मामलों में कोर्ट ने जो फैसला दिया, उससे यह स्पष्ट है कि सरकार की नीतियों-निर्णयों का विरोध देशद्रोह नहीं माना जा सकता।

सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और श्रीनगर से सांसद फारूक अब्दुला के खिलाफ दायर याचिका 3 मार्च को इस टिप्पणी के साथ खारिज कर दी कि सरकार से अलग विचार रखना राजद्रोह नहीं माना जा सकता। शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता पर 50 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया। न्यायमूर्ति संजय कृष्ण कौल और न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता की पीठ के समक्ष याची रजत शर्मा व नेहा श्रीवास्तव अपने इस आरोप को सही ठहराने में नाकाम रहे कि नेशनल कांफ्रेंस के नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुला ने जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाने के मामले में भारत के विरुद्ध चीन और पाकिस्तान से मदद मांगी थी। उल्लेखनीय है कि जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले इस संवैधानिक प्रावधान (370) को केन्द्र सरकार ने अगस्त 2019 में खत्म कर दिया था। पीठ ने कहा कि हम अब्दुला के बयान में ऐसा कुछ भी नहीं पाते जो किसी कार्रवाई का कारण बने। अपनी याचिका में रजत शर्मा व नेहा श्रीवास्तव ने फारूक अब्दुला को देशद्रोही बताया था और कहा था कि बावजूद इस राष्ट्र विरोधी टिप्पणी के वे सांसद बने हुए हैं। उन्हें सांसद बने रहने की छूट देना देश में राष्ट्र विरोधी गतिविधियों को स्वीकार करना और देश की एकता के खिलाफ होगा।

सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को एक तरह से सरकार को नसीहत भी माना जा रहा है। इस फैसले से कुछ ही दिन पहले पर्यावरण कार्यकर्ता दिशा रवि के मामले में सुनवाई करते हुए दिल्ली की एक निचली अदालत ने भी यह कहा था कि नागरिक सरकार की अन्तर्रात्मा के रक्षक होते हैं और उन्हें उसके विरोध में बोलने का हक हैं, लेकिन सरकार व याचिका दायर करने वाले अदालतों की नसीहत को न समझने की लगातार भूल कर रहे हैं। वे अदालतों का समय व्यर्थ में जाया करते हैं। देशद्रोह के मामलों को पुलिस स्वयं दर्ज करती हैं, किंतु फारूक अब्दुला की टिप्पणी पर उसने कार्रवाई को उचित नहीं माना। देश आपातकाल के दौर को अभी भूला नहीं है और भूला पाएगा भी नहीं। क्योंकि तब भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अनादर हुआ था। तत्कालीन सरकार ने अपने विरोधियों के खिलाफ न सिर्फ कड़ी कार्रवाई की थी, उन्हें जेलों में भी ठूंस दिया था। पिछले दिनों कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आपातकाल के बारे में पूछे गए एक सवाल पर कहा था कि 'वाकई, वह एक गलत कदम था, जो हुआ वह अनुचित था।' इस स्वीकारोक्ति के निहितार्थ बहुत गहरे हैं। दरअसल आपातकाल में जो ज्यादतियां हुईं, उन्हें लेकर आज भी तत्कालीन सरकार के उत्तराधिकारियां को घेरा जा रहा है।

दरअसल पिछले कुछ सालों में सरकार की नीतियों और फैसलों के खिलाफ आवाज उठाने वालों को सबक सिखाने की दृष्टि से पुलिस व अन्य एजेंसियों द्वारा मुकदमे और उनकी गिरफ्तारियां बढ़ी हैं।

दिशा रवि का मामला तो सिर्फ यह था कि विदेशी जलवायु कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग की एक ट्वीट को कुछ संपादन करके उसने दूसरे लोगों से साझा किया था। चूंकि उस ट्वीट से सरकार की काफी किरकिरी हुई थी, इसलिए उसने ग्रेटा के पहुंच से बाहर होने पर दिशा को निशाना बनाया और उस पर राष्ट्रद्रोह जैसे गंभीर आरोप लगाकर जेल भेज दिया।

दरअसल राजद्रोह या राष्ट्रद्रोह से संबंधित कानून कायदे ब्रिटिश हुकूमत ने भारत के स्वतंत्रता सेनानियों पर शिकंजा कसने के उद्देश्य से बनाए थे। इनके जरिये उसने अपने खिलाफ उठने वाली आवाजों को दबाने का प्रयास किया था। मगर अब भारत में लोकतंत्र है, जिसमें असहमत स्वरों को भी सुनने का विधान है, अगर उन्हें राजद्रोह या देशद्रोह मान लिया जाएगा, तो फिर संवैधानिक मूल्यों का कोई अर्थ नहीं रह जाएगा। यहां हम यह भी कहना चाहेंगे कि राजनेताओं-सामजिक कार्यकर्त्ताओं को किसी भी मसले, विशेषकर देश की एकता और अखण्डता के मामले में अपनी टिप्पणियों को लेकर बहुत सावधान रहने की जरूरत है। ऐसी कोई टिप्पणी आवेश और भावनाओं के अतिरेक में नहीं होनी चाहिए जो देश की अस्मिता, चेतना, सद्भाव और समरसता को नुकसान पहुंचाए। राष्ट्रहित में भावनाओं को नियंत्रण में रखते हुए की गई शालीन अभिव्यक्ति को देशसेवा ही माना जाएगा।

निजीकरण से अर्थव्यवस्था को भारी क्षति

'राष्ट्रीय सम्पत्ति' का बेचान देशहित में नहीं

सोनिया गांधी

भारतीय अर्थव्यवस्था पर छाए संकट की शुरुआत 8 नवम्बर 2016 की रात को हुई थी। दूरदर्शी डॉ. मनमोहनसिंह ने संसद में कहा था कि नोटबंदी से देश की जीडीपी में 2 प्रतिशत की गिरावट होगी, लेकिन उनके मशवरे को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूरी तरह नकार दिया। नोटबंदी की त्रासदी व त्रुटिपूर्ण जीएसटी की मानव निर्मित आपदाओं ने मिलकर लाखों लोगों की रोजी-रोटी छीन ली और अर्थव्यवस्था को लंबे अरसे के लिए गर्त में धकेल दिया। साथ ही कच्चे तेल के दाम में आई ऐतिहासिक गिरावट के बावजूद सरकार ने पेट्रोल व डीजल पर अत्यधिक टैक्स व शुल्क लगाकर हर परिवार के सिकुड़ते बजट पर और भार डाल दिया।

अब सरकार दशकों की मेहनत से खड़ी की गई सरकारी कम्पनियों और जनता की संपत्ति को जल्दबाजी में बेचकर खजाना भरना चाहती है। सावधानीपूर्वक लागू की गई विनिवेश नीति (यानी पीएसयू में सरकार की हिस्सेदारी का विनिवेश) से भी सरकार के लिए संसाधन उत्पन्न हो सकते हैं, लेकिन उसने विनिवेश के बजाय प्राइवेटाइजेशन की नीति अपनाई है। औने-पौने दामों में सरकारी संपत्ति की बिक्री को यह कहकर सही ठहराया जा रहा है कि इससे प्रबंधन बेहतर होगा और सरकारी स्कीमों के लिए पैसा भी उपलब्ध होगा। यह कुतर्क है। वास्तव में पीएसयू का मुनाफा तो प्राइवेट हाथों में चला जाएगा और प्राइवेट सेक्टर को नुकसान राष्ट्र के हिस्से में आएगा।

यहां कुछ गंभीर दीर्घकालिक परिणाम भी हैं,

> **इस सरकार के कार्यकाल में भारी संख्या में रोजगार खत्म हुए और रिकॉर्ड स्तर पर बेरोजगारी फैली। प्राइवेटाइजेशन के बाद अनिवार्य रूप से होने वाली छंटनी से प्रभावित कर्मचारियों की रोजी-रोटी की फिक्र के बारे में सरकार पूरी तरह से उदासीन रवैया अपनाए हुए है। बैंकिंग के क्षेत्र में भी इस सरकार के कार्यकाल में एनपीए में बेतहाशा वृद्धि हुई है।**

जिन्हें नजरअंदाज किया जा रहा है। एलआईसी और इसके प्रस्तावित आईपीओ के माध्यम से सरकार की हिस्सेदारी बेचना भारत में बीमा क्षेत्र की इस शीर्ष कंपनी को निजी हाथों में सौंपने की ओर कदम बढ़ाने का सूचक है। प्राइवेट हाथों में जाने के बाद क्या एलआईसी देश की ढांचागत परियोजनाओं को लंबे समय तक धनराशि उपलब्ध करवाने की हमारी महत्वपूर्ण जरूरत को पूरा करेगी? पीएसयू ने पिछले क्षेत्रों के विकास में सक्रिय भूमिका निभाई है। इन्हें प्राइवेटाइज करने पर ऐतिहासिक रूप से समाज के हाशिए पर खड़े वर्गों के लए आरक्षण व मौके खत्म हो जाएंगे।

इस सरकार के कार्यकाल में भारी संख्या में रोजगार खत्म हुए और रिकॉर्ड स्तर पर बेरोजगारी फैली। उसके बाद भी सरकार प्राइवेटाइजेशन के बाद अनिवार्य रूप से होने वाली छंटनी से प्रभावित कर्मचारियों की रोजी-रोटी की फिक्र के बारे में पूरी तरह से उदासीन रवैया अपनाए हुए है। बैंकिंग के क्षेत्र में भी इस सरकार के कार्यकाल में एनपीए में बेतहाशा वृद्धि हुई है। 2014-15 और 2019-20 के बीच इस सरकार के कार्यकाल में सकल एनपीए, 2008-14 के मुकाबले 365 गुना बढ़ गए। इस सरकार के कार्यकाल में देश का पैसा लेकर भागने वाले भगोड़ों की संख्या भी तेजी से बढ़ी है। एनपीए से निपटने में फेल, यह सरकार पब्लिक सेक्टर के बैंकों (पीएसबी) का निजीकरण करना चाहती है। भारत में यस बैंक एवं प्राइवेट सेक्टर की अन्य दिवालिया संस्थाओं का तजुर्बा देख यह कहना मुश्किल है

कि केवल प्राइवेटाइजेशन से ही बैंकिंग व्यवस्था में घालमेल व भ्रष्टाचार समाप्त हो सकेगा। यह न भूलें कि राष्ट्रीयकृत बैंकों की वित्तीय मजबूती ने ही साल 2008-09 की वैश्विक मंदी के बुरे प्रभावों का असर हम पर नहीं पड़ने दिया।

पिछले पांच दशकों में सरकारी क्षेत्र के बैंकों ने ही भारत में बैंकिंग सेवाओं से वंचित लोगों को वित्तीय समावेशन के दायरे में लाने में मुख्य भूमिका निभाई है। क्या गांव की बैंक शाखाएं, जो मुनाफा कमाने से ज्यादा जनहित के लिए काम करती हैं, उन्हें अपने भावी कॉर्पोरेट मालिकों द्वारा बंद नहीं कर दिए जाएगा? यह भी स्पष्ट है कि आरबीआई द्वारा बैंकों की मिल्कियत औद्योगिक घरानों के पास न होने देने की दीर्घकालिक नीति को पूरी तरह बदला जा रहा है। ऐसे निर्णय से अर्थव्यवस्था व देश का पैसा केवल कुछ हाथों में केन्द्रित हो जाएगा।

एक ऐसी पार्टी के तौर पर जिसने पब्लिक सेक्टर की मजबूत नींव पर भारत की अर्थव्यवस्था का निर्माण किया व उसके बाद उदारीकरण तथा 1991 के ऐतिहासिक सुधारों की शुरुआत भी

एक ऐसी पार्टी के तौर पर जिसने पब्लिक सेक्टर की मजबूत नींव पर भारत की अर्थव्यवस्था का निर्माण किया व उसके बाद उदारीकरण तथा 1991 के ऐतिहासिक सुधारों की शुरुआत भी की, कांग्रेस पार्टी का यह कर्तव्य है कि वो सरकारी संपत्ति के सही मूल्यांकन, जवाबदेही और पारदर्शिता की मांग को जनहित में जोर से उठाए।

की, कांग्रेस पार्टी का यह कर्तव्य है कि वो सरकारी संपत्ति के सही मूल्यांकन, जवाबदेही और पारदर्शिता की मांग को जनहित में जोर से उठाए।

हमारे कई पीएसयू एवं सरकारी बैंक आज भी मुनाफे में है। सरकारी खजाने को पीएसयू की बिक्री से अधिक से अधिक लाभ हो, इसके लिए केन्द्र सरकार को हर उपक्रम की स्थिति अनुरूप उचित नीति अपनानी होगी। प्राइवेटाइजेशन पर यह कहकर बल दिया जा रहा है कि व्यवसाय करना सरकार का काम नहीं है। उन्हें यह याद दिलाने की जरूरत है कि जो सरकार देश में वित्तीय प्रबंधन करने में फेल साबित हुई है, जो सरकार रोजगार देने में विफल है, जो सरकार समावेशी विकास सुनिश्चित नहीं कर सकती, जिस सरकार को चलाने के लिए देश की संपत्तियां बेचकर पैसा अर्जित करना पड़े, ऐसी सरकार को सत्ता में भी बने रहने का कोई अधिकार नहीं।

(लेखिका अ.भा. राष्ट्रीय कांग्रेस की अध्यक्ष हैं)

ईंधन की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी से गृहस्थी पर तगड़ी मार

वादे के भरोसे लुट रहे हैं घर

जब केन्द्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार पहली बार आई थी, तब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें कम हो गई थीं, उस वक्त सरकार ने कहा था कि वह तेल की कीमतें कम नहीं करेंगी, एक विशेष कर के रूप में उससे एकत्र धन से एक तेल पूल बनाएगी, जो संकट के समय काम आएगा। वह कर लगातार बढ़ता गया है, पर अब तक न तो उस एकत्र धन से कोई ऐसा उपाय हुआ, जिससे इस घड़ी में लोगों को राहत मिल सके।

उमेश शर्मा

महंगाई और सुस्त अर्थव्यवस्था से पार पाने की कोशिशों के बीच अगर डीजल, पेट्रोल और घरेलू गैस की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी दर्ज हो रही है, तो लक्षित विकास दर तक पहुंचने के रास्ते में यह बड़ा रोड़ा साबित हो सकती है। इसका नतीजा यह है कि देश के ज्यादातर शहरों में इसकी कीमत सौ रुपए के पार पहुंच गई है। यही हाल घरेलू गैस का है। दो माह में ही सिलेंडर की कीमत सवा दो सौ रुपए बढ़ गई। इसे लेकर आम लोगों में निराशा और नाराजगी है। तेल की कीमतें बढ़ती हैं, तो उसका असर रोजमर्रा इस्तेमाल वाली उपभोक्ता वस्तुओं पर भी दिखाई देता है।

पेट्रोल-डीजल व सीएनजी की कीमत में बेतहाशा वृद्धि से ट्रांसपोर्टरों की परिचालन लागत बढ़ गई है। वे इसकी भरपाई के लिए माल भाड़ा बढ़ा रहे हैं। कई छोटे ट्रांसपोर्टर ने किराया बढ़ा भी दिया है। वहीं पिछले कुछ दिनों में महंगाई का ग्राफ तेजी से ऊपर गया है।

डीजल की कीमत में बढ़ोतरी के बाद ट्रांसपोर्टर किराया में 10 से 15 फीसदी की वृद्धि कर रहे हैं ऐसा इसलिए कि इसका सीधा असर उपभोक्ता कंपनियों पर होगा क्योंकि उन्हें अपने उत्पाद की ढुलाई के लिए ज्यादा भाड़ा चुकाना होगा। जिसका असर उनके मुनाफे पर पड़ेगा। वह, इसकी भरपाई उत्पाद की कीमत बढ़ाकर करेंगे। कई कम्पनियां अभी भाड़े में बढ़ोतरी से पड़ने वाले प्रभाव का आकलन कर रही हैं। इसके बाद कीमत बढ़ोतरी का फैसला करेंगी।

जब केन्द्र में भाजपा की अगुवाई वाली सरकार पहली बार आई थी, तब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें काफी कम हो गई थीं। उस वक्त सरकार ने एलान किया था कि वह तेल की कीमतें कम नहीं करेगी, एक विशेष कर के रूप में उसे एकत्र कर एक तेल पूल तैयार करेगी, जो संकट के समय काम आएगा। वह कर लगातार बढ़ता गया है, पर अब तक न तो उस एकत्र पैसे से कोई तेल पूल तैयार किया गया है और न ऐसा कोई उपाय, जिससे जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें बढ़ें तो तेल की कीमतें संतुलित रखी जा सकें। गनीमत है कि पिछले साल जब इसी तरह तेल की कीमतें बढ़नी शुरू हुई थीं, तो कुछ राज्य सरकारों ने अपने यहां वैट दरें घटा दी थीं, जिससे कीमतें कुछ राहत देने वाली हो सकी थीं। मगर राज्य सरकारों की भी अपनी सीमा है। विचित्र है कि ऐसे समय में, जब बहुत सारे छोटे और मझोले उद्योग, रेहड़ी-पटरी के कारोबार,

छह महीने में इन मदों के दाम बढ़ने से बढ़ा जेब पर बोझ

गाड़ियों के दाम

5% तक की वृद्धि वाहन कम्पनियों ने की गाड़ियों की कीमत में

10 हजार से 25 हजार रुपए तक कीमत में बढ़ोतरी जनवरी महीने में

पेट्रोल-डीजल

100 रुपए लीटर पेट्रोल

86 रुपए लीटर डीजल

81 रुपए पेट्रोल और 73.56 रुपए डीजल था 28 अगस्त 2020 तक

सीएनजी

10 रुपए की बढ़ोतरी सीएनजी की कीमत में बीते 6 महीने में

40.79 रुपए प्रति किलो सीएनजी सितम्बर महीने में था

51.45 रुपए प्रति किलो सीएनजी पहुंचा फरवरी महीने में

रसोई गैस

850 रुपए पर पहुंची रसोई गैस की कीमत

594 रुपए थी कीमत रसोई गैस की अगस्त 2020 में

10% तक की बढ़ोतरी कच्चे माल की लागत बढ़ने से कंज्यूमर ड्यूरेबल में

20% तक की बढ़ोतरी दवाओं के दाम में चीन की आपूर्ति प्रभावित होने के बाद

10-15% का इजाफा स्टील के दाम में बीते दो महीने में आया

30% की बढ़ोतरी हवाई किराये में कोरोना कैप हटने से

15% की बढ़ोतरी हो चुकी है पेंट और अन्य सामान के दाम में पेट्रोलियम उत्पाद महंगे होने से

30% बढ़ा बोझ रेल किराये पर रेगुलर रेलगाड़ियों का परिचालन बंद होने से

दुकानें आदि बंद हो चुकी हैं, बहुत सारे लोगों की नौकरियां जा चुकी है, लाखों लोगों को पहले से कम वेतन पर गुजारा करना पड़ रहा है, महंगाई निरंतर बढ़ती जा रही है, तब भी केन्द्र व राज्य सरकारों द्वारा तेल की कीमतों को नियंत्रित करने का प्रयास नहीं हो रहा। राज्य सरकारें तेल पर अनाप-शनाप वैट से राजकोष भर रही हैं तो केन्द्र सरकार का दावा है कि जल्दी ही अर्थव्यवस्था ऋणात्मक स्तर पर ऊपर उठकर धनात्मक रूख कर लेगी, मगर हकीकत यह है कि दुनिया के एक सौ तिरानवे देशों के विकास दर के मामले में भारत की स्थिति एक सौ साठ से भी

नीचे पायदान पर पहुंच चुकी है। जीएसटी मद में राज्यों की कमाई घटी है, तो केन्द्र सरकार पर भी बजट को लेकर दबाव है। अनेक केन्द्रीय योजनाओं के लिए धन जुटाने का सबसे आसान माध्यम पेट्रोल और डीजल ही है, जहां आदमी खर्च करने से पहले ज्यादा नहीं सोचता, लेकिन केन्द्र सरकार को विशेष रूप से सोचना चाहिए। पेट्रोल-डीजल का गणित जटिल है और हमारी सरकारों को समझना चाहिए कि जटिलता दूर करने के आर्थिक लाभ हैं। सबसे अहम सवाल यह कि सरकार पेट्रोल और डीजल के भाव बढ़ाकर आखिर जनता पर किस हद तक बोझ बढ़ाना चाहती है और उसे इसे वहन करने का क्या विकल्प देगी।

आने वाले दिनों में सभी जरूरी चीजें और महंगी हो जाएंगी। डीजल का बड़ा इस्तेमाल कृषि कार्यों में भी होता है। साथ ही पेट्रोलियम पदार्थ का इस्तेमाल फर्टिलाइजर प्रोडक्शन में होता है। इनकी कीमत में बढ़ोतरी से किसानी ज्यादा महंगी हो जाएगी। वहीं, मालभाड़ा बढ़ने से सभी चीजों की लागत बढ़ेगी जिससे महंगाई भी बढ़ेगी।

अरुण कुमार, प्रसिद्ध अर्थशास्त्री

पहले कोरोना संकट से ट्रांसपोर्टरों को बहुत नुकसान उठाना पड़ा। अब डीजल की कीमत बढ़ने से परिचालन लागत काफी बढ़ गई है। अधिकांश चीजें 15-16 प्रतिशत तक महंगी हो गई हैं। सर्वाधिक उछाल सरसों तेल, रिफाइंड, चावल, दाल, चायपत्ती और प्याज की कीमतों में आया है। किराना, कंज्यूमर ड्यूरेबल, खिलौने, मेडिकल व बिल्डिंग निर्माण से जुड़े सामानों की बुकिंग प्रति क्विंटल महंगी हो गई है।

नवीन कुमार, महासचिव ऑल इंडिया ट्रांसपोर्टर्स वेलफेयर एसोसिएशन।

Mangilal Jain
Vinay Jain
(गुड़लीवाला)
0294 -2561750
0294 -2420474
Rajesh Metals
Raj Steel
Shop No. 2, 5, Gyan Marg, R.M.V. Road, Udaipur - 313001 (Rajasthan)

भावात्मक एकता का प्रतीक केशरियाजी का मेला

अरावली की उपत्यकाओं के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 8 पर उदयपुर शहर के दक्षिण में 65 किमी दूर जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव के नाम से सुविख्यात ऋषभदेव नगर कुवारिका (कोयल) नदी तट पर बसा हुआ है। ऋषभदेव मंदिर को भारत में ही नहीं विश्व में अति प्राचीन अतिशय तीर्थ के रूप में जाना जाता है। मंदिर की प्रमुख विशेषता इसकी ऐतिहासिकता के साथ ही सर्व धर्म समभाव के प्रतीक के रूप में है।

रेणु शर्मा

भगवान ऋषभदेव को केशरियाजी, धुलेव आदि अनेक नामों से भी पुकारा जाता है। भगवान ऋषभदेव की प्रतिमा पर केशर चढ़ती है। धूला भील के नाम से इस गांव का नाम धुलेव पड़ा, ऐसा कहा जाता है कि धूला भील को सपना आया कि एक चमत्कारी प्रतिमा जंगल में पेड़ के तले दबी हुई है। वर्तमान में यह स्थान पगल्याजी के नाम से प्रसिद्ध है। उस स्थान की खुदाई कर प्रतिमा को मुख्य मंदिर में स्थापित किया गया। इसी कारण इस गांव का नाम धुलेव पड़ा। ग्रामीण क्षेत्र के आदिवासी आज भी इस गांव को धुलेव व भगवान ऋषभदेव की काले पत्थर की प्रतिमा को कालिया बाबा (काला बाबा) के नाम से पुकारते हैं।

क्षेत्र की ऐतिहासिकता

धुलेव गांव आरंभ में खड्ग प्रांत के जवास पट्टे में था कालान्तर में जवास राव ने इसे केशरिया जी को भेंट किया। इस मंदिर के निर्माण की अनेक मान्यताएं प्रचलित हैं। प्राप्त शिलालेखों के आधार पर यह मंदिर दूसरी शताब्दी में कच्ची ईंटों का था। बाद में आठवीं शताब्दी में यह पारेवा पत्थर से बना और इसके पश्चात विक्रम संवत् 1431 में इसे पुख्ता पत्थर से बनाया गया। मंदिर के खेला मण्डप की दीवारों में आमने-सामने सबसे प्राचीन दो शिलालेखों के आधार पर हरदास नामक जैन सेठ एवं उसके पुत्र पूंजा एवं कोता द्वारा इस मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया गया। बाद में समय-समय पर मंदिर का विस्तार होता गया। मंदिर के गर्भगृह में भगवान ऋषभदेव की आकर्षक प्रतिमा साढ़े तीन फुट ऊंची और श्याम वर्णीय है। बिराजित पावासन पर मूल प्रतिमा जी के अग्र भाग में लघु आकृति की नव धातुओं की नव देवों की मूर्तियां हैं। नव देवों के नीचे सोलह स्वप्न उत्कीर्ण हैं। ऋषभदेव भगवान की पद्मासन मुद्रा के नीचे वृभष (बैल) का चिह्न अंकित है, जो कर्ममूलक संस्कृति का प्रतीक है। मूल भगवान ऋषभदेव के साथ जो पीठिका धातु निर्मित है। उस विशाल परिसर में आदिनाथ भगवान सहित चौबीस तीर्थंकरों के एक साथ दर्शन होते हैं। इस चौबीसी में भगवान के दोनों ओर दांये-बांये दो नग्न कायोत्सर्ग खड़गासन तीर्थंकर मूर्तियां हैं, जो भगवान के आभा मण्डल को दर्शाती हैं।

अतिप्राचीन है प्रतिमा

भगवान ऋषभदेव की प्रतिमा बहुत प्राचीन है। इसकी प्राचीनता के संबंध में अनेक किंवदंतियां है। इतिहासवेत्ताओं के अनुसार यह प्रतिमा पहले कल्याणपुर गांव में स्थित थी। परमारों के आक्रमण के कारण इसे यहां लाकर वृक्ष की गोद में छिपा दिया गया। कुछ का मानना है कि यह प्रतिमा पहले डूंगरपुर जिले के बड़ोदा गांव के मंदिर में थी, लेकिन विदेशी आक्रमणों के कारण इसे यहां लाकर छुपाया गया। एक और मान्यता के अनुसार यह प्रतिमा श्रीलंका से लाई गई तथा मसारों की ओबरी होते इसे यहां लाकर महुआ वृक्ष के नीचे छिपाया गया।

मंदिर का स्थापत्य

ऋषभदेव भगवान का मंदिर भव्यता श्रेष्ठ शिल्पकला एवं स्थापत्य कला के लिए प्रसिद्ध है। मंदिर में प्रवेश द्वार के साथ ही ब्राह्य परिक्रमा चौक आता है। प्रवेश द्वार के बाहर दोनों ओर काले पत्थर के हाथी खड़े हैं, जो भक्तों का स्वागत करते प्रतीत होते हैं। दस सीढ़ियां चढ़ने के बाद उत्तर में भगवान की कुलदेवियों चक्रेश्वरी माता एवं दक्षिण में पद्मावती माता के दर्शन होते हैं। कुछ सीढ़ियों के बाद मंदिर का नवग्रह चक्र प्रारंभ होता है। गर्भ ग्रह में ऋषभदेव भगवान की मूल प्रतिमा प्रतिष्ठापित है एवं उसके चारों ओर प्रदीक्षणा पथ है। जिसके चारों ओर बावन जिनालयों के तीर्थंकरों की प्रतिमाएं

हैं। इसके पार्श्व में देव कुलिकाओं की पंक्तियां हैं। इन्हीं के समीप चारभुजा का मंदिर और 23वें तीर्थंकर का 108 फनोंयुक्त पार्श्वनाथजी का मंदिर है।

जिन मंदिर के चारों ओर मेवाड़ क्षेत्र के अन्य प्राचीन मंदिर मैनाल, बाड़ासी, बिजौलिया, नागदा के मंदिर की तरह ही देवी-देवताओं एवं देव कुलिकाओं की प्रतिमाएं हैं। मंदिर में गणेशजी की विभिन्न मुद्राओं में जितनी प्रतिमाएं हैं, उतनी अन्यत्र नहीं है। मंदिर में गर्भगृह, सभामण्डप, विला मण्डप, स्तम्भों एवं छतों पर श्रेष्ठ शिल्प उकेरा गया है। मंदिर में ब्रह्म, शिव गणेश आदि देवताओं की प्रतिमाएं मंदिर के शिल्प एवं धार्मिक सहिष्णुता को दर्शाती हैं।

गर्भगृह के पश्चात खेला मण्डप तथा उसके बाहर वेदी है, जहां दिगम्बर जैन समाज द्वारा नित्य पूजा होती है। वेदी के पास एक छोटा भैरव स्थानक है। मंदिर वैज्ञानिक पद्धति से उत्तम वास्तुकारों द्वारा निर्मित है। पूर्व दिशा में उदय होते सूर्य की दैवीप्यमान किरणें भगवान ऋषभदेव के चरणकमलों की वंदना करती प्रतीत होती हैं। मंदिर की व्यवस्था देवस्थान विभाग के अधीन है।

मेला

तीर्थ के अधिष्ठाता भगवान ऋषभदेव की जन्म तिथि चैत्र कृष्णा अष्टमी एवं नवमी पर यहां विशाल मेला लगता है। जो इस वर्ष 4 व 5 अप्रेल को होगा। दूर-दूर से आने वाले श्रद्धालु ऋषभदेव भगवान की प्रतिमा पर केशर चढ़ाते हैं एवं मन्नतें मांगते हैं। अष्टमी के दिन भगवान के जन्मदिन पर प्रातः विशेष जल, दूध अभिषेक, केशर पूजा एवं आरती का आयोजन होता है। पूरे मंदिर को दुल्हन की तरह सजाया जाता है। दोपहर तीन बजे भगवान के निज मंदिर से पगल्याजी तक विशाल शोभायात्रा निकाली जाती है। इसमें भगवान ऋषभदेव को विशेष चांदी के रथ में विराजमान कर नगर भ्रमण कराया जाता है। शोभायात्रा के पगल्याजी पहुंचने पर भगवान को बंदूकों से सलामी दी जाती है। तत्पश्चात पूजा-अर्चना होती है।

Vinod Jain
9414158354

Mahaveer Lal Jain
9460794827

Navkar Metal

Navkar Steel

Deals In :
Steel Brass Copper,
Aluminium Utensils, Gift Artices
& Cooker Parts

7, Bhang Gali, Inside Surajpole
Udaipur (Raj.) Ph. : 0294-2417354

Deals In :
Steel Brass Copper,
Aluminium Utensils, Gift Artices
& Cooker Parts

6, Chkla Bazar, Under Chittora Temple
Bhupalwadi
Udaipur (Raj.) Ph : 0294-2420579

बढ़ते तापमान से पाचन पर असर, सुपाच्य आहार ही लें

गर्मी में तापमान बढ़ने से शरीर में पित्त की प्रबलता होती है। शरीर का बल कम होता है। पाचन शक्ति भी घटती है। इसलिए शरीर के बल व पाचन तंत्र के अनुसार आहार-विहार का नियमानुसार पालन जरुरी है।

शोभालाल औदिच्य

ग्रीष्मकाल में समस्त प्राणियों का शारीरिक व मानसिक बल घट जाता है। वसंत ऋतु जाने के साथ ही वातवरण तेजी से बदलता है। तेज गर्मी पड़ती है। फाल्गुन और चैत्र मास से वसंत व ग्रीष्म ऋतु उत्तरायण काल के अंतर्गत आते हैं। इस दौरान सूरज की किरणें पृथ्वी पर पड़ने लगती हैं। धूप में तेजी से लू व तापघात का खतरा बढ़ जाता है।

रेशे और रस वाली चीजें लाभकारी

इस ऋतु में दिन लंबे व रातें छोटी होती हैं। सूर्य की तेज किरणें पृथ्वी के स्नेहांश और द्रवांश को अपनी तरफ खींच लेती है। दक्षिण दिशा से वायु बहती है। चारों दिशाओं से कष्टदायी हवाएं चलती हैं। ऐसे में रेशेदार व रसयुक्त चीजों का सेवन स्वास्थ्य के लिए ज्यादा लाभकारी होता है।

जंक फूड से रहें दूर

मैदा, बेसन युक्त चीजें देर से पचती है। स्ट्रीट फूड, जंक फूड, चाट, पिज्जा, बर्गर आदि खाने से बचना चाहिए। इनमें अधिक कैलोरी,

ट्रांसफैट के साथ पोषक तत्व बहुत कम मिलते हैं। ये ताकत की बजाय आलस्य और थकान बढ़ाते हैं।

सूर्योदय से पूर्व उठें

सूर्योदय होने से पहले बिस्तर छोड़ दें। ताम्र लोठे अथवा गिलास में रात का रखा पानी गुनगुना कर पीएं। यह उषापान पेट की सफाई के लिए मुफीद है। जिसका पेट साफ है, उसे कोई रोग आसानी से जकड़ नहीं सकता। दिन में दो बार शीतल जल से स्नान करना भी इस मौसम में अच्छा रहता है। इससे त्वचा की आर्द्रता बनी रहती है।

आहार-विहार के सिद्धांत

जो आहार पचने में हल्का हो, मीठा स्निग्ध (घी व तेल से बने खाद्य पदार्थ) शीतल पदार्थ और ताजे भोजन का प्रयोग करना चाहिए। एक साल पुराने चावल, गेहूं की रोटी दलिया, सत्तू, मूंग दाल, मसूर दाल गाय के दूध का प्रयोग करना चाहिए।

पथ्य आहार

गाय का दूध-दही, छाछ, श्रीखण्ड, नींबू, चंदन और फाल्से का शर्बत, गन्ने का रस, नारियल पानी, शहद मिश्रित जल, फ्रूट शेक, तरबूज, खरबूज व जलजीरा का प्रयोग करना चाहिए। ये पथ्य आहार है।

अपथ्य आहार

चाय, काफी, शराब से दूरी रखें। मिर्च-मसालेदार, तैलीय खानपान से बचें। बासी खाना, प्रोसेस्ड, डिब्बा बंद व मांसाहार खाद्य पदार्थ न खाएं। इस तरह के आहार पित्तवर्द्धक होते हैं।

शरीर में बढ़ते हैं विकार

पित्त व वात दोष बढ़ने से बीमारियां बढ़ती हैं। शरीर व पाचन शक्ति कमजोर होती है। पसीना, त्वचा में रुखापन, कमजोरी, भूख-प्यास कम होना, लू, दस्त, हरारत, नकसीर, जलन की समस्या होती है।

डॉ. आदर्श वाजपेयी, भोपाल

दिन में एक प्रहर नींद

पैदल चलें। हल्का व्यायाम व चंदन, नारियल तेल से मालिश करें। ऊर्जा व स्फूर्ति मिलेगी। दिन में एक प्रहर (45 मिनट) नींद लें। क्षमतानुसार ही परिश्रम करें। प्यासे न रहें।

डॉ. काशीनाथ समगण्डी, जयपुर

With Best Compliments

HRi HOTEL

RAJKAMAL

INTERNATIONAL

FOR EXCLUSIVE COMFORT & LUXURY STAY

123, By Pass Road, Bhuwana, Udaipur (Raj.) Ph.: 0294-2440085, 2440770

Mob.: 08302614326, 09829113316

Email-rajkamaludr@gmail.com, www.hotelrajkamal.com

लाल ग्रह से आएंगे चट्टानों के नमूने

मंगल ग्रह के लिए नासा द्वारा भेजे गए पर्सीवरेंस रोवर इंजीन्यूटी हेलिकॉप्टर अपने तय मुकाम पर पहुंचे और रोवर ने ग्रह की सर्वाधिक खतरनाक सतह जंजीरों केटर पर लैंडिग की। यहां पहले कभी पानी था। रोवर जब लौटेगा, अपने साथ लाल ग्रह की चट्टानों के नमूने भी लेकर आएगा। नासा इस मिशन की जानकारियां भारत से भी साझा कर रहा है, जिनका इस्तेमाल इसरो अपने मंगलयान - 2 अभियान की तैयारी में करेगा, जिसकी योजना वर्ष 2022 में चन्द्रयान-3 के प्रक्षेपण के बाद साकार होगी।

डॉ. प्रीतम जोशी

पृथ्वी से बाहर की दुनिया के बारे में जानना मनुष्य के लिए सदा से जिज्ञासा का विषय रहा है। सतत अंतरिक्ष अध्ययनों से सौरमंडल के ग्रहों के बारे में काफी कुछ जानकारी प्राप्त की जा चुकी है। मगर उनमें से कहीं भी जीवन की संभावना नजर नहीं आई है। कुछ साल पहले जब मंगल गृह पर जल स्रोतों जैसी तस्वीरें सामने आई। तो वैज्ञानिकों की खोज की दिशा बदल गई। भरोसा पैदा हुआ कि अगर कभी वहां जल रहा होगा, तो जीवन भी जरूर रहा होगा। वह जीवन कैसा था, वहां किस प्रकार के जीव-जंतु वनस्पतियां आदि पाई जाती थीं। फिर वहां जीवन समाप्त हो गया, तो उसकी वजह क्या थी। उन सब तथ्यों के बारे में पता लगाने को लेकर वैज्ञानिक उत्सुक हुए। इसी के चलते विभिन्न देशों ने अपना ध्यान चन्द्र अभियान की अपेक्षा मंगल अभियान की तरफ केन्द्रित करना शुरू कर दिया। भारत ने भी मंगल मिशन शुरू किया था, पर उसमें अपेक्षित कामयाबी नहीं मिल पाई। चूंकि पृथ्वी भी सौरमंडल की एक इकाई है, जब दूसरे ग्रहों पर कोई हलचल होती है, तो उसका प्रभाव इस पर भी पड़ता है। चूंकि जीवन सिर्फ पृथ्वी पर है, इसलिए मानव जीवन की सुरक्षा की दृष्टि से अंतरिक्ष के दूसरे ग्रहों पर चल रही हलचलों पर भी नजर रखना बहुत जरूरी है।

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा का पर्सीवरेंस रोवर मंगल अर्थात लाल ग्रह की सतह पर सुरक्षित उतर गया और धरती पर अनमोल वीडियो भेजने शुरू कर दिए। रोवर द्वारा बनाए गए उच्च गुणवत्ता के वीडियो से कुछ तस्वीरें निकाली गई हैं, जिनमें मंगल की सतह दिखाई पड़ रही है। वैज्ञानिकों ने सतह का अध्ययन शुरू कर दिया है। यह जानने की कोशिश होगी कि क्या मंगल पर कभी जीवन था। यह खोज दिलचस्प ही नहीं, बल्कि इंसानों के लिए उपयोगी भी है। मंगल को सही प्रकार से जानने के बाद ही अगले ग्रहों की खोज में ज्यादा तेजी आएगी। नासा के ताजा अभियान की शुरुआत 30 जुलाई को हुई थी। अमेरिका के फ्लोरिडा में कैप केनावेरल अंतरिक्ष सेंटर से मंगल की ओर यात्रा करते हुए यान ने 47.2 करोड़ किलोमीटर की दूरी तय की है। उसके रोवर का मंगल की सतह पर सही ढंग से उतरना यकीनन एक बहुत बड़ी वैज्ञानिक कामयाबी है। यह मंगल पर भेजा गया अब तक का सबसे बड़ा रोवर है और इसकी तकनीक क्षमता-दक्षता भी बहुत ज्यादा है।

नासा की यह सफलता भारत के लिए भी एक बड़ी खुशखबरी है, क्योंकि नासा पर रोवर उतारने में सबसे प्रमुख भूमिका भारतीय मूल की अमेरिकी वैज्ञानिक स्वाति मोहन की है। वह परिवार के साथ एक साल की उम्र में ही अमेरिका चली गई थी और यह उनकी प्रतिभा का ही प्रमाण है कि नासा जैसे अंतरिक्ष विज्ञान संस्थान ने उन्हें रोवर की कमान सौंपी।

इस अभियान से भारत को भी काफी उम्मीदें हैं। 30 सितम्बर

सात माह में मंगल की तीसरी यात्रा

सात महीने में मंगल की यह तीसरी यात्रा है। इससे पहले यूएई और चीन के यान वहां पहुंचे थे। 1970 के दशक के बाद से यह नासा का नौवां मंगल अभियान है। चीन ने तियानवेन-1 पिछले साल 23 जुलाई को रवाना किया था। यह 10 फरवरी को मंगल की कक्षा में पहुंचा। वहीं यूएई का मंगल मिशन होप भी इस महीने प्रवेश कर गया है।

2014 को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और अमेरिकी नासा के बीच एक समझौता हुआ था। जिसमें धरती और मंगल ग्रह के मिशन साथ में मिलकर करने की बात हुई। उस समय इसरो प्रमुख थे डॉ. के राधाकृष्णन और नासा के प्रमुख थे चार्ल्स बोल्डेन।

टोरंटो में इंटरनेशनल एस्ट्रोनॉटिकल कांग्रेस में शामिल होने गए दोनों वैज्ञानिक अलग से मिले। दोनों ने एक घोषणा पत्र पर हस्ताक्षत किए थे। इसके बाद नासा और दूसरों ने मिलकर नासा-इसरो मंगल ग्रह वर्किंग ग्रुप बनाया था। मकसद था दोनों देशों की संस्थाओं के बीच आपसी सहयोग को बढ़ावा देना। इसके अलावा नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार मिशन के लिए भी आपसी समझौता हुआ। इसरो और नासा वर्ष 2022 में इस उपग्रह को प्रक्षेपित करने की योजना पर काम कर रहे हैं। यह उपग्रह प्राकृतिक आपदाओं से सर्तक करेगा। यह दुनिया का सबसे महंगा अर्थ ऑब्जरवेशन सैटेलाइट होगा। इसकी संभावित लागत करीब 10 हजार करोड़ रुपए आ रही है। भारत अपने मंगलयान-2 की तैयार कर रहा है। इसके लिए नासा के मगल ग्रह पर्सीवरेंस रोवर से मिलने वाली जानकारियां काम आएंगी।

पाठक पीठ

ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल इंडिया रिपोर्ट आंख खोलने वाली तो है ही चिंता में भी डालती है। उसके अनुसार पिछले वर्ष 51 फीसद लोगों ने घूस देकर अपने काम निकलवाए। भ्रष्टाचार के बढ़ते रोग को लेकर प्रत्यूष मार्च 2021 के अंक का सम्पादकीय आलेख समाज, सरकार और व्यक्ति को अपने कर्म-धर्म पर मंथन का आग्रह करता है।

गुरप्रीत सोनी, उद्योगपति

उत्तराखंड में ऋषि गंगा ग्लेशियर के स्खलन से रेणी और तपोवन गांवों में जो तबाही हुई और करीब डेढ़ सौ जानें भी गईं। विकास के नाम पर प्रकृति को चुनौती देने का यह एक और गंभीर परिणाम है। हमें प्रकृति-पर्यावरण को नष्ट करने के किसी काम से तौबा करना होगा। इस संबंध में पिछले अंक में प्रकाशित आलेख अच्छा लगा।

अर्जुन खोखावत, उद्योगपति

पूर्व लद्दाख में एलएसी पर पैंगोंग झील इलाके में चीनी सेना का पीछे हटना वास्तव में नरेन्द्र मोदी सरकार और सेना की एक बड़ी कूटनीतिक जीत है। इस संबंध में आपकी पत्रिका में छपा लेख सारगर्भित था।

कपिल इंटोदिया, उद्योगपति

प्रत्यूष में सम-सामयिक विषयों पर आलेख पूरी गंभीरता लिए होते हैं। हर वर्ग के पाठकों के लिए इसमें कुछ न कुछ तो होता ही है। इसके कलर पृष्ठों की संख्या बढ़ाने पर ध्यान दिया जाए तो बेहतर होगा।

बिन्दु शर्मा, जिम डायरेक्टर

समाचार पत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से सम्बन्धित विवरण
घोषणा पत्र फार्म-4

1. प्रकाशन स्थल	उदयपुर
2. प्रकाशन अवधि	मासिक
3. मुद्रक का नाम	आशीष बापना
क्या भारत का नागरिक है	हां
पता	पायोराईट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि. पावर हाउस के पास एमआईए एक्सटेंशन, रिको, उदयपुर
4. प्रकाशक का नाम	पंकज शर्मा
क्या भारत का नागरिक है	हाँ
पता	रक्षाबंधन, धानमण्डी, उदयपुर
5. सम्पादक का नाम	विष्णु शर्मा हितैषी
क्या भारत का नागरिक है	हाँ
पता	हितैषी भवन, सूरजपोल अन्दर, उदयपुर
6. उन व्यक्तियों के नाम व पते, जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार हों	पंकज शर्मा रक्षाबंधन, धानमण्डी, उदयपुर

मैं पंकज शर्मा एतद् द्वारा घोषित करता हूँ कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सत्य हैं।

दिनांक : 25 मार्च, 2021 **पंकज शर्मा**

स्थान : उदयपुर **प्रकाशक**

राजस्थान में उप चुनावों को लेकर कांग्रेस की हुंकार

किसान सम्मेलनों में एकजुट दिखा प्रदेश संगठन

केन्द्र किसानों के ऋण वन टाइम सेटेलमेंट से माफ करें तो राज्य सरकार राशि भरने को तैयार : गहलोत

गोपाल जाट

राजस्थान में राजसमंद, सहाड़ा, वल्लभनगर और सुजानगढ़ विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनावों में जीत के दावे के साथ प्रदेश कांग्रेस के सभी बड़े नेता-कार्यकर्त्ता मैदान में उतर आए हैं। हालांकि केन्द्रीय निर्वाचन आयोग ने 16 मार्च को जारी उपचुनाव कार्यक्रम में अभी वल्लभनगर सीट को शामिल नहीं किया है। शेष तीनों सीटों पर 17 अप्रेल को मतदान की घोषणा की गई हैं। मतगणना 2 मई को होगी। चित्तौड़गढ़ जिले की मातृकुण्डिया व बीकानेर जिले के श्री डूंगरगढ़ में 27 फरवरी को आयोजित किसान महापंचायतों को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ प्रदेश कांग्रेस के सभी बड़े नेताओं ने संबोधित करते हुए केन्द्र के किसान विरोधी रवैये की निंदा की और तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने की मांग की। इन सम्मेलनों में रिक्त चारों विधानसभा सीटों पर दावेदारी जताने वाले भी अपने समर्थकों के साथ बड़ी तादात में मौजूद थे और उन्होंने मुख्यमंत्री गहलोत, प्रदेश अध्यक्ष गोविंदसिंह डोटासरा, राष्ट्रीय महासचिव अजय माकन व पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट से मुलाकात की।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मातृकुंडिया में किसान महापंचायत में कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहनसिंह के समय 2 हजार करोड़ रुपए का किसानों का कर्ज माफ किया गया था, लेकिन वर्तमान प्रधानमंत्री मोदी किसानों का कर्ज माफ करने को तैयार नहीं हैं। उन्होंने अपने उद्योगपति मित्रों का 8 लाख करोड़ रुपए का कर्ज माफ कर दिया, लेकिन किसानों को राहत देने के लिए तैयार नहीं है। जब उद्योगपतियों के ऋण वन टाइम सेटेलमेंट से माफ किए जा सकते हैं तो किसानों के क्यों नहीं? केन्द्र सरकार किसानों के करे तो राज्य सरकार वह राशि भरने को तैयार है। हम यहां किसानों की बात करने आए हैं लेकिन हमारे चार साथियों के चले जाने के कारण चार स्थानों पर चुनाव होने है। गजेन्द्रसिंह शक्तावत (वल्लभनगर), कैलाश त्रिवेदी (सहाड़ा), मास्टर भंवरलाल (सुजानगढ़) और किरण माहेश्वरी (राजसमंद) के नाम पर राज्य सरकार ने उनके जिलों में कॉलेज घोषित किए हैं। भाजपा वाले मात्र लफ्फाजी करेंगे और आरोप लगाएंगे, लेकिन जवाब नहीं देंगे। यदि चारों स्थानों पर कांग्रेस जीतती है तो सरकार मजबूत होगी, लेकिन भाजपा में मात्र संख्या बढ़ेगी। कांग्रेस की जीत पर सभी अधिकारियों में संदेश जाएगा कि जनता सरकार के पीछे खड़ी है। हमने बजट में स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पीएचसी, सीएचसी सहित बड़े चिकित्सालय में भी जांच और उपचार का दायरा बढ़ाया है। साथ ही पांच लाख तक का स्वास्थ्य बीमा भी दिया है।

श्री डूंगरगढ़ के धनेरू किसान सम्मेलन में गहलोत ने कहा कि केन्द्र सरकार किसानों से बात करने की बजाय उनकी आवाज दबाने में लगी है। प्रधानमंत्री को किसानों से बात करने के लिए आगे आना चाहिए। किसानों के लिए न तो प्रधानमंत्री के पास समय है और न ही राष्ट्रपति के पास। गुर्जर वोटरों को साधने के लिए गहलोत ने पूर्व सीएम राजे पर हमला बोला। कहा वसुंधरा राजे ने गोलियां चलवाकर 80 गुर्जरों को मरवाया था। पटरी पर मेरे कार्यकाल में भी गुर्जर बैठे पर हमने लाठी तक नहीं उठने दी। सभा में कांग्रेस के राज्य प्रभारी महासचिव अजय माकन ने कहा कि कृषि कानून लागू होने के बाद न्यूनतम समर्थन मूल्य

धरना, प्रदर्शन, ज्ञापन लोकतंत्र के आभूषण

मुख्यमंत्री ने कहा कि धरना देना, प्रदर्शन करना, ज्ञापन देना ये लोकतंत्र के गहने है, आज 90 दिना से ज्यादा समय हो गया। दिल्ली की सीमाओं पर किसान अपनी मांगों को लेकर बैठे हुए है, लेकिन केन्द्र सरकार अपनी जिद्द पर अड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि देश में आज लोकतंत्र खतरे में है, आम आदमी अपने मन की बात कहने से डर रहा है, पत्रकार, सामाजिक कार्यकर्ता जनहित के मुद्दे उठाने के कारण जेलों में डाले जा रहे हैं। अभी हाल ही में एक 22 वर्षीय सामाजिक कार्यकर्ता को केन्द्र सरकार ने जेल की सलाखों के पीछे पहुंचा दिया।

व मंडी व्यवस्था समाप्त हो जाएगी। अनुबंध पर खेती करने से किसान मजदूर बनकर रह जाएंगे। कांग्रेस पार्टी हमेशा किसानों के हितों के लिए लड़ती रही है और अब भी किसानों का साथ निभाएगी।

पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं विधायक सचिन पायलट ने कहा कि केन्द्र सरकार ने जानबूझकर किसानों के विरुद्ध ऐसा कानून बनाया है, जिससे किसान बर्बाद हो जाएं, लेकिन कांग्रेस पार्टी कठिन समय में भी किसानों के साथ है। उन्होंने उपचुनाव में सभी से सहयोग की अपील की। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंदसिंह डोटासरा ने कहा कि मोदी ने किसानों से जो वादा किया था, वो भूल चुके हैं। केन्द्र सरकार के तीनों काले कानून अन्नदाता को मजदूर और मजबूर बनाकर छोड़ेंगे।

मातृकुंडिया में मौजूद नेता: किसान सम्मेलन में पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. गिरिजा व्यास, सीडब्ल्यूसी सदस्य रघुवीरसिंह मीणा, चिकित्सा मंत्री डॉ. रघु शर्मा, सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना, परिवहन मंत्री प्रतापसिंह खाचरियास, पूर्व मंत्री महेन्द्रजीत सिंह मालवीया, राजस्व मंत्री हरीश चौधरी, जिला प्रभारी मंत्री अर्जुन बामनिया, लालचंद कटारिया, रामलाल जाट, पूर्व विधायक राजेन्द्र सिंह विधूड़ी, पूर्व विधायक प्रकाश चौधरी, शंकरलाल बैरवा, आनंदीराम खटीक, एआईसीसी व जिला परिषद सदस्य बद्रीलाल जाट, जगपुरा, पुखराज पाराशर, मोहन प्रकाश, सभापति संदीप शर्मा, प्रमोद सिसोदिया, नवीनसिंह तंवर, अभिमन्यु सिंह जाड़ावत, त्रिलोक जाट, प्रधान भैरूलाल जाट व पूर्व प्रदेश सचिव पंकज शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

दिनेश गुप्ता
डायरेक्टर
94142 39513

मनीष गुप्ता
डायरेक्टर
98870 08943

मोहित गुप्ता
डायरेक्टर
98871 84032

श्री जी कलेक्शन

जेन्ट्स, लेडीज एवं बच्चों के रेडिमेड कपड़ों के विक्रेता

धानमण्डी चौक, घण्टाघर के सामने,
उदयपुर – 313 001 (राज.)

Himmat Jain
Director
9829042297

Ravish Jain
Director
9829273337

Navkar

A House of Designer Sarees, Lehanga - Chunni

134, Dhan Mandi, Teej Ka Chowk,
Udaipur - 313 001 (Raj.)
Ph.: +91-294-2422975, 2524319
GSTIN: 08ABMPJ8551G1ZC

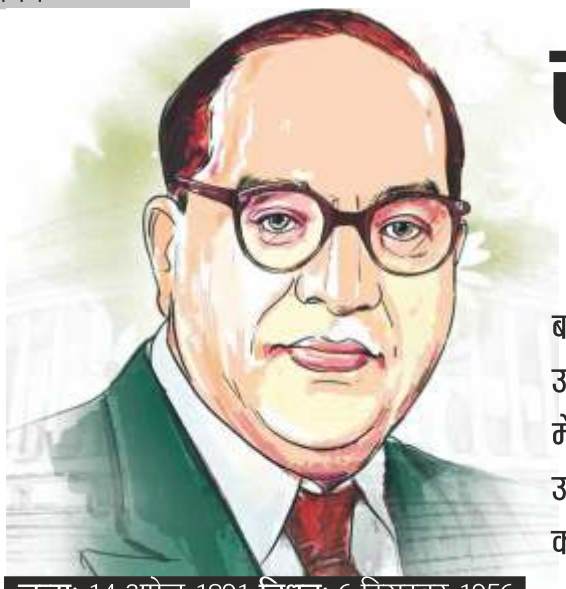

सामाजिक समरसता ही असल राष्ट्रवाद

बाबा साहेब डॉ. भीममराव अंबेडकर सिर्फ दलितों के ही नेता नहीं थे, उन्होंने सामाजिक समरसता का मूलमंत्र दिया और उसे भारतीय संविधान में साकार भी किया। भारत की एकता, अखण्डता और चहुंमुखी विकास में उनके योगदान को देश कभी नहीं भुला पायेगा। 130वीं जयंती पर भारत को असल राष्ट्रवाद पर चलने की सोच सौंपने वाले पुरोधा को सादर नमन।

जन्मः 14 अप्रेल 1891 **निधनः** 6 दिसम्बर 1956

पंकज कुमार शर्मा

कुछ लोग अपने जीवन में प्रसिद्धि प्राप्त कर लेते हैं, तो कुछ मरणोपरांत। कई ऐसे भी महापुरुष होते हैं, जिनकी उनके जीवन और मरणोपरांत, दोनों में प्रसिद्धि बनी रहती है। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर अपने जीवन में बहुत ज्यादा प्रसिद्ध नहीं हुए थे, लेकिन धीरे-धीरे उनका कद इतना अधिक बढ़ गया कि कुछ समय पहले सोचना मुश्किल था। खासकर संचार क्रांति के बाद अंबेडकर की लोकप्रियता इस कदर बढ़ जाएगी, यह कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। चुनाव आधारित लोकतांत्रिक व्यवस्था ने भीम राव अंबेडकर को अधिकाधिक प्रासंगिक बनाया। आज हर दल को अंबेडकर की जरूरत है। इसलिए कि देश की कुल आबादी के चौथाई हिस्से से अधिक वोट अंबेडकर के नाम के साथ जुड़े हैं। पर अंबेडकर जिन सामाजिक प्रश्नों से टकराते हुए राष्ट्रीय नेता बने थे, संतुलित विकास की जो रूपरेखा उन्होंने पेश की थी, उस दिशा में उदासीन रहते हुए केवल भावुक और भावनात्मक बातें करने से क्या दलित समाज किसी के पीछे चल पड़ेगा? अंबेडकर के विचारों की बात सरकार में शामिल कोई नहीं कर रहा, लेकिन सब उनके चित्र और प्रतिमाएं लेकर चुनावी रास्तों पर दौड़े चले जा रहे हैं। दरअसल, उन्हें लग रहा है कि दलितों को उनके अधिकार देने के बजाय अंबेडकर की जय-जयकार करने से वोटों की बरसात शुरू हो जाएगी। अंबेडकर ने कितने काम किए, यह फेहरिस्त लम्बी है, पर संविधान का निर्माण उनकी सबसे बड़ी देशसेवा कही जा सकती है।

सामाजिक एवं धार्मिक सुधार

मानवाधिकार जैसे दलितों एवं दलित आदिवासियों के मंदिर प्रवेश, पानी पीने, छुआछूत, जातिपाति, ऊँच-नीच जैसी सामाजिक कुरीतियों को मिटाने के लिए मनुस्मृति दहन (1927), महाड़ सत्याग्रह (वर्ष 1928), नासिक सत्याग्रह (वर्ष 1930), येवला की गर्जना (वर्ष 1935) जैसे आंदोलन चलाये। बेजुबान, शोषित और अशिक्षित लोगों को जगाने के लिए वर्ष 1927 से 1956 के दौरान मूक नायक, बहिष्कृत भारत, समता, जनता और प्रबुद्ध भारत नामक पांच साप्ताहिक एवं पाक्षिक पत्र-पत्रिकाओं का संपादन किया। कमजोर वर्गों के छात्रों को छात्रावासों, रात्रि स्कूलों, ग्रंथालयों तथा शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से अपने दलित वर्ग शिक्षा समाज (स्था. 1924) के जरिये अध्ययन करने और साथ ही आय अर्जित करने के लिए उनको सक्षम बनाया। सन् 1945 में उन्होंने अपनी पीपुल्स एजुकेशन सोसायटी के जरिए मुम्बई में सिद्वार्थ महाविद्यालय तथा औरंगाबाद में मिलिन्द महाविद्यालय की स्थापना की। बौद्धिक, वैज्ञानिक, प्रतिष्ठा, भारतीय संस्कृति वाले बौद्ध धर्म की 14 अक्टूबर 1956 को 5 लाख लोगों के साथ नागपुर में दीक्षा ली तथा भारत में बौद्ध धर्म को पुनर्स्थापित कर अपने अंतिम ग्रंथ 'द बुद्धा एण्ड हिज धम्मा' के द्वारा निरंतर वृद्धि का मार्ग प्रशस्त किया। जात पांत तोड़क मंडल (वर्ष 1937) लाहौर, के अधिवेशन के लिये तैयार अपने अभिभाषण को जातिभेद निर्मूलन नामक उनके ग्रंथ ने भारतीय समाज को मिथ्या, अंधविश्वास एवं अंधश्रद्धा से मुक्ति दिलाने का कार्य किया। हिन्दू विधेयक संहिता के जरिए महिलाओं को तलाक, संपत्ति में उत्तराधिकार आदि का प्रावधान कर उसके कार्यान्वयन के लिए वह जीवन पर्यन्त संघर्ष करते रहे।

आर्थिक और प्रशासनिक योगदान

भारत में रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया की स्थापना डॉ. अम्बेडकर द्वारा लिखित शोध ग्रंथ 'रूपये की समस्या-उसका उद्भव तथा उपाय' और 'भारतीय चलन व बैकिंग का इतिहास', ग्रन्थों और हिल्टन यंग कमीशन के समक्ष उनकी साक्ष्य के आधार पर 1935 में हुई। उनके दूसरे शोध ग्रंथ 'ब्रिटिश भारत में प्रांतीय वित्त का विकास' के आधार पर देश में वित्त आयोग की स्थापना हुई। कृषि में सहकारी खेती के द्वारा पैदावार बढाना, सतत विद्युत और जल आपूर्ति करने का उपाय बताया। औद्योगिक विकास, जलसंचय, सिंचाई, श्रमिक और कृषक की उत्पादकता और आय बढाना, सामूहिक तथा सहकारिता से खेती करना, जमीन के राज्य स्वामित्व तथा राष्ट्रीयकरण से सर्वप्रभुत्व सम्पन्न समाजवादी गणराज्य की स्थापना करना। सन 1945 में उन्होंने महानदी के प्रबंधन की बहुउददेशीय उपयुक्तता को परख कर देश के लिये जलनीति तथा औद्योगिकरण की बहुउद्देशीय आर्थिक नीतियां जैसे नदी एवं नालों को जोड़ना, हीराकुण्ड बांध, दामोदर घाटी बांध, सोन नदी घाटी परियोजना, राष्ट्रीय जलमार्ग, केन्द्रीय जल एवं विद्युत प्राधिकरण बनाने के मार्ग प्रशस्त किये।

संविधान तथा राष्ट्र निर्माण

उन्होंने समता, समानता, बन्धुता एवं मानवता आधारित भारतीय संविधान को 02 वर्ष 11 महीने और 17 दिन के कठिन परिश्रम से तैयार कर 26 नवंबर 1949 को तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को सौंप कर देश के समस्त नागरिकों को राष्ट्रीय एकता, अखंडता और व्यक्ति की गरिमा की जीवन पद्धति से भारतीय संस्कृति को अभिभूत किया। वर्ष 1951 में महिला सशक्तिकरण का हिन्दू संहिता विधेयक पारित करवाने में प्रयास किया और पारित न होने पर स्वतंत्र भारत के इस प्रथम कानून मंत्री ने पद से इस्तीफा दिया। वर्ष 1955 में अपनी पुस्तक 'भाषाई राज्यों पर विचार' में बड़े राज्यों को पुनर्गठित करने का प्रस्ताव दिया। जो वर्षों बाद कुछ प्रदशों में साकार हुआ। निर्वाचन आयोग, योजना आयोग, वित्त आयोग, महिला पुरुष के लिये समान नागरिक हिन्दू संहिता, राज्य पुनर्गठन, बडे आकार के राज्यों को छोटे आकार में संगठित करना, राज्य के नीति निर्देशक तत्व, मौलिक अधिकार, मानवाधिकार, कम्पट्रोलर व ऑडीटर जनरल, निर्वाचन आयुक्त तथा राजनीतिक ढांचे को मजबूत बनाने वाली सशक्त, सामाजिक,

आर्थिक, शैक्षणिक एवं विदेश नीति बनाई। प्रजातंत्र को मजबूती प्रदान करने के लिए राज्य के तीनों अंगों न्यायपालिका, कार्यपालिका एवं विधायिका को स्वतंत्र और पृथक बनाया तथा समान नागरिक अधिकार के अनुरूप एक व्यक्ति, एक मत और एक मूल्य के तत्व को प्रस्थापित किया। विधायिका, कार्यपालिका एवं न्यायपालिका में अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लोगों की सहभागिता संविधान द्वारा सुनिश्चित की तथा भविष्य में किसी भी प्रकार की विधायिकता जैसे ग्राम पंचायत, जिला पंचायत, पंचायत राज इत्यादि में सहभागिता का मार्ग प्रशस्त किया।

शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा एवं श्रम कल्याण

वायसराय की कौंसिल में श्रम मंत्री की हैसियत से श्रम श्रमिकों के कार्य के 12 घण्टे से घटाकर 8 घण्टे करने, समान कार्य समान वेतन, प्रसूति अवकाश, संवैतनिक अवकाश, कर्मचारी राज्य बीमा योजना, स्वास्थ्य सुरक्षा, कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम 1952 बनाना, कर्मचारी राज्य बीमा के तहत स्वास्थ्य, अवकाश, अपंग-सहायता, कार्य करते समय आकस्मिक घटना से हुये नुकसान की भरपाई करने और अन्य अनेक सुरक्षात्मक सुविधाओं को श्रम कल्याण में शामिल किया। कर्मचारियों को दैनिक भत्ता, अनियमित कर्मचारियों को अवकाश की सुविधा, कर्मचारियों के वेतन श्रेणी की समीक्षा, भविष्य निधि, कोयला खदान तथा माईका खनन में कार्यरत कर्मियों को सुरक्षा संशोधन विधेयक सन 1944 में पारित करने में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पन्द्रहवी पुण्यतिथि पर

हार्दिक श्रद्धांजलि

परम श्रद्धेय आदरणीय

आनन्दीलाल जी शर्मा

(उपाचार्य, लोकमान्य तिलक बी.एड कॉलेज डबोक, उदयपुर)
(पूर्व प्राचार्य आर. एम. वी. बी. एड, कॉलेज, उदयपुर)
(पूर्व, प्राचार्य हरिभाऊ उपाध्याय महिला बी. एड कॉलेज, हटून्डी, अजमेर)

॥ श्रद्धानवत ॥

पंकज-रेणु, नीरज-डॉ. अनिता (पुत्र-पुत्रवधु), अभिजय, मेघांश (पौत्र), आर्षेयी, प्रिशा (पौत्री) शोभा-सुरेन्द्र, सुधा-ओम, डॉ.वीणा-स्व. गौरव, अरुणा-पद्म, रश्मि-अनिल (पुत्री-दामाद) दोहित्र-दोहित्री :- प्रत्यूष, मोहित, स्व. चिन्मय, तन्मय, भार्गवि, नयन नारायण, पूर्वा, हार्दिक, चिर्कीषु, जिगिषा

जन्म: 28.11.1927
निधन: 05.04.2006

रक्षाबन्धन, धानमण्डी,उदयपुर

नवरात्र शक्ति उपासना का महापर्व

सनत जोशी

नवरात्रि अर्थात् आदि शक्ति मां दुर्गा की आराधना के नौ दिन। प्राचीन समय से ही जिसका इंतजार योगियों, तांत्रिकों, गृहस्थों आदि सभी को रहता आया है। हिन्दू धर्म के अनुसार चैत्र शुक्ल प्रतिपदा व अश्विन (क्वार) शुक्ल प्रतिपदा से नौ दिन तक आद्यशक्ति मां भगवती का उपासना पर्व नवरात्रि मनाया जाता है। इन दोनों नवरात्रियों को क्रमशः वासंतिक और शारदीय नवरात्र कहा जाता है। चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से ही नवसंवत्सर भी आरंभ होता है। दोनों नवरात्रों में समान रूप से महामाया दुर्गा तथा कन्या पूजन का विशेष महत्व है। नौ दिन देवी के नौ प्रतीक रूपों शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कुष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी व सिद्धिदात्री की पूजा होती है। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन ही हिंदू नववर्ष आरंभ होता है। यह विक्रम संवत का प्रथम दिन माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि इसी दिन प्रजापति ब्रह्मा ने सृष्टि की रचना की थी। इस दिन ब्रह्मा की पूजा का विधान भी है। चैत्र और आश्विन दोनों ही नवरात्र मां भगवती को प्रिय है। नवरात्रों में जगह-जगह दुर्गा की आकर्षक प्रतिमाएं स्थापित की जाती हैं। नौ दिनों तक रात्रि जागरण करके मां दुर्गा के भजन किए जाते हैं और रास गरबों का आयोजन किया जाता है। गरबों पर डांडियां खेलती बालिकाएं साक्षात देवी का रूप प्रतीत होती हैं। 'कोरोना' महामारी के चलते अनुष्ठान व डांडिया के सार्वजनिक आयोजन पिछले नवरात्र की ही भांति इस बार भी नहीं हो पाएंगे।

पर्व कथा

नवरात्र मनाने के पीछे बहुत सी रोचक कथाएं प्रचलित हैं। नवरात्र के संबंध में दुर्गा सप्तशती में उल्लेख है कि एक बार शुंभ-निशुंभ, रक्त बीज तथा महिषासुर आदि राक्षसों ने पृथ्वी पर भयंकर उत्पात मचाने शुरू किए। राक्षसों के नाश के लिए देवताओं ने शिवजी की आज्ञा से मां पार्वती की उपासना की। प्रसन्न होकर देवी ने नौ रूप बनाकर राक्षसों का समूल नाश किया। देवी ने चैत्र व आश्विन प्रतिपदा से नवमी तक ही रूप धारण किए थे, अतः इन दिनों नवदुर्गा पूजन का विशेष महत्व है।

दुर्गा पूजा का विधान

चैत्र और आश्विन दोनों नवरात्रों में दुर्गा पूजन की पद्धति एक समान ही है। नवरात्रि के पहले दिन घट कलश स्थापना की जाती है। इसके लिए मंदिरों या घरों में पूर्व-पश्चिम दिशा की ओर से एक चौकी पर मिट्टी का कलश जल से भरकर मंत्रोच्चार सहित रखा जाता है। कुंकुम, चावल, अबीर, गुलाल, पुष्प और धूप दीप सहित मिट्टी भरकर उसमें गेहूं, जौ के दाने बो कर जवारे उगाए जाते हैं। इन्हें टोकनी से ढककर और हल्दी के पानी से सींचकर पीला रंग देने की कोशिश की जाती है। घट स्थापना के पश्चात उसी जगह पर प्रतिदिन शुद्ध आसन पर बैठकर दुर्गा सप्तशती और शतचंडी का पाठ किया जाता है। कुछ लोग नौ दिनों तक व्रत उपवास भी रखते है। अधिकांश घरों में केवल अष्टमी और नवमी के दिन ही पूजन किया जाता है। इन दिनों महापूजा की जाती है। अंतिम दिन हवन करके नौ कन्याओं को भोजन करवाकर जवारे पवित्र जल में विसर्जित कर दिए जाते है। इस प्रकार घट-विसर्जन और दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के साथ ही नवरात्र का समापन होता है।

नवसंवत्सर : कालगणना का शुभ पर्व

चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से नवसंवत्सर आरंभ होता है, यह अत्यंत पवित्र तिथि है। इसी तिथि से पितामह ब्रह्मा ने सृष्टि निर्माण आरंभ किया था। वस्तुत: नवसंवत्सर भारतीय कालगणना का आधार पर्व है जिससे पता चलता है कि भारत का गणित एवं नक्षत्र विज्ञान कितना समृद्ध है।

चैत्रे मासि जगद् ब्रह्मा
ससर्ज प्रथमेऽहनि
शुक्ल पक्षे समग्रे तु
तदा सूर्योदये सति।

इस तिथि को रेवती नक्षत्र में, विष्कुंभ योग में दिन के समय भगवान के आदि अवतार मत्स्यरूप का प्रादुर्भाव भी माना जाता है।

कृते च प्रभवे चैत्रे प्रतिपच्छुक्लपक्षगा,
रेवत्यां योगविष्कुम्भे दिवा
द्वादशनाडिका:।
मत्स्यरूपकुमायां च
अवतीर्णो हरि: स्वयं।।

युगों में प्रथम सत युग का प्रारंभ भी इस तिथि को हुआ था। यह तिथि ऐतिहासिक महत्व की है। इसी दिन सम्राट चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य ने शकों पर विजय प्राप्त की थी और उसे चिरस्थायी बनाने के लिए अपने नाम से विक्रम संवत प्रारंभ किया। संवत् प्रत्येक राष्ट्र की सभ्यता, संस्कृति, ज्ञान-विज्ञान और बौद्धिक उन्नति का परिचायक है। संवत से देश तथा जाति की प्राचीनता परिलक्षित होती है। विश्व में भारतीय संवतों के अतिरिक्त और भी जाति, देश तथा धर्मों के संवत भी प्रचलित हैं, किंतु भारतवर्ष में संवत का प्रयोग अत्यंत प्राचीन है। अत: निर्विवाद रूप से स्वीकार किया जा सकता है कि संपूर्ण विश्व में संवत का प्रयोग भी सर्वप्रथम भारतवर्ष में ही प्रारंभ हुआ तथा यह पूर्णत: वैज्ञानिक आधार पर है। इस प्रकार कालगणना की विविध विधियां-प्रविधियां विश्व को प्रदान करने का श्रेय भारतीय ज्योतिष विज्ञान को जाता है।

भगवान महावीर पर ग्रहों का प्रभाव

भगवान महावीर ने अपने दिव्य संदेश द्वारा अवरुद्ध मानसिक जड़ता को झकझोर कर विशुद्ध मानवता का पाठ पढ़ाया। धार्मिक विचारों में जो अज्ञान का जंग लग चुका था, उसे साफ किया। श्री महावीर जन्म कल्याणक (25 अप्रेल) के अवसर पर विशेष आलेख प्रस्तुत है, जिसमें जन्म कुण्डली के ग्रहों के भगवान महावीर पर पड़े प्रभावों का विवेचन है।

अनेक शास्त्रों में एक रोचक और महत्वपूर्ण शास्त्र है- ज्योतिष शास्त्र। ग्रह नक्षत्रों की गति, स्थिति आदि पर विचार करने वाला शास्त्र। ग्रह, नक्षत्रों आदि के शुभाशुभ फल बताने वाला शास्त्र। ज्योतिष शास्त्र में मुख्यत: 9 ग्रह, 12 राशियाँ और 27 नक्षत्र होते हैं। हमारी धरती पर 9 ग्रह में से सूर्य का सबसे ज्यादा प्रभाव पड़ता है। उसके बाद चन्द्रमा का प्रभाव माना गया है। उसी प्रकार क्रमश: मंगल, गुरु और शनि का भी प्रभाव पड़ता है। ग्रहों का प्रभाव सम्पूर्ण धरती पर पड़ता है, किसी एक मानव पर नहीं। धरती के जिस भी क्षेत्र विशेष में जिस भी ग्रह विशेष का प्रभाव पड़ता है, उस क्षेत्र विशेष में परिवर्तन दिखाई देता है। अमावस्या और पूर्णिमा का भी धरती पर प्रभाव पड़ता है। समुद्र में ज्वार-भाटा भी सूर्य, चन्द्र की आकर्षण शक्ति का ही प्रभाव है। फिर वह समुद्र का जल हो या पेट का जल।

जहाँ तक ग्रहों के अच्छे और बुरे प्रभाव का संबंध है, तो इस संबंध में कहा जाता है कि जब मौसम बदलता है तो कुछ लोग बीमार पड़ जाते हैं और कुछ नहीं। ऐसा इसलिए कि जिसमें जितनी प्रतिरोधक क्षमता है, वह उतनी क्षमता से प्रकृति के बुरे प्रभाव से लड़ेगा। दूसरा उदाहरण है कि जिस प्रकार एक ही भूमि में बोए आम, नीम, बबूल अपनी-अपनी प्रकृति के अनुसार गुण-धर्मों का चयन कर लेते हैं और सोने की खदान की ओर सोना, चाँदी की ओर चाँदी और लोहे की खदान की ओर लोहा आकर्षित होता है, ठीक उसी प्रकार पृथ्वी के जीवधारी विश्व चेतना के अथाह सागर में रहते हुए भी अपनी-अपनी प्रकृति के अनुरूप भले-बुरे प्रभावों से प्रभावित होते हैं।

प्रस्तुत कुण्डली के आधार पर भगवान् महावीर का जन्म मकर लग्न में हुआ है। लग्न में मंगल उच्च का है। चतुर्थ घर में सूर्य उच्च का है। सप्तम घर में

साध्वी अमितप्रज्ञा

बृहस्पति और दसवें घर में शनि उच्च का है। विशेष बात है कि चारों ही उच्च ग्रह केन्द्र में हैं। 5वें त्रिकोण स्थान में शुक्र स्वग्रही है। नौवें घर में चंद्रमा बैठा है। बुध, सूर्य के साथ चौथे घर में बैठा है।

अनुभव के अनुसार मंगल, शनि, बुध, सूर्य और शुक्र इन 5 ग्रहों में से एक भी ग्रह केन्द्र में उच्च राशि का होता तो महापुरुष योग बनता है। अनेक ग्रंथों में प्रचलित यह कुण्डली पूर्ण रूप से सही प्रतीत होती है। प्रभु के जन्म समय में राशियों का प्रचलन नहीं था। पंचांग के 5 अंगों में से केवल तीन अंग का ही प्रचलन था। जैसे तिथि, नक्षत्र और करण।

भगवान् महावीर का जन्म ग्रीष्म ऋतु के प्रथम मास के दूसरे पक्ष चैत्र सुदी त्रयोदशी को हस्तोत्तरा अर्थात् उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र के योग में हुआ था।

आचारांग के पश्चात् कल्पसूत्र में वर्णन आया है- **''पुव्वरत्ता व रत्तकाल समयंसि''** **''उच्चठाणगयेसु गहेसु''** अर्थात् मध्यरात्रि में उच्च ग्रहों के समय में जन्म हुआ था, जो कुण्डली में बैठा मेष का सूर्य भी प्रमाणित कर रहा है। प्रभु का जन्म 12 से 2 बजे के बीच हुआ होगा।

सुखी, भोगी, धनी, नेता, मंडलपत्ति नृपति, राजा, चक्रवर्ती, तीर्थंकर आदि पदवियाँ ऐसी श्रेष्ठ कुंडली का ही फल है। यदि एक ग्रह भी उच्च का हो तो वह व्यक्ति महान उन्नति करता है। यदि दो, तीन, चार, पांच ग्रह उच्च राशि के हों तो महापुरुष का योग बनता है। भगवान् महावीर की कुण्डली में इस प्रकार पांच महापुरुष योग व तीन उच्च ग्रह केन्द्र में होने से उत्कृष्ट महापुरुष योग बन गया है, अर्थात् तीर्थंकर योग बन गया है।

वर्ष के 12 महीनों में चैत्र महीना सर्वश्रेष्ठ माना गया है। ''मासानां मधुमासोस्मि'' ऋतुओं में वसंत ऋतु पतझड़ की उदासी को उल्लास में, सूनेपन को चेतना में बदलकर प्रकृति पुलक उठती है। ग्रंथों में इस ऋतु को ज्ञानियों का, मुनियों का, साधकों का, महापुरुषों का माना है। इसी मास में अर्थात् चैत्र शुक्ला नवमी को श्री राम, चैत्र सुदी पूर्णिमा को हनुमान का, चैत्र कृष्णा अष्टमी को भगवान् ऋषभदेव का , चैत्र सुदी त्रयोदशी को भगवान् महावीर का जन्म हुआ। तिथियों में श्रेष्ठ तिथि है तीज या तेरस। कहावत है- ''बिन देख्या मुहूर्त भलो, के तीज के तेरस।''

महावीर का मकर लग्न होने का फल है- वृषभ के समान मांसल स्कंध, भुजाएं, पूरा शरीर सुगठित,

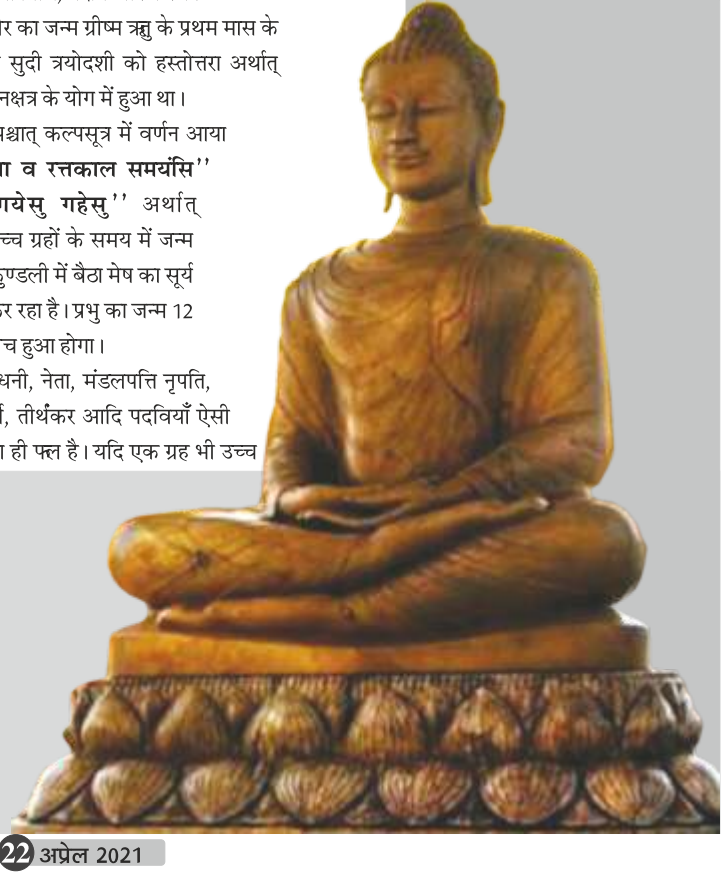

महावीर स्वामी की जन्म कुण्डली

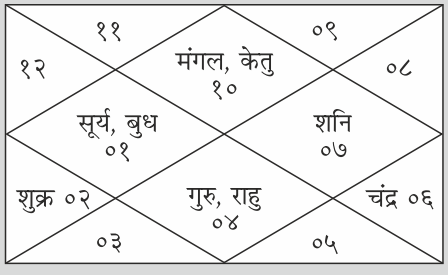

सिंघेण, संस्थान से युक्त था। वीर, साहसी, धैर्यशाली, शरीर की प्रभा निर्मल स्वर्ण रेखा के समान थी। पराक्रमी, परिश्रमी, प्रभावशाली थे। महावीर जब 8 वर्ष के भी नहीं थे, उस समय वे अपने साथियों के साथ प्रमदवन में क्रीड़ा कर रहे थे। उसी क्रीड़ा में सभी बालक किसी एक वृक्ष को लक्ष्य करके दौड़ते, जो बालक सबसे पहले वृक्ष पर चढ़कर नीचे उतर जाता, वह विजयी बालक पराजित बच्चों के कंधों पर चढ़कर उस स्थान पर जाता, जहां से दौड़ शुरु की थी। उस समय देवराज इंद्र ने बालक वर्धमान के वीरत्व की प्रशंसा की। एक अभिमानी देव प्रशंसा को चुनौती देता हुआ, उनके साहस की परीक्षा लेने के लिए भयंकर सर्प का रूप धारण कर उस वृक्ष पर लिपट गया। फुफकारते हुए नागराज को देख अन्य सभी बालक भयभीत होकर वहां से भाग गए, पर किशोर वर्धमान ने बिना डरे, बिना झिझक के उस सर्प को पकड़कर एक तरफ रख दिया। यह खेल था- 'द्रुमक्रीड़ा।'

बालक पुनः एकत्र हुए और खेल फिर प्रारंभ हुआ। इस बार वे ''तिंदुषक क्रीड़ा'' खेलने लगे। द्रुमक्रीड़ा व तिंदुषक क्रीड़ा में फर्क इतना ही है- द्रुमक्रीड़ा में वृक्ष पर चढ़कर उतरना था, तो तिंदुषक क्रीड़ा में वृक्ष को छूकर आना। इस बार वही देव किशोर का रूप धारण कर क्रीड़ादल में सम्मिलित हो गया। खेल में वर्धमान के साथ हार जाने पर नियमानुसार उसे वर्धमान को पीठ पर बैठाकर दौड़ना पड़ा। किशोर रूपधारी देव दौड़ता-दौड़ता बहुत आगे निकल गया और उसने विकराल रूप बनाकर वर्धमान को डराना चाहा। देखते ही देखते किशोर ने लंबा ताड़-सा भयंकर पिशाच रूप बनाया, किन्तु वर्धमान उसकी करतूत से घबराए नहीं। वे अविचल रहे और साहस के साथ उसकी पीठ पर ऐसा मुष्टि प्रहार किया कि देव वेदना से चीख उठा। गर्व खंडित हुआ। स्वरूप में आए देव ने वर्धमान के पराक्रम का लोहा मानकर उन्हें वंदना करते हुए कहा- इन्द्र ने आपकी जैसी प्रशंसा की थी, आप उससे भी अधिक धीर-वीर हैं। देव स्तुति कर लौट गया। इस घटना ने बालक वर्धमान को महावीर बना दिया। प्रभु की शक्ति तो जन्म लेते ही पता चल गई थी। इन्द्र के मन में विचार उठा कि यह नन्हा-सा बालक अनेक देवों द्वारा की जाती हुई अभिषेक धाराओं को कैसे सहन करेगा? भगवान् ने अवधिज्ञान से जान लिया। शंका का निवारण करते हुए अंगूठे से मेरु पर्वत को हिला दिया था, जिससे विश्व में क्षोभ उत्पन्न हो गया। इन्द्र ने विचार किया कि भगवान् के अभिषेक से तो सम्पूर्ण विश्व में प्रसन्नता की लहर व्याप्त होनी चाहिए थी, यह अकस्मात भूकम्प कैसे आ गया? अवधिज्ञान से इन्द्र ने जान लिया, यह तो जिनेश्वर देव के अनंत सामर्थ्य का ही फल है। तब इन्द्र ने अपने अपराध की क्षमा मांगी। ज्योतिष शास्त्र के अनुसर यह है उच्च मंगल का प्रभाव। जो विरोध को आसानी से सहन नहीं कर पाते ।अपने बल से निर्भीक होकर धैर्य से शत्रुओं को परास्त करने में समर्थ होते हैं।

कुण्डली के द्वितीय भाव में कुंभराशि है, जिसका स्वामी शनि उच्च का होकर दशम भाव में, केन्द्र में स्थित है। वाणी में ओज, तेज, प्रखरता प्रदान करनेवाला, ''कटु वाणी किन्तु सत्य'' जिसे कोई भी नकार नहीं सकता। न्यायप्रिय शनि देव न्याय की ही बात करवाते हैं।

यह शनि का ही प्रभाव था कि - भगवान् महावीर ने अपने दिव्य व भव्य संदेश के द्वारा ''अवरुद्ध मानसिक जड़ता'' को झकझोर कर विशुद्ध मानवता का पाठ पढ़ाया। धार्मिक विचारों में अज्ञानता का जो जंग लग चुका था, उसे साफ किया। निर्भयतापूर्वक पुरोहितों के काले कारनामों को जनजीवन के समक्ष प्रस्तुत करते हुए कहा- मनुष्य जाति एक है। जैसे ब्राह्मणों को धर्म करने का अधिकार है, वैसा ही

अधिकार शूद्रों को भी है। जैसे पुरुष आध्यात्मिक विकास कर सकता है, वैसे ही नारी भी कर सकती है। इस प्रकार स्त्री-पुरुष एवं ब्राह्मण-शूद्र जाति का भेदभाव मिटाया। सत्यं शिवं और सुन्दरं का मधुरघोष जन-जन के कर्ण कुहरों में गूंजने लगा। क्रांति सूर्य भगवान् महावीर ने जनजीवन से अज्ञान का अंधकार नष्ट किया। पाप का पर्दा हटाया। सर्वत्र क्षमता का सागर लहराने लगा। यह था वाणी का प्रभाव। कुण्डली के चौथे भाव में स्थित उच्च राशिगत सूर्य, बुध के सहयोग से बुधादित्य योग होकर बुद्धि बल का प्रभाव किस प्रकार दर्शाया है, वह प्रस्तुत दृष्टांत से सहज ही समझा जा सकता है-

भगवान् महावीर जब 8 वर्ष के थे तो माता-पिता ने शुभ मुहूर्त्त देख उन्हें अध्ययन के लिए कलाचार्य के पास भेजा। माता-पिता को उनके जन्मसिद्ध 3 ज्ञान का व अलौकिक प्रतिभा का ज्ञान नहीं था। माता-पिता पुत्र को लेकर जा रहे थे कि इन्द्र का आसन चलायमान हुआ और देखा अवधिज्ञान से, कि विशिष्ट ज्ञानी को सामान्य पंडित क्या पढ़ायेगा? भगवान् महावीर के बुद्धि वैभव तथा प्रतिभा का परिचय विद्या गुरु तथा जनता को कराने की दृष्टि से ब्राह्मण के वेश में आकर सब की उपस्थिति में व्याकरण के जटिल प्रश्न पूछे। भगवान् महावीर ने सबके उत्तर सही दे दिए। महावीर की अलौकिक प्रतिभा को देखकर सभी पंडित व विद्यार्थी चकित रह गए। पंडित ने भी अपनी कुछ पुरानी शंकाओं का समाधान किया। ब्राह्मण रूपधारी इन्द्र ने कहा- विज्ञवर! यह कोई साधारण बालक नहीं है, यह विद्या का सागर है, सम्पूर्ण शास्त्रों का पारगामी है। महावीर के मुख से निसरत उन उत्तरों को व्यवस्थित संकलित कर ''ऐन्द्र व्याकरण'' की संज्ञा दी। राजा सिद्धार्थ और माता त्रिशला पुत्र की असाधारण योग्यता देख बहुत ही प्रसन्न हुए । इस बुधादित्य श्रेष्ठ योग के प्रभाव से ही महावीर बहुत बड़े दार्शनिक कहलाए।

मेष राशि में स्थित सूर्य ग्रह उच्च का होने से कुण्डली के स्वामी को संसार का पिता, संसार का अधिष्ठाता, शासन का नायक आदि परम पद को प्राप्त करवाकर चारों ही नहीं, दसों दिशा में यश कीर्ति की ध्वजा फहराकर जगत् प्रसिद्ध कर दिया। यह है उच्च राशि के सूर्य का परिणाम।

सूर्य शनि आमने-सामने दोनों ही उच्च राशि में बैठकर एक-दूसरे को देख रहे हैं। जैसे पिता पुत्र का और पुत्र पिता का ख्याल रख रहे हों। दोनों के 7 घर दूर बैठने से आपस के प्रेम, आत्मीयता, स्नेह आदि में वृद्धि दर्शाता है। साथ ही साथ पंचम स्थान में बैठा स्वग्रही शुक्र भी संतान के रूप में, पुत्र-पुत्री के रूप में, शिष्य-शिष्याओं के प्रति प्रेम दिखाया जा रहा है। इसी कारण से भगवान् महावीर का विशाल शिष्य समुदाय बना, जिसमें 14 हजार साधु, 36 हजार साध्वियां, 1 लाख 59 हजार श्रावक और 3 लाख 18 हजार श्राविकाएं थीं। पाठकों के मन में यह शंका उत्पन्न होना स्वाभाविक है कि इतना बड़ा समुदाय प्रभु ने कैसे संभाला होगा? गहराई से अध्ययन करने पर ज्ञात होता है कि जब प्रभु के उच्च का मंगल, जिसने उनको यह पद प्रदान करवाया, तो उसने उनको शिष्य समुदाय संभालने का साहस-शक्ति व सामर्थ्य भी प्रदान किया। जब भी कोई विचलित हुए, उन्हें अविचल किया। जब कोई अस्थिर हुए, उन्हें स्थिर किया। अधर्मी को धर्मी, अज्ञानी को ज्ञानी, हिंसक को अहिंसक, संसारी को संयमी और संयमी को सिद्ध बनाकर इतिहास में अपना नाम अमर कर दिया। मंगल, सूर्य, बुध व शुक्र के बारे में प्रस्तुत कुण्डली से ग्रहों का बल व फल जानने का प्रयास किया है। चार ग्रहों का प्रभाव देखा है, किन्तु पांच ग्रहों का प्रभाव भगवान् महावीर पर कैसा रहा है? यह जानना अभी शेष है।

जीवाश्म ईंधन से दुनिया में 80 लाख मौतें

निष्ठा शर्मा

9 फरवरी 2021 'एनवायर मेंटल साइंस जर्नल' में प्रकाशित एक आलेख में दावा किया गया है कि विश्व में करीब 80 लाख मौतों के लिए जीवाश्म ईंधन जिम्मेदार है, जिसमें अकेले भारत में 30.7 फीसदी जीवाश्म ईंधन जनित मौतें होती हैं।

हार्वर्ड विश्वविद्यालय, यूनिवर्सिटी ऑफ बर्मिघंम तथा यूनिवर्सिटी कॉलेज, लंदन के विद्यार्थियों के अध्ययन को लेकर प्रकाशित एनवायरमेंटल साइंस जर्नल के आलेख में कहा गया है कि भारत में जीवाश्म ईंधन खासकर डीजल और कोयले के जलने से पैदा प्रदूषण से करीब 25 लाख मौतें होने का अनुमान है। अध्ययन में बताया गया है कि दुनिया में करीब 80 लाख मौतों के लिए जीवाश्म ईंधन जिम्मेदार है।

अब तक प्रदूषण से होने वाली मौतों का जो आंकड़ा तैयार किया जाता रहा है, उसमें पीएम 2.5 कणों के आधार पर नतीजे निकाले जाते हैं। जीवाश्म ईंधन से हुए प्रदूषण के पृथक आंकड़े नहीं थे। दरअसल उपग्रह से प्राप्त आंकड़ों एवं सतह पर लगे निगरानी उपकरणों से यह पता लगाना मुश्किल होता है कि पीएम 2.5 में मौजूद कणों में जीवाश्म ईंधन के जलने, वनों में लगी आग के कारण पैदा कणों एवं धूल के कणों की हिस्सेदारी कितनी है।

पीएम 2.5 कणों के स्रोत का पता लगाया

इस अध्ययन मे हार्वर्ड विवि के शोधकर्ताओं ने नासा के ग्लोबल मॉडलिंग एंड एसीमिलेशन ऑफिस के गोडर्ड अर्थ आब्जर्विंग सिस्टम (जीइओएस) मॉडल का इस्तेमाल किया। इसके जरिये यह पता लगाना संभव होता है कि हवा में मौजूद पीएम 2.5 कणों के स्रोत क्या-क्या हैं। इसी मॉडल के नतीजों के आधार पर शोधकर्ताओं ने दावा किया कि 2018 में दुनिया में करीब 80 लाख लोगों की जीवाश्म ईंधन के कारण मौत हुई।

भारत में सर्वाधिक मौतें

भारत में जीवाश्म ईंधन से सर्वाधिक मौते हुई हैं। भारत में 30.7 फीसदी मौतें होने का दावा किया गया है जो करीब 24.58 लाख के करीब है। सबसे ज्यादा 471546 मौतें उत्तर प्रदेश, बिहार में 288821, हरियाणा में 103045, झारखंड में 96574 तथा उत्तराखंड में 16552 मौतें दर्ज की गई हैं।

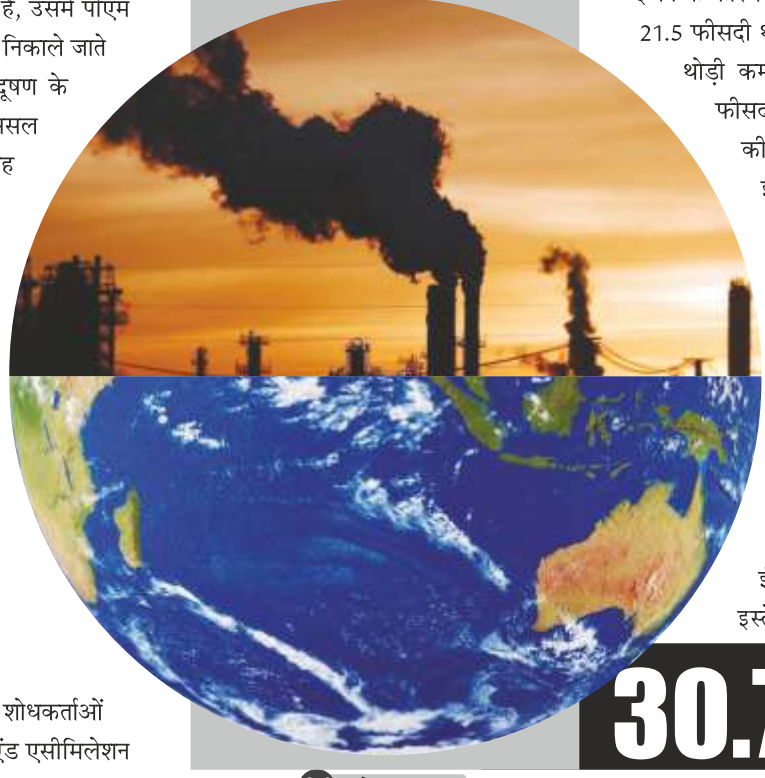

सख्त मानक से घटी मौतें

शोधकर्ताओं ने कहा कि वर्ष 2012 में जीवाश्म ईंधन के कारण होने वाली मौतों की हिस्सेदारी 21.5 फीसदी थी। लेकिन वर्ष 2018 में इसमें थोड़ी कमी आई और यह घटकर 18 फीसदी रह गई। इसकी वजह हवा की गुणवत्ता को लेकर जीवाश्म ईंधन के मानकों को सख्त बनाया जाता है। हार्वर्ड विश्वविद्यालय के टीए चैन स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के एनवायरमेंटल एपियोडेमोलॉजी के प्रोफेसर जोइल स्वर्ट्ज ने कहा कि यह अध्ययन नीति निर्माताओं के लिए स्पष्ट संकेत देता है कि जीवाश्म ईंधन त्यागें और स्वच्छ ईंधन का इस्तेमाल बढ़ाएं।

30.7% मौतें भारत में जीवाश्म ईंधन जनित

Saurab Singhvi
B.E. Chemical
Director
+ 91-9214042533

SUPER CARS™
DRIVE THE TRUST

Gaurav Singhvi
B.E. Automobile
Director
+ 91-9251436483

SINGHVI AUTOMOBILES & ENGINEERS

A Multi Brand Car Workshop

Specialist of

Wheel alignment, wheel balancing, AC gas filling, N2 gas filling, Machanical repair, Insurance claims, Denting, Painting, Washing etc.

Near Thokar chouraha, Ayad Road, Udaipur - 313001 (Raj.) Ph. No.: 0294-2491296, 9983323255
E-mail: singhviautomobiles@gmail.com, www.singhviautomobile.com, Follow us:

VIJETA NAMKEEN PRODUCTS

Main Road Bhupalpura, Udaipur-313001, Rajasthan INDIA, Contact No. : 0294-2415817, Mob. : 09828555227
E-mail ID. : vijetanamkeen@gmail.com

पांच राज्यों में चुनाव दंगल

नतीजों से होगा नेताओं की साख का मूल्यांकन

संदीप गर्ग

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव करीब एक महीना चलेगा और नतीजे आने में एक महीने से कुछ अधिक समय लगेगा। 27 मार्च को मतदान का पहला दौर संपन्न हुआ। 29 अप्रैल को आखिरी होगा। मतों की गणना दो मई को होगी। केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में एक ही दिन मतदान होगा। असम में तीन चरण में वोट पड़ेंगे और पश्चिम बंगाल में मतदान आठ चरणों में होगा। इसके पहले वहां दो चुनाव सात चरणों में हुए थे। निर्वाचन आयोग ने इसके पीछे सुरक्षा व्यवस्था को बड़ा कारण बताया है। लोकतंत्र में मतदाता ही सर्वप्रमुख होता है और उसे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि मतदान कितने चरणों में हो रहा है। उसे तो सिर्फ एक दिन अपने विवेक से अपना वोट देना है। पिछले साल नवम्बर में बिहार में चुनाव कई चरणों में और लगभग शांतिपूर्ण सम्पन्न हुए थे। अत: इन बातों को लेकर चुनाव आयोग की नीयत पर संदेह उचित नहीं है कि आठ चरणों में चुनाव किसी दल विशेष को लाभ पहुंचाने के लिए कराए जा रहे हैं।

पुडुचेरी

पुडुचेरी विधानसभा के चुनाव एक ही चरण में तमिलनाडु के साथ 6 अप्रेल को होंगे। पुडुचेरी में 22 फरवरी को कांग्रेस और डीएमके गठबंधन की सरकार गिरने के बाद से राष्ट्रपति शासन लागू है। इस केन्द्रशासित प्रदेश की 30 सदस्यीय विधानसभा के लिए हो रहे चुनाव में भाजपा अन्नाद्रमुक गठबंधन का कांग्रेस-डीएमके गठबंधन से कड़ा मुकाबला होगा। पूर्व मुख्यमंत्री वी. नारायणसामी चुनाव प्रचार के दौरान इस बात को मतदाताओं के गले उतारने की कोशिश में हैं कि भाजपा, एनआईएनआरसी और अन्नाद्रमुक गठबंधन यदि सत्ता में आ गया तो पुडुचेरी की एक राज्य के रूप में पहचान समाप्त हो जाएगी और केन्द्र सरकार इसका तमिलनाडु में विलय कर देगी। वरिष्ठ कांग्रेस नेता वीरप्पा मोइली ने कहा कि डीएमके कांग्रेस गठबंधन को भाजपा मोर्चा पूरी तरह परास्त कर फिर से सरकार बनाएगा।

केरल

माकपा नीत एलडीएफ केरल में लगातार दूसरी बार जीत के लिए प्रयासरत है। 2016 के विधानसभा चुनाव में एलडीएफ को 140 में से 91 सीटों पर जीत मिली थी। केरल में इस बार वामपंथी दलों के सामने सवाल 'करो या मरो' का है। पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा के गढ़ ढहने के बाद इकलौते राज्य केरल में बची अपनी सरकार को क्या वामपंथी बचा पाएंगे? इसका जवाब आसान नहीं है। पिछले चार दशकों से राज्य की सत्ता बारी-बारी से कांग्रेस और वाम मोर्चा के बीच बदलती रही है। इस लिहाज से विधानसभा के इन चुनावों में बारी कांग्रेस नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट की है। लेकिन कांग्रेस मोर्चे के रास्ते में मुख्यमंत्री पी. विजयन दीवार बनकर खड़े हैं। बीते लोकसभा चुनावों में 20 में से 19 सीटें जीतने के बावजूद कांग्रेस नीत मोर्चा सत्ता में आने को लेकर आश्वस्त नहीं है। लोकसभा चुनाव नतीजों के बाद कांग्रेस की राह आसान नजर आने लगी थी। लेकिन तीन महीने पहले हुए निकाय चुनाव में वाममोर्चे की शानदार जीत ने राजनीतिक विश्लेषकों को हैरत में डाल दिया। राहुल गांधी इसी प्रदेश की वायनाड सीट का लोकसभा में प्रतिनिधित्व करते हैं। कांग्रेस को यहां उम्मीद जरूर है, पर वाम गठबंधन का कामकाज पिछले पांच वर्षों में कई मायनों में बहुत अच्छा रहा है। फिर देश की सबसे पुरानी पार्टी पर यह तोहमत भी है कि देश के अन्य हिस्सों में वह कम्युनिस्ट विचारधारा वाले दलों के साथ मिलकर चुनाव लड़ती है, जबकि यहां दोनों आमने-सामने हैं। क्या इसका चुनावों पर कोई असर पड़ेगा? वैसे, इस तरह का घालमेल भारतीय राजनीति के लिए नया नहीं है और कांग्रेस के पास उम्मीद बनाए रखने के बहुत से कारण भी हैं। भाजपा का केरल से संसद में प्रतिनिधित्व रहा है, लेकिन राज्य की सत्ता काफी हद तक वामपंथी और कांग्रेस के बीच रही है। 'मिशन दक्षिण' के हिस्से के रूप में भाजपा इस राज्य में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने को बेताब है। उसे उम्मीद है कि केरल के आइकन्स पर दांव लगाकर पार्टी को अपने मिशन को पूरा करने में फायदा होगा। भाजपा की दोतरफा रणनीति है। पहला-हिन्दू मतदाताओं तक पहुचने की और सबरीमाला के पक्ष में उन महिलाओं तक सीमित रहने की, जो अभी युवावस्था तक पहुंची हैं या इसे पार नहीं कर पाई हैं। दूसरा-भाजपा इन प्रतीकों को लुभाने के साथ-साथ केरल के शहरी युवा मतदाताओं को भी अपने साथ लाने की उम्मीद करती हैं।

चार राज्यों और एक केन्द्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव का घमासान शुरू हो चुका है। ममता बनर्जी क्या अपना गढ़ बचा पाएंगी? जयललिता की अनुपस्थिति में क्या अन्नाद्रमुक फिर सत्ता में लौट सकेगी? असम में एनआरसी-सीएए दिला पायेंगे भाजपा को दोबारा सत्ता? केरल किसके खाते में जाएगा, कांग्रेस या कम्युनिस्ट? पुडुचेरी में सरकार गिराने वालों को मतदाताओं का क्या होगा जवाब? इन तमाम प्रश्नों के उत्तर के लिए करना होगा 2 मई तक इन्तज़ार।

असम

असम में पहली बार सरकार बनाने वाली भाजपा के सामने अपनी मौजूदा सरकार को बचाने की कड़ी चुनौती है। पिछले चुनाव में भाजपा की जीत का एक बड़ा कारण कांग्रेस और एआईयूडीएफ के गठजोड़ का ना हो पाना भी था। पांच साल पहले भाजपा नीत एनडीए 42 फीसदी वोट पाकर 126 में से 86 सीट जीतने में कामयाब हो गया था। जबकि 44 प्रतिशत वोट पाकर भी अलग-अलग चुनाव लड़ने के कारण कांग्रेस और एआईयूडीएफ को सिर्फ 39 सीटों पर संतोष करना पड़ा था। इस बार चुनाव से पहले दोनों दलों ने चुनावी गठजोड़ करके भाजपा की राह कठिन कर दी है। मोदी सरकार ने अपना दूसरा कार्यकाल शुरू होते ही राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर (एनआरसी) और नागरिकता(संशोधन) कानून (सीएए) का प्रावधान किया था। समूचा देश इससे आंदोलित हो उठा था। आरोप था कि यह अल्पसंख्यकों के खिलाफ एक सुनियोजित साजिश है। शाहीन बाग का आंदोलन इसी की उपज था। इस दौरान देश के अन्य भागों में हुई हिंसा में 65 से अधिक लोग मारे गए थे। असम में बांग्लादेश के लोगों की आमद से उपजा असंतोष इन कानूनों के स्वागत की उम्मीद जताता था, पर कुछ दिनों में साफ हो गया कि इन कानूनों से सिर्फ बांग्लादेश घुसपैठिए नहीं, बल्कि असम के मूल निवासी भी प्रभावित होंगे। आनन-फानन में इस संवेदनशील सूबे में दशकों की धूल में दबे दर्द भरे मुद्दे फिर से उभर उठे हैं। सरकार को भी इन प्रस्तावों को ठंडे बस्ते में डालने का अवसर प्रदान कर दिया था। अब, जब चुनाव हर मतदाता का दरवाजा खटखटा रहा हैं, तब इन प्रावधानों को लेकर भी सुगबुगाहटें शुरू हो गई हैं। क्या प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस को इसका कोई लाभ मिलेगा? कांग्रेस के नेतृत्व वाला गठबंधन यहां सन 2016 तक हुकूमत में था।

पश्चिम बंगाल

बगावत से भी जूझना पड़ रहा है। 21 महीने पहले हुए लोकसभा चुनाव में 18 सीटें जीतकर उभरी भाजपा ने ममता की अपने घर में घेराबंदी करके मुकाबले को रोचक बना दिया है। अभी ये कहना मुश्किल है कि पिछले चुनाव में सिर्फ तीन सीटें जीतने वाली भाजपा क्या दस साल के ममता राज को अपदस्थ कर देगी? लेकिन बीते दो साल में बने राजनीतिक माहौल और जनभावनाओं के आधार पर इतना अवश्य लग रहा है कि इस बार यहां मुकाबला तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच ही सिमटने की संभावना है। पश्चिम बंगाल के चुनाव पर दुनिया की नजरें हैं। ममता बनर्जी जुझारू नेता हैं। वह अपनी एक दशक पुरानी हुकूमत बचाने के लिए जी-जान से मैदान में कूद पड़ी हैं। भाजपा जानती थी कि ऐसा होगा, इसीलिए उसने पांच वर्ष पहले ही अपने दबंग नेता कैलाश विजयवर्गीय को बंगाल में तैनात कर दिया था। वह मुख्यमंत्री के करीबी रहे तमाम नेताओं को भगवा ध्वज के नीचे लाने में कामयाब रहे हैं। अमित शाह की अगुवाई में अब तक जितने चुनाव लड़े गए, हरेक में स्थानीय पार्टियों में जमकर तोड़-फोड़ हुई। इस आक्रामक रणनीति के कारण भाजपा तृणमूल कांग्रेस की प्रमुखतम प्रतिद्वंद्वी के तौर पर खुद को स्थापित करने में कामयाब रही है। कांग्रेस और वाम दल अपना पुरानी पैठ के बावजूद आम चर्चा से अनुपस्थित हैं।

दस साल पहले प. बंगाल में 'मां, माटी और मानुष' नारे के दम पर 34 साल के वाममोर्चा शासन को उखाड़ फेंकने वाली ममता बनर्जी के सामने सत्ता बचाने की कड़ी चुनौती है। अब तक वामपंथी दलों और कांग्रेस से संघर्ष करती आई तृणमूल नेता ममता के सामने भाजपा नई ताकत के रूप में उभरकर सामने आई है। राजनीति की बिसात पर चली जा रही चालों का तोड़ ढूंढना ममता के लिए टेढ़ी खीर साबित हो रहा है। पं. बंगाल की फायरब्रांड नेता मानी जाने वाली ममता को भाजपा के 'मोदी-शाह' के साथ अपनों की

तमिलनाडु

चार दशक बाद ये पहला मौका है जब तमिलनाडु द्रमुक के एम. करुणानिधि और अन्नाद्रमुक की जे जयललिता की गैर मौजूदगी में चुनाव का सामना करने जा रहा है। पांच-पांच बार मुख्यमंत्री रह चुके दोनों नेताओं के निधन के बाद राज्य की राजनीति उठापटक के दौर से गुजर रही है। चार साल पहले जयललिता के निधन के बाद अन्नाद्रमुक जैसे-तैसे सरकार बचाने में तो कामयाब रही, लेकिन जयललिता की जगह लेने वाला कोई नेता तैयार नहीं कर पाई। राज्य की राजनीति बीते पांच दशकों से द्रमुक और अन्नाद्रमुक के इर्द-गिर्द घूमती रही है। कांग्रेस और भाजपा जैसे राष्ट्रीय दल भी इन्हीं दोनों दलों से तालमेल करके अपनी राजनीतिक जमीन तलाशते रहे हैं। अन्नाद्रमुक सरकार का नेतृत्व कर रहे ई. पलानीसामी मुख्यमंत्री पद के स्वाभाविक दावेदार हैं, तो द्रमुक की तरफ से करुणानिधि के पुत्र एम के स्टालिन भी सत्ता आने पर मुख्यमंत्री पद के दावेदार हैं। द्रमुक हमेशा कांग्रेस के साथ रही है और इस बार भी दोनों का गठबंधन रहेगा। द्रमुक चुनावों में अपनी उपस्थिति से अन्नाद्रमुक-भाजपा गठबंधन को परेशानी में डालने की ताकत तो रखती है।
तमिलनाडु विधानसभा से अब तक बाहर रही भाजपा को एक अदद सफलता की तलाश है। दीर्घकालिक रणनीति के रूप में उसकी नजर बेशक साल 2026 के विधानसभा चुनावों पर होगी, लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि उसने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आगे करके इस दिशा में अपने कदम बढ़ा दिए हैं। मोदी ने पिछली यात्राओं में मुख्यमंत्री पलानीसामी व अन्य नेताओं के साथ बैठकें की है। शशिकला का राजनीति से सन्यास का फैसला भी अन्नाद्रमुक-भाजपा की जीत की राह में सहायक बन सकता है। डीएमके में तो करुणानिधि ने स्टालिन को अपने जीते जी ही उत्तराधिकारी के रूप में आगे बढ़ाना शुरू कर दिया था, पर जयललिता के दल एआईएडीएमके में ऐसा कुछ नहीं हुआ। यह पार्टी सत्ता में जरूर है, पर अंदरूनी खींचतान से भितरघात को बल मिलता है। यही नहीं, जयललिता की सहचरी शशिकला का बेंगलुरु जेल से रिहाई के बाद जिस तरह से स्वागत हुआ वह चौंकाने वाला था, किन्तु कुछ ही दिन बाद 3 मार्च को उन्होंने राजनीति से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। कमल हासन की पार्टी का ऊंट किस करवट बैठेगा, यह तो मतदान का रुख ही तय करेगा।

नवनियुक्त मुख्य आयुक्त जितेन्द्र उपाध्याय से बातचीत

स्काउट : भविष्य की आशा, निष्ठा का पर्याय

राजसमंद/प्रत्यूष ब्यूरो. राजस्थान के राजसमंद जिले के कांकरोली में 6 मार्च को राजस्थान राज्य भारत स्काउट-गाइड उदयपुर मंडल के अधिवेशन में जनजाति विकास आयुक्त (आइएएस) जितेन्द्र उपाध्याय को मंडल मुख्य आयुक्त मनोनीत किया गया। इस मौके पर 'प्रत्यूष' ने उनसे भारत स्काउट-गाइड के सेवा कार्यों को लेकर बातचीत की। उन्होंने बताया कि भारत स्काउट गाइड भारत के भविष्य की इबारत है। स्काउट गाइड से जुड़ा विद्यार्थी अनुशासन व निष्ठा का पर्याय होता है। वह जीवन में कभी राह से नहीं भटकता। उसे ऐसे प्रशिक्षणों के माध्यम से आग में तपा कर ऐसा कुंदन बनाया जाता है कि वह देश की हर दिशा को चमका सकता है।

उन्होंने कहा कि कोरोना काल में हमारे स्काउट-गाइड प्रशासन और चिकित्सा दलों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम में जुटे हुए थे। उस दौर में डोर-टू-डोर सर्वे, मास्क वितरण, भोजन वितरण, फूड पैकेट्स वितरण का कार्य कर इन्होंने समाज में सहयोग व सेवा का बेमिसाल उदाहरण पेश किया है। हर माता-पिता अपने बच्चों को स्काउट गाइड से जोड़ेंगे तो उनका व्यक्तित्व निखरेगा। उन्होंने बताया कि पूरे मंडल में अभी 1 लाख 83 हजार 546 स्काउट गाइड हैं, जो विभिन्न सेवा कार्य समय-समय पर करते हैं।

वर्तमान में उदयपुर जिले में 45,094 स्काउट गाइड हैं, इसमें 32,646 स्काउट व 12,448 गाइड शामिल हैं। उपाध्याय ने कहा कि समाज सेवा कार्यों में हमेशा ही आगे रहने वाले स्काउट गाइड ने पल्स पोलियो अभियान में बच्चों को लाने-ले जाने में पूर्ण सहयोग किया। कोरोना टीकाकरण अभियान की शुरुआत से अब तक हर केन्द्र पर जरूरत के अनुसार स्काउट गाइड नियमित कार्य कर रहे हैं। स्काउट से जुड़ने वाला विद्यार्थी, जो विभिन्न सोपानों से होता हुआ राज्यपाल व राष्ट्रपति पुरस्कार तक पहुंचता है, ये उसकी शिक्षा के साथ-साथ चलने वाली नई दिशा और नई राह होती है। जनजाति विभाग द्वारा इसके लिए अलग से विशेष बजट जारी किया जाता है। यूनिफॉर्म, भोजन व कैंप सहित विभिन्न व्यवस्थाएं विभाग द्वारा की जाती हैं।

विविधा

एक ही प्लेटफॉर्म पर सुपर स्पेशियलिटी सुविधाएं

उदयपुर। पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल भीलों का बेदला में स्पेशियलिटी विंग का उद्घाटन संस्थान के चेयरमैन राहुल अग्रवाल, प्रीति अग्रवाल, शरद कोठारी एवं ग्रुप डायरेक्टर मेडिकल सर्विसेज डॉ. दिनेश शर्मा ने पूजा-अर्चना कर किया। इस विंग में सभी सुपर स्पेशियलिटी विभागों के उच्च स्तरीय चिकित्सकों की सुविधाएं एक ही छत के नीचे मिल सकेंगी। एडिशनल डायरेक्टर जनरल अमर अग्रवाल ने कहा कि दक्षिणी राजस्थान में सुपर स्पेशियलिटी सुविधाओं के सुदृढ़ विकास के मामले में पीएमसीएच हमेशा आगे रहा है। विंग में मरीजों की यूरोलॉजी, गेस्ट्रोइंट्रोलॉजी,

एण्डोक्राइनोलॉजी, प्लास्टिक सर्जरी, नेफ्रोलॉजी सहित अन्य विशेषज्ञ सुविधाएं मिलेंगी।

मातृभाषा वेबसाइट का विमोचन

गुरुनानक कॉलेज में निबंध प्रतियोगिता

उदयपुर। निर्माण सोसायटी की 10 राजस्थानी भाषाओं की वेबसाइट का विमोचन अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर शंभू निवास में अरविंदसिंह मेवाड़ ने किया। निर्माण सोसायटी, कपासन (चित्तौड़गढ़) द्वारा तैयार राजस्थान की मेवाड़ी, ढूंढाडी, शेखावटी, हाड़ौती, वागड़ी, मारवाड़ी, मेवाती, ओड-राजपूत व बृजभाषा की वेबसाइट्स का विमोचन किया गया। इस अवसर पर मेवाड़ ने मेवाड़ी में कहा कि 'आपणी भाषा आपणी संस्कृति, आपणी धरोहर है, आपणी भाषा रो सबां ने सम्मान करणो चावे और घर-परवार में आपणी बोली बोलणी चावे।' निर्माण सोसायटी की ओर से प्रकाशित मेवाड़ी कावतां पुस्तक का, सोसायटी के मुख्य प्रबंधक बिन्नी अब्राहम, आर.एन. डिसूजा तथा राजस्थान प्रबंधक मुकेश कुमार योगी ने विमोचन किया। गुरुनानक कॉलेज में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, इसमें 35 छात्राओं ने भाग लिया। प्राचार्य प्रोफेसर नरपतसिंह राठौड़, डॉ. सिम्मी सिंह, हिंदी विभागाध्यक्ष अनिल चतुर्वेदी, शिक्षा विभाग अध्यक्ष डॉ. अंजना आमेटा आदि उपस्थित थे।

नवसंवत्सर की हार्दिक शुभकामनाएं

संजय सनाढ्य
मा. विवान सनाढ्य
9269100299, 9413812901

सुनिल सनाढ्य
9772092885
मा. युवान सनाढ्य

रूद्राक्ष ज्वैलर्स (ओड़ा वाला)

23 केरेट सोना-चांदी के आभूषण एवं राशि रत्नों के मिलने का विश्वसनीय स्थान

15, हिरणों की सेहरी, सिंधी बाजार, उदयपुर (राज.)
निवास - R-5, 52 जयश्री कॉलोनी, उदयपुर

Contact :- 0141 - 4022603, 2312991
WhatsApp :- 9785025585
E-mail:- jbdjaipur@rediffmail.com

AMIT PUBLICATIONS

S.G.M House, Nataniyo Ka Rasta,
Chaura Rasta, Jaipur (Rajasthan)

Wholesaler, Distributor & Publishers

: DEALERS IN :

MEDICAL, NURSING, PARAMEDICAL (DMLT, DRT, DOTT, DECG), PHARMACY, AGRICULTURE, COMPUTER, COLLEGES AND ALL TECHNICAL & EDUCATIONAL BOOKS

OUR MORE PUBLICATIONS

MANISH PUBLICATIONS
✆ 9829794065

BHAWNA PUBLICATIONS
✆ 9829056461

भारत की आज़ादी का सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव था दांडी मार्च

प्रहलाद सिंह पटेल

भारत की स्वतंत्रता के 75वें वर्ष पर 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' की शुरुआत अहमदाबाद में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 12 मार्च को की। इसी दिन महात्मा गांधी के नमक सत्याग्रह के 91 साल भी पूरे हुए। यह महोत्सव 75 सप्ताह तक चलेगा। अहमदाबाद से प्रधानमंत्री ने दांडी मार्च के लिए 81 पदयात्रियों को शुभकामनाओं के साथ रवाना किया। ये पदयात्री 386 किमी की यात्रा कर 5 अप्रेल को दांडी पहुंचेंगे। उल्लेखनीय है कि गांधीजी ने 79 लोगों के साथ साबरमती से दांडी तक कूच कर ब्रिटिश हुकूमत के नमक कानून को तोड़ा था।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में दांडी मार्च सबसे प्रभावशाली प्रतीकात्मक आंदोलन रहा है। दांडी यात्रा के बाद की घटनाओं को हम देखें तो ब्रितानी हुकूमत की औपनिवेशिक सत्ता दबाव में आने लगी थी। इस आंदोलन के माध्यम से महात्मा गांधी ने एक बार फिर दुनिया को सत्य और अहिंसा की ताकत का परिचय कराया। भारत में नमक बनाने की परम्परा प्राचीन काल से रही है। परम्परागत ढंग से नमक बनाने का काम किसानों द्वारा किया जाता रहा है, जिसे नमक किसान भी कहा जाता था। बिहार और कई अन्य प्रांतों में यह कार्य खास जाति के हवाले था। धीरे-धीरे नमक बनाने की तकनीक में सुधार आरंभ हुआ, लेकिन समय के साथ नमक जरूरत की वस्तु की बजाय व्यापार की वस्तु बनने लगा।

2 मार्च 1930 को लार्ड इरविन को लिखे एक पत्र में गांधीजी कहते हैं, **'राजनीतिक दृष्टि से हमारी स्थिति गुलामों से अच्छी नहीं है। हमारी संस्कृति की जड़ ही खोखली कर दी गई है। हमारा हथियार छीनकर हमारा सारा पौरूष अपहरण कर लिया गया है।' इसी पत्र में वे आगे लिखते हैं, इस पत्र का मकसद कोई धमकी देना नहीं है। यह तो सत्याग्रही का साधारण और पत्रिव कर्तव्य मात्र है। इसलिए मैं इसे भेज भी खासतौर पर एक ऐसे युवा अंग्रेज मित्र के हाथ रहा हूं जो भारतीय पक्ष का हिमायती है, जिसका अहिंसा पर पूर्ण विश्वास है और जिसे शायद विधाता ने इसी काम के लिए मेरे पास भेजा है।** जिस अंग्रेज युवक का गांधीजी जिक्र किया उसका नाम रेजिनाल्ड रेनाल्ड था। यह युवक गांधीजी के साथ आश्रम में रह चुका था और उनकी नीतियों में पूरा यकीन रखता था। लॉर्ड इरविन को पत्र लिखने के पीछे गांधीजी का उद्देश्य चेतावनी की बजाय सूचना देना था क्योंकिं वे गरीबों की दृष्टि से इस कानून को सबसे अधिक अन्यायपूर्ण मानते थे।

तय कार्यक्रम के अनुसार दिनांक 12 मार्च को साबरमती आश्रम से दांडी मार्च प्रारंभ हुआ। ठीक साढ़े छह बजे गांधीजी ने अपने 79 अनुयायियों के साथ आश्रम छोड़ा और मार्च आरंभ किया। दांडी तक की 241 मील की दूरी उन्होंने 24 दिन में पूरी की। इस दौरान गांधीजी वहां विश्राम करते थे, वहीं जनसमूह को संबोधित भी करते थे। उनके भाषणों ने लोगों में अंग्रेजों के जुल्म के विरुद्ध जबर्दस्त माहौल पैदा कर दिया।

दांडी यात्रा के दौरान यह तय किया गया कि नमक कानून पर ही लोग अपनी शक्ति केन्द्रित रखें और साथ ही यह चेतावनी भी दी गई कि

गांधीजी के दांडी पहुंचकर नमक कानून तोड़ने से पहले सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू नहीं किया जाएगा। गांधीजी की अनुमति से सत्याग्रहियों के लिए एक प्रतिज्ञा पत्र बनाया गया। इस पत्र की शर्तों में शामिल था कि मैं जेल जाने को तैयार हूं और इस आंदोलन में और जो भी कष्ट और सजाएं मुझे दी जाएगी, उन्हें मैं सहर्ष सहन करूंगा। 4 अप्रेल 1930 को रात्रि में पदयात्रा ने दांडी में प्रवेश किया। 5 अप्रेल को प्रात: खादीधारी सैकड़ों गांधीवादी सत्याग्रही दांडी तट पर एकत्र हुए। यहां प्रेसवार्ता भी आयोजित की गई। सरोजिनी नायडू, डॉ. सुमंत, अब्बास तैयबजी, मिट्ठू बेन पेटिट

भी गांधीजी से मिलने आए। अपने संबोधन में गांधीजी ने अगले दिन सुबह नमक कानून तोड़ने की जानकारी दी। 6 अप्रेल को प्रात: दांडी तट पर नमक हाथ में लेकर गांधीजी ने नमक कानून तोड़ा। ब्रिटिश कानून के तहत उन्हें तुरंत हिरासत में लिया गया।

गिरफ्तारी से पूर्व गांधीजी ने अपने संदेश में कहा कि **'त्याग के बिना मिला हुआ स्वराज टिक नहीं सकता। अत: संभव है जनता को असीम बलिदान करना पड़े। सच्चे बलिदान में एक ही पक्ष को कष्ट झेलने पड़ते हैं अर्थात बिना मारे मरना पड़ता है।'** दांडी यात्रा का वर्णन करते हुए लंदन टेलीग्राफ के संवाददाता अश्मीद बार्टलेट ने लिखा कि कौन जाने यह घटना आगे चलकर ऐतिहासिक बन जाए? एक ईश्वर दूत की गिरफ्तारी कोई छोटी बात है? सच्चे-झूठे की भगवान जाने परंतु इसमें कोई शक नहीं, गांधी आज करोड़ों भारतीयों की दृष्टि से महात्मा और दिव्य पुरुष हैं। भारत की आजादी का यह सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव था, जो दांडी यात्रा के बीज से निकला था। गांधीजी की दांडी यात्रा के साथ भारत भर में राष्ट्रीय चेतना की लहर चल पड़ी। भारत की स्वतंत्रता के लिए गांधीजी का दांडी मार्च आज भी मुश्किल वक्त में सही फैसला करने की राह दिखाता है और लोगों को त्याग की अहमियत समझाता है।

(लेखक केन्द्रीय पर्यटन और संस्कृति राज्यमंत्री हैं)

प्रसंगवश

राहतकारी बजट

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने साल 21-22 के बजट में हर वर्ग को राहत देने का प्रयास किया है। बजट में महिलाओं, बच्चों, शहीद परिवारों के साथ किसानों, पत्रकारों से जुड़ी कई नई घोषणाएं की। इसके अलावा सड़क, बिजली, सिंचाई, परिवहन, पर्यटन आदि क्षेत्रों के विकास संबंधी घोषणाएं भी शामिल हैं। गहलोत ने राज्य में नई राज्य सड़क नीति व नई ऊर्जा नीति व शहरी विकास की कुछ नई घोषणाएं भी की। बजट में कोई कर नहीं लगाया। बजट में मध्यम वर्ग को मकान खरीदने के लिए स्टाम्प ड्यूटी में राहतें दी गई है, उससे गृह निर्माण क्षेत्र को राहत मिलेगी, साथ ही सरकार की आय भी बढ़ेगी। सरकार ने 910 करोड़ रुपए की राहतें बांटी है। हैल्थ सेक्टर में काफी बड़ी योजना की घोषणा हुई है, जो स्वागत योग्य है।

- फिरोज अहमद शेख

असुरक्षित महिलाएं

महिलाओं से छेड़छाड़, बलात्कार, हिंसा और हत्या की घटनाएं देश और समाज की नींद उड़ाने वाली है। इसके लिए समय रहते कदम उठाना जरूरी है। ये हालात नासूर बन जाएं उससे पूर्व महिलाओं को सुरक्षा, सम्मान एवं मजबूती देने के प्रयास किए जाने चाहिए।

आजादी के बाद भी महिलाओं की समस्याएं ज्यों की त्यों है। ज्यादा सुधार दिखाई नहीं देता। यह खेद और चिंता का विषय है। अभी हाल ही राजस्थान के दौसा में एक पिता ने अपनी पुत्र के प्रेम विवाह पर उसे मौत के घाट उतार दिया, यह दिल दहलाने वाली घटना है। किशनगढ़ (अजमेर) में पुलिसकर्मी का बेटा बेखौफ घर में घुसकर एक युवती को उठा ले गया और बचाने आए माता-पिता को बेरहमी से पीट दिया। तीसरी घटना उदयपुर की है। इंदौर की ट्रेन से उदयपुर से नीमच जा रही युवती के साथ युवक ने शर्मनाक हरकतें की। दस दिन की पुलिस भागदौड़ के बाद युवक गिरफ्तार तो हुआ पर दो घंटे बाद ही उसे जमानत मिल गई।

ऐसी घटनाएं समाज और शासन को शर्मसार करती है। आखिर आए दिन ऐसा क्यों, कैसे हो रहा है? इसके लिए क्या करना चाहिए? इस पर मंथन जरूरी है। हमारी सरकारें महिला सशक्तीकरण के लिए कई तरह के कानून बनाती हैं, फिर सुधार क्यों नहीं हो पाता?

नारियों के विरुद्ध अपराध या असुरक्षित वातावरण को बनाने में विदेशी संस्कृति और फूहड़ फिल्में और टीवी कार्यक्रम भी काफी हद तक जिम्मेदार हैं। आज बेरोजगारी एवं बढ़ती जनसंख्या के चलते संयुक्त परिवार टूटने लगे हैं। एकल परिवार में बच्चों को संस्कारों या सद् आचरण की प्रेरणा नहीं मिल रही है। महिलाओं को जागृत एवं मजबूत बनाने के लिए शिक्षा प्रसार की मुहिम को तेज करना होगा। शिक्षित महिला ही आर्थिक, पारिवारिक एवं सामाजिक चुनौतियों का सामना करने में समर्थ होती है।

-भगवान प्रसाद गौड़

क्रांतिकारी समाज सुधारक ज्योतिबा फुले

ज्योतिबा फुले महान समाज सेवी थे। उन्होंने अछूतोद्धार के लिए सत्यशोधक समाज की स्थापना की थी। स्त्रियों की दशा सुधारने व उनकी शिक्षा के लिए ज्योतिबा ने एक स्कूल स्थापित किया, जो इस दिशा में देश का पहला विद्यालय था। समाज सुधार के प्रति उनके इस समर्पण को देखते हुए 1888 में उन्हें 'महात्मा' का आदर सूचक संबोधन प्रदान किया गया। 11 अप्रेल को महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती सारे देश में मनाई जाएगी। इसी क्रम में उनके व्यक्तित्व को दर्शाता प्रस्तुत है- रेवा शंकर माली का विशेष आलेख

महात्मा ज्योतिबा फुले महाराष्ट्र में सर्वप्रथम अछूतोद्धार और महिला शिक्षा का काम आरंभ करने वाले महान भारतीय विचारक, समाजसेवी, लेखक, दार्शनिक तथा क्रांतिकारी कार्यकर्ता थे। उनका जन्म 11 अप्रेल 1827 को पुणे में हुआ था। उनकी माता का नाम चिमणाबाई तथा पिता का नाम गोविंदराव था। उनका परिवार कई पीढ़ी पहले माली का काम करता था। वे सतारा से पुणे फूल लाकर फूलों के गजरे आदि बनाने का काम करते थे इसलिए उनकी पीढ़ी फुले के नाम से जानी जाती थी। ज्योतिबा बहुत बुद्धिमान थे। उन्होंने मराठी में अध्ययन किया। वे महान क्रांतिकारी, भारतीय विचारक, समाजसेवी, लेखक एवं दार्शनिक थे। 1840 में ज्योतिबा का विवाह सावित्रीबाई से हुआ। महाराष्ट्र में धार्मिक सुधार आंदोलन जोरों पर था। जाति प्रथा का विरोध करने और एकेश्वरवाद को अमल में लाने के लिए प्रार्थना समाज की स्थापना की गई थी। जिसके प्रमुख गोविंद रानाडे और आरजी भंडारकर थे। उस समय महाराष्ट्र में जाति प्रथा बड़े ही वीभत्स रूप में फैली थी। स्त्रियों की शिक्षा को लेकर लोग उदासीन थे, ऐसे में ज्योतिबा फुले ने समाज को इन कुरीतियों से मुक्त करने के लिए बड़े पैमाने पर आंदोलन चलाए।

ज्योतिबा की संत-महात्माओं की जीवनियां पढ़ने में बड़ी रूचि थी। उन्हें ज्ञान हुआ कि जब भगवान के सामने सब नर-नारी समान हैं तो उनमें ऊंच-नींच का भेद क्यों होना चाहिए। स्त्रियों की दशा सुधारने और उनकी शिक्षा के लिए उन्होंने ने 1854 में एक स्कूल खोला। यह इस काम के लिए देश में पहला विद्यालय था। लड़कियों को पढ़ाने के लिए अध्यापिका नहीं मिली तो उन्होंने कुछ दिन स्वयं यह काम करके अपनी पत्नी सावित्री को इस योग्य बना दिया। उच्च वर्ग के लोगों ने आरंभ से ही उनके काम में बाधा डालने की चेष्टा की, किंतु जब फुले आगे बढ़ते ही गए तो उनके पिता पर दबाव डालकर पति-पत्नी को घर से निकालवा दिया इसमें कुछ समय के लिए उनका काम रूका अवश्य, पर शीघ्र ही उन्होंने एक के बाद एक बालिकाओं के तीन स्कूल खोल दिए।

इन प्रमुख सुधार आंदोलनों के अतिरिक्त हर क्षेत्र में छोटे-छोटे आंदोलन जारी थे, जिन्होंने सामाजिक और बौद्धिक स्तर पर लोगों को परतंत्रता से मुक्त किया था। लोगों में नए विचार, नए चिंतन की शुरुआत हुई, जो आजादी की लड़ाई में उनके संबल बने।

अछूतोद्धार के लिए ज्योतिबा ने उनके अछूत बच्चों को अपने यहां पाला और घर की पानी की टंकी उनके लिए खोल दी। परिणामस्वरूप उन्हें जाति से बहिष्कृत कर दिया गया। कुछ समय तक एक मिशन स्कूल में अध्यापक का काम मिलने से ज्योतिबा का परिचय पश्चिम के विचारों से भी हुआ, पर ईसाई विचारधारा ने उन्हें कभी आकृष्ट नहीं किया। 1853 में पति-पत्नी ने अपने मकान में प्रौढ़ों के लिए रात्रि पाठशाला खोली। इन सब कामों से उनकी बढ़ती ख्याति देखकर प्रतिक्रियावादियों ने एक बार दो हत्यारों को उन्हें मारने के लिए तैयार किया, पर वे ज्योतिबा की समाजसेवा देखकर उनके शिष्य बन गए।

इस महान समाजसेवी ने अछूतोद्धार के लिए सत्यशोधक समाज स्थापित किया था। उनका यह भाव देखकर 1888 में उन्हें 'महात्मा' की उपाधि दी गई थी। ज्योतिबा ने ब्राह्मण पुरोहितों के बिना ही विवाह संस्कार आरंभ कराया और इसे मुम्बई हाईकोर्ट से भी मान्यता मिली। वे बाल विवाह विरोधी और विधवा विवाह के समर्थक थे। वे लोकमान्य के प्रशंसकों में थे। ज्योतिराव गोविंदराव फुले की मृत्यु 28 नवम्बर 1890 को पुणे में हुई।

DERMADENT CLINIC

Dermatology | Dentistry | Hair Transplant

Hair Transplant

Before

After

Before

After

Before

After

Before

After

Our Specialties

- Stitch Less Hair Transplant (FUE)
- PRP
- LLLT
- Trichoscopy
- Mesotherapy

Recipient of The Mewar Health Care Achievers Award for Best Hair Transplant Surgeon in Udaipur for 5 consecutive years

Why Dermadent Clinic

- Pioneer of FUE Transplant in Rajasthan.
- Most experienced team of FUE in Rajasthan.
- Vast 8 years of experience in Hair Transplant.
- Dr. Prashant Agrawal; a renowned International faculty and trainer in the field of Hair Transplant.
- SAARC AAD recognised Hair Transplant Training center.
- Have trained more than 100 budding dermatologist in Hair Transplant across India.
- State of the art clinic and operation theatre.

State of The Art Clinic

Dr. Prashant Agrawal

Skin Specialist & Hair Transplant Surgeon

60 - Meera Nagar, Shobhagpura, 100 Ft. Road, Udaipur

Hair Transplant HELPLINE NO. 75975-12345

www.dermadentclinic.com

भारत में छह करोड़ टन से ज्यादा अन्न की बर्बादी

2019 में दुनियाभर में 93 करोड़ टन से अधिक अनाज हुआ था बेकार

यह सूचना किसी दुख से कम नहीं की दुनिया में 17 प्रतिशत भोजन घरों, रेस्तरां और दुकानों में बर्बाद हो जाता है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) की फूड वेस्ट इंडेक्स रिपोर्ट 2021 से पता चलता है कि कुछ अन्न खेतों पर ही तो कुछ आपूर्ति के दौरान और एक बड़ा हिस्सा तैयार होने के बाद बर्बाद हो जाता है। कुल मिलाकर एक तिहाई अन्न खाए जाने से रह जाता है।

दुर्गेश मेनारिया

एक तरफ पूरी दुनिया में करोड़ों लोग भूखे पेट सो जाते हैं। लाखों लोगों को एक समय का भोजन मुश्किल से मिल पाता है वहीं भारत सहित दुनिया के कई देशों में समुचित तरीके से अनाज का भंडारण न होने से करोड़ों टन अनाज खुले में या बारिश में बर्बाद हो जाता है। बावजूद इसके दुनिया की सरकारें इस मामले में लारवाह हैं। संयुक्त राष्ट्र की एक ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2019 में एक अनुमान के मुताबिक दुनियाभर में 93 करोड़ दस लाख टन खाद्यान्न बर्बाद हुआ है। इसमें भारत में घरों में बर्बाद हुए भोजन की मात्रा छह करोड़ 87 लाख टन है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) और साझेदार संगठन डब्ल्यूआरएपी की ओर से जारी खाद्यान्न बर्बादी सूचकांक रिपोर्ट 2021 में कहा गया है कि 2019 में 93 करोड़ दस लाख टन खाद्यान्न बर्बाद हुआ, जिसमें से 61 फीसद खाद्यान्न घरों से, 26 फीसद खाद्य सेवाओं और 13 फीसद खुदरा क्षेत्र से बर्बाद हुआ।

रिपोर्ट में कहा गया कि यह इशारा करता है कि कुल वैश्विक खाद्य उत्पादन का 17 फीसद भाग बर्बाद हुआ होगा। एजेंसी ने कहा कि इसकी मात्रा 40 टन क्षमता वाले दो करोड़ 30 लाख पूरी तरह से भरे ट्रकों में बर्बाद होने वाले खाद्य पदार्थ की मात्रा प्रतिवर्ष प्रति व्यक्ति 50 किलोग्राम होने का अनुमान है। जबकि यहां एक बड़ी आबादी भूखे रहने को विवश है।

इसी प्रकार अमेरिकी घरों में बर्बाद होने वाले खाद्य पदार्थ की मात्रा सालाना प्रति व्यक्ति 59 किलो अथवा एक वर्ष में 19,359,951 टन है। चीन में यह मात्रा प्रतिवर्ष प्रतिवयक्ति 64 किलोग्राम अथवा एक वर्ष में 91,646,213 टन है। यूएनईपी की कार्यकारी निदेशक इंगर एंडरसन ने कहा 'अगर हमें जलवायु परिवर्तन, प्रकृति और जैव विविधता के क्षरण तथा प्रदूषण और बर्बादी जैसे संकटों से निपटने के लिए गंभीर होना है तो कारोबारों, सरकारों और दुनिया भर में लोगों को खाद्यान्न की बर्बादी को रोकने में अपनी भूमिका निभानी होगी' रिपोर्ट के विस्तार में जाएं तो खुदरा दुकानों पर दो प्रतिशत, खाद्य सेवाओं के स्तर पर 5 प्रतिशत और रसोई घर में पहुंचने के बाद 11 प्रतिशत अन्न बेकार जाता है। मतलब सबसे ज्यादा सुधार की जरूरत हमारे रसोईघरों और थालियों में है। रिपोर्ट यह भी इशारा करती है कि अन्न की ऐसी बर्बादी से जलवायु परिवर्तन को बल मिलता है। वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का आठ से दस प्रतिशत भोजन की बर्बादी से जुड़ा है। बेशक, भोजन की बर्बादी कम करने से ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन में कटौती होगी। भूमि रूपांतरण और प्रदूषण के माध्यम से होने वाला प्रकृति का विनाश धीमा होगा। भोजन की उपलब्धता बढ़ेगी और इस तरह वैश्विक मंदी के समय भूख की समस्या घटेगी, साथ ही पैसों की भी बचत होगी। भारत में तो अन्न को देवता मानकर पूजा जाता है, फिर इस तरह की अनदेखी और लापरवाही ठीक नहीं है। व्यवस्था में परिवर्तन लाकर असंख्य भूखों को दोनों वक्त भरपेट भोजन दिया जा सकता है।

यूं होती है बर्बादी

2% खुदरा दुकानों पर बर्बाद

5% खाद्य सेवा स्तर पर बर्बादी

11% रसोईघरों में बर्बाद

ROYAL

INSTITUTE OF COMPETITION-UDAIPUR

सरकारी कृषि महाविद्यालयों में सर्वाधिक चयन देने वाला संस्थान

IIT
PMT
JET
ICAR
BHU
NDA

School + Coaching For 9th to 12th
(Hindi & English Medium)

- ✓ कृषि महाविद्यालय उदयपुर के वरिष्ठ व्याख्याताओं द्वारा जांचें एवं सत्यापित नोट्स वाला एकमात्र संस्थान
- ✓ छात्र-छात्राओं के लिए पृथक-पृथक आवास एवं बैच की व्यवस्था
- ✓ विद्यार्थियों का दैनिक टेस्ट (DPP), साप्ताहिक मूल्यांकन एवं मासिक परीक्षा का आयोजन
- ✓ Surprise & Mock Test लेने वाला राजस्थान का एकमात्र संस्थान
- ✓ Student के बुद्धि विकास हेतु समूह चर्चा G.D.(Group Discussion)
- ✓ गत वर्षों के JET, ICAR एवं BHU परीक्षा पत्र भी विद्यार्थियों को उपलब्ध कराना
- ✓ JET/ICAR/BHU के फॉर्म ऑनलाइन भरवाने की पूर्ण जिम्मेदारी
- ✓ सभी टेस्ट OMR Sheet पर लेने वाला एकमात्र संस्थान
- ✓ छात्रावास में 24 घंटे हॉस्टल वार्डन व सी.सी.टी.वी. कैमरे द्वारा निगरानी

स्वामी विवेकानन्द छात्रावास

प्रताप छात्रावास

रॉयल पब्लिक स्कूल

डॉ. कलाम छात्रावास

Er. G.L. Kumawat
Director

ROYAL INSTITUTE - UDAIPUR

57- New Arihant Nagar, Near Kalka Mata Mandir,
University Road, Bekni Pulia, Udaipur - 313001(Raj.)
Email.: royaldefence@gmail.com Website: www.rgeudaipur.com
Contact No. 9166418244, 8003891244, 7073111098, 9413772939

बैसाखी

किसानों की उमंग और उल्लास का त्योहार

शहीदों की यशोगाथा स्मरण और नमन का भी पावन मौका

दर्शनसिंह रावत

पर्व, त्यौहार भारतीय संस्कृति के वे तत्व हैं जो जीवन में नये रंग भरते हैं। इन पर्वों से प्रत्येक व्यक्ति को आनन्द और उल्लास तो मिलता ही है, दु:ख और त्रासदी से लड़ने की शक्ति भी मिलती है। त्योहार, पर्व अब घर तक ही सीमित नहीं है, लोग मिलझुल कर प्रसन्नता से इनका आनन्द लेते हैं। इन के माध्यम से लोग आनन्द, उल्लास, हर्ष और प्रसन्नता का अनुभव करते हैं, उन्हें इनसे नित नूतन चेतना मिलती है। बैसाखी पूरे देश भर में अलग-अलग नामों से मनाई जाती है जैसे - असम में बिहु, बंगाल में नबा-वरषा, तमिलनाडू में पुथानडू और केरल में पूरम विशु के रूप में।

इसकी पृष्ठभूमि में कुछ ऐतिहासिक घटनाएं भी हैं। सिक्खों के 9वें गुरु तेगबहादुर सिंह को मुगल शासक औरंगजेब की सेना से लड़ते हुए दिल्ली के चांदनी चौक पर शहीद हो गए।

पंजाब और हरियाणा के किसान रबी की फसल काट कर घर लाने के बाद उमंग और उल्लास से झूमते हुए नए साल की खुशियां मनाते हैं। वैशाख मास में मनाया जाने वाला बैसाखी का त्योहार कुछ ऐतिहासिक घटनाओं के साथ भी जुड़ा है। मुगल सम्राट औरंगजेब के अत्याचारों से प्रजा की रक्षा के लिए गुरु गोविन्द सिंह ने बैसाखी के दिन 13 अप्रेल 1699 को ही खालसा पंथ की स्थापना की थी। जलियांवाला बाग शहादत की घटना भी स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान 1919 की 13 अप्रैल को ही हुई थी।

औरंगजेब भारत में धर्म परिवर्तन की मुहिम चलाना चाहता था, गुरु तेगबहादुर इसके विरुद्ध थे। औरंगजेब ने सरेआम उनका शीष कटवा दिया। सिक्खों के 10वें गुरु गोविन्द सिंह ने 1699 में वैशाखी के दिन ही केशगढ़ साहिब आनन्दपुर में खालसा पंथ की शुरुआत की थी। उन्होंने हिन्दू धर्म की रक्षा के लिए विभिन्न जातियों व अलग-अलग क्षेत्रों से 5 लोगों को शहादत के लिए अमृत चखाकर, सिक्ख धर्म की दीक्षा दी। ये पांचों पंच प्यारे कहलाए। उन्होंने इन सभी के नाम के आगे सिंह लगा दिया। ये पंच प्यारे नीली पगड़ी तथा केसरिया बाना धारण करते हैं।

गुरु गोविन्दसिंह ने घोषणा की कि अब उनके धर्म का कोई अगला गुरु नहीं होगा, तथा गुरु ग्रंथ साहिब की पूजा-अर्चना गुरु की भांति ही की जाएगी। आनन्दपुर गुरुद्वारा में घोषणा कर सभी सिक्खों को केश, कंघा, कच्छा, कड़ा, कृपाण रखने का आदेश दिया, जो इस कौम की

पहचान बन गई और इनको देश, धर्म की रक्षा के अपना सर्वस्व न्यौछावर करने का उपदेश दिया।

बैसाखी के एक दिन पूर्व नई फसल की खुशियां मनाई जाती हैं। इस दिन सभी के चेहरे खिल उठते हैं, पंजाब के परम्परागत नृत्य भंगड़ा और गिद्धा की धूम मच जाती है। मुख्य समारोह आनन्दपुर साहिब जहां खालसा पंथ की नींव रखी गई थी, में अरदास की रस्म के साथ शुरू होता है। गुरु ग्रंथ साहिब को तख्त पर प्रतिष्ठित किया जाता है और दूध व जल से उनका प्रतीकात्मक स्नान होता है। पंच-प्यारे पंचबानी गाते हैं। दिन में अरदास के बाद गुरु को कड़ा प्रसाद का भोग लगाया जाता है, प्रसाद के बाद सब लोग गुरु के लंगर में शामिल होते हैं, श्रद्धालु इस दिन कारसेवा करते हैं। दिनभर गुरु गोविन्दसिंह और पंच प्यारे के सम्मान में शबद और कीर्तन किये जाते हैं और रात्रि में अग्नि के इर्द-गिर्द गुरु भक्ति को समर्पित कार्यक्रम होते हैं।

आनन्दपुर साहिब के अलावा, अमृतसर में स्थित स्वर्ण मंदिर, गुरु तेग बहादुर गुरुद्वारा,

चांदनी चौक दिल्ली, पटना साहिब आदि पवित्र स्थलों पर लोग माथा टेकने जाते हैं, गुरुओं का स्मरण करते हैं, गुरु-ग्रन्थ साहिब सुनते हैं। यह पर्व सिक्खों का सबसे प्रमुख त्यौहार है। वे देशभर में अपने घरों पर रंग-रोगन करते हैं, रात को घरों एवं गुरुद्वारों में रोशनी कर आनन्द-उल्लास के साथ सभी मित्रों, रिश्तेदारों, साथियों को बैसाखी की शुभकामनाएँ देते हुए मिठाई वितरित करते हैं और भंगड़ा व गिद्धा नृत्य में सम्पूर्ण समाज भाईचारे के रंग में सराबोर हो उठता है। बसन्त के स्वागत में मनाए जाने वाले त्यौहार के साथ देश व धर्म के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वालों को याद करने का पर्व भी है। इस पर्व के साथ जलियावाला बाग की त्रासदी भी जुड़ी हुई है। भारत के स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान ब्रिटिश सरकार ने रोलेट एक्ट के रूप में काला कानून पास किया था। देश के विभिन्न भागों में इसके विरूद्ध उग्र आन्दोलन हुए। 13 अप्रेल, 1919 को अमृतसर के जलियांवाला बाग में इसके विरुद्ध जनसभा हो रही थी। रोलेट एक्ट के जरिये प्रथम विश्व-युद्ध में लगी बंदिशें जारी रखी गई थी। यह व्यक्तिगत स्वतंत्रता को बाधित करने वाला कानून था, जो ब्रिटिश शासकों को बिना वारन्ट के गिरफ्तारी का अधिकार देता था। जलियांवाला बाग में निहत्थी जनता की आमसभा पर ब्रिटिश सेना के भारत में अस्थाई अधिकारी जनरल डायर ने गोलियां चलवा दी थी। जिसमें सैकड़ों निहत्थे देशभक्त शहीद हो गए। सभा में सरदार उधमसिंह भी शरीक थे, जिन्होंने इस घटना का बदला लेने के लिए इंग्लैण्ड जाकर जनरल डायर को भी गोली से उड़ा दिया था, परिणामस्वरूप उन्हें अपना भी बलिदान देना पड़ा। इतिहास में उनका नाम स्वर्णाक्षरों से सदैव अंकित रहेगा।

नव-संवत्सर की हार्दिक शुभकामनाएं

HARI PRIYA FILLING STATION

Bharat Petroleum

Dealer :
Bharat Petroleum
Corporation
Ltd.

Pure for Sure

N.H. 76 Dabok, Udaipur - 313002

Ph: 0294-2655320(P), 2484009(R)

E-mail :agr_vikas14@hotmail.com, haripriyafillingstation@gmail.com

सेहतमंद-सुंदर रहेंगे आपके पांव

स्वस्थ और सुन्दर पैर महिलाओं को फिट रहने में तो सहयोगी होते ही हैं, उनकी खूबसूरती में भी चार-चांद लगाते हैं। पैरों की सेहत पर ध्यान देकर वे अन्य बीमारियों से अपना बचाव भी कर सकती हैं।

शमीम खान

हम चेहरे की जितनी देखभाल करते हैं, उतनी पैरों की नहीं, जबकि हमारे व्यक्तित्व को प्रभावशाली बनाने में इनकी अहम भूमिका है। खूबसूरत पैर हमारा आत्मविश्वास भी बढ़ाते हैं। पैरों की खूबसूरती के साथ इनका स्वस्थ होना भी बहुत जरूरी है, क्योंकि पूरे शरीर का भार इन पर ही होता है। कई लोग पैरों में दर्द की समस्या से परेशान रहते हैं। कामकाजी लोगों में यह समस्या पूरा दिन ऑफिस की कुर्सी पर पैर लटका कर बैठने, देर तक गाड़ी चलाने, बस या मेट्रो में खड़े-खड़े सफर करने, अधिक चलने से हो जाती है। घरेलू महिलाओं को भी रसोई में बहुत देर तक खड़े रहने, कपड़े धोने, हाई हील की चप्पलें पहनने से पैरों में दर्द हो जाता है।

महिलाओं को ज्यादा सताता है पैर दर्द

पुरुषों के मुकाबले महिलाओं की एड़ियां संकरी व जोड़ कमजोर होते हैं। इसके अलावा मासिक धर्म की अनियमितता और वसा का कम मात्रा में सेवन बोन मास को कम कर सकता है, जिस कारण महिलाओं में एंकल स्प्रैन्स और फुट बोन्स के खिसकने का खतरा बढ़ जाता है। महिलाएं पुरुषों के मुकाबले ऑस्टियोपोरोसिस की भी अधिक शिकार होती हैं। उम्र बढ़ने के साथ महिलाओं में हड्डियों से कैल्शियम क्षरण तेजी से होता है।इससे उनकी हड्डियां कमजोर हो जाती हैं और उनमें दर्द होने लगता है, इसलिए महिलाओं में घुटनों और पैरों का दर्द एक आम समस्या बन जाती है।

खतरा है हाई हील

महिलाएं सुंदर और फैशनेबल दिखने की चाहत में ऊंची एड़ी के फुटवियर पहनती हैं, लेकिन इस बात पर ध्यान नहीं देतीं कि इन्हें पहनने से स्वास्थ्य से जुड़े कई खतरे हैं। इससे शरीर का पोस्चर गड़बड़ा जाता है। संतुलन बनाने में काफी दिक्कत आती है। हील की ऊंचाई पंजों पर पड़ने वाले दबाव को बढ़ा देती है। एक इंच की हील इस दाब को 22 प्रतिशत, 2 इंच की हील 57 प्रतिशत और तीन इंच की हील 76 प्रतिशत तक दबाव बढ़ा देती है। इससे मोच आने, फ्रैक्चर होने और लड़खड़ा कर गिरने का खतरा बढ़ जाता है। किन्हीं खास मौकों पर ऊंची एड़ी के फुटवियर पहनना जरूरी हो तो धीरे चलें और मजबूती से कदम रखें। रात में अपने पैरों की मसाज करके सोएं। अगर आपका कार्य ऐसा है कि हील पहनना मजबूरी है तो सिर्फ ऑफिस टाइम में ही हील पहनें, बाकी समय आरामदायक फुटवियर पहनें। इसके अलावा हील की ऊंचाई को बदल-बदल कर पहनें जैसे हाई, मीडिया और लो हील। एक साथ चार घंटे से अधिक ऊंची एड़ी के फुटवियर न पहनें। हाई व्हील पहनने का एक नुकसान यह भी है कि इससे पैरों की कुछ मांसपेशियां कड़ी हो जाती हैं और जब आप सपाट चप्पल पहनते हैं, तब चलने में समस्या होती है।

पैरों के लिए योग और व्यायाम

नियमित रूप से योग और व्यायाम करने से पैरों का दर्द दूर होने के साथ ही वे मजबूत और स्वस्थ बने रहेंगे। पैरों में किसी प्रकार का गंभीर रोग या तेज दर्द हो तो विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें।

दंडासन

दीवार से पीठ लगा कर इस तरह बैठ जाएं कि कूल्हे पूरी तरह से दीवार से सटे हों। घुटने व टांगें सीधी रखें। योग बेल्ट की मदद से पांव के पंजे अपनी ओर खींचें। इस आसन को 10 से 15 मिनट करें, बीच में थकान महसूस होने पर पांव ढीले छोड़ें।

अंग संचालन

दंडासन में बैठ कर पैरों के अंगूठे और उंगलियों को बारी-बारी से आगे-पीछे की ओर बलपूर्वक दबाएं। एड़ियां स्थिर रखें। फिर पूरे पंजे को एड़ी सहित आगे-पीछे दबाएं। आगे दबाते हुए एड़ी की जमीन पर घर्षण होगा। यह साईटिका तथा घुटनों के दर्द में उपयोगी है। इसे 8-10 बार करें।

पैरों का ख्याल रखें

- साफ-सफाई का ध्यान रखें, ताकि आपके पैर संक्रमण से बच सकें।
- पैरों को सूखा रखें। उंगलियों के बीच के स्थान को भी अच्छी तरह से साफ करें।

कैसे हों आपके फुटवियर

- आरामदायक फुटवियर पहनें।
- ऐसे फुटवियर पहनें, जो खुले-खुले हों। पैरों पर एसपीएफ 30 वाला सनस्क्रीन जरूर लगाएं।

- जूते हमेशा दोपहर में खरीदें, क्योंकि इस समय पैरों का आकार अधिकतम होता है। यह आपके लिए हमेशा आरामदायक रहेंगे।
- गर्मियों में ऐसे फुटवियर पहनें, जिससे आपके पैरों को सांस लेने का अवसर मिल सके।
- गर्मियों में सूती मोजे पहनें और जूते भी कैनवास के पहनें।
- दौड़ने के लिए सही जूतों का चयन करें, नहीं तो एड़ियों में दर्द हो सकता है। चलने के लिए जूते कड़े और दौड़ने के लिए लचीले होना चाहिए।

कैसा लगा यह अंक

इस अंक में कौन सा आलेख आपको ज्यादा पसंद आया। आप किन विषयों पर आलेख पढ़ना ज्यादा पसंद करेंगे? किस विषय पर आप हमें अपना मौलिक आलेख, शोध, कविता, कहानी भेजना चाहेंगे। कृपया हमें लिखें। आपके रचनात्मक सुझावों का सदैव स्वागत होगा।

pankajkumarsharma2013@gmail.com

Mahendra Singhvi
Director

GSTIN : 08AFBPS9355Q1ZH

KANAK CORPORATION

General Merchant & Commission Agent

337, 338, 3rd Floor, Samridhi Complex,
Opp. Main Gate Krishi Upaj Mandi, Udaipur (Raj.)
Ph. : 0294 2482911 to 16 Mo.: 93528 55555
Email: vpsinghvi@gmail.com

हर साल सर्पदंश से 1.25 लाख मौतें

सर्पदंश को गरीबों के लिए अभिशाप माना गया है। यही कारण है कि यह समस्या सदैव उपेक्षित रही। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने इसे 2017 में उपेक्षित बीमारियों की सूची में शामिल किया था और 2030 तक सांप के कांटने के मामलों में कमी लाने के लिए इस दिशा में अभियान शुरू करने की पहल की।

मनीष उपाध्याय

एक वैश्विक अध्ययन में भारत में सर्पदंश को एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या बताया गया है। नेचर जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन में दावा किया गया है कि भारत में 1.25 लाख तक मौतें सांप के काटने से हर साल होती है। वहीं जो लोग उपचार के बाद ठीक हो जाते हैं, उनमें से काफी दिव्यांगता की चपेट में आ जाते हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ वाशिंगटन के इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ मेट्रिक्स एंड एजुकेशन के शोधकर्ताओं ने पिछले महीने एक वर्चुअल कांफ्रेंस में भारत में सर्पदंश को लेकर रिपोर्ट पेश की। भारत में साल में कम से 50 हजार और अधिकतम 1.25 लाख लोगों की मौत सांप के कांटने से होती है।

विश्व में होने वाली कुल मौतों में आधे से अधिक अकेले भारत में है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार सर्पदंश से पूरी दुनिया में होने वाली मौतों की रेंज 81,000-1,38,000 निर्धारित की गई है।

30 लाख हर वर्ष की क्षति

सर्पदंश से मौत होना आर्थिक नुकसान का भी एक अहम पहलू है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सांप के काटने से होने वाली मौतों और उसके बाद शरीर पर पड़ने वाले प्रभावों के कारण भारत को हर साल 30 लाख वर्ष के बराबर स्वस्थ और उत्पादक साल की क्षति होती है।

300 किस्म के सांप

रिपोर्ट के अनुसार भारत में 300 किस्म के सांप हैं, जिनमें से कम से 60 प्रजातियां जहरीली है। सेंटर फॉर ग्लोबल हेल्थ टोरंटो के निदेशक प्रभात झा के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में सांप के कांटे जाने से होने वाली सभी मौतें और मामले रिपोर्ट नहीं होते हैं। क्योंकि, जहां उपचार की सुविधा होती है, वहां रिकॉर्ड नहीं रखा जाता। बहुत सारे मामलों में उपचार नहीं मिलता। उनके संस्थान ने 2011 में भारत में सर्पदंश से 45,900 लोगों की मौत का दावा किया था। पिछले साल यह मौतें 52 हजार बताई गई थी। मैसूर विश्वविद्यालय के जीव विज्ञानी केम्पयाह केम्पाराजू ने कहा कि देश में सर्पदंश की घटनाएं सरकारों का ध्यान आकृष्ट नहीं कर पाती हैं, क्योंकि यह गरीब लोगों खासकर किसानों एवं उनके परिवार की समस्या है।

With Best Compliments

नीलकण्ठ

फर्टिलिटी एण्ड वुमन केयर सेन्टर

डॉ. आशिष सूद

सलाहकार इंटेंसिविस्ट और एनेस्थेटिस्ट

टॉल फ्री नं. : 1800 30020 190
वर्तमान / पूर्व रोगी : +91-9784600614
अपोईन्टमेन्ट : 0294-6530105, 2442595

Neelkanthfertility@gmail.com
www.Neelkanthivfcentre.com

10-11, स्वामी नगर, डॉक्टर्स लेन, RSEB ऑफिस के पास,
सेलिब्रेशन मॉल के पीछे, भुवाणा, उदयपुर (राज.)

http://www.facebook.com/NeelkanthfertilityHosital
https://www.youtube.com/UCOin3codfuZjYyPWTVAob8w

नवरात्र में नए स्वाद

व्रत में मन कुछ नया और स्पेशल खाने को करता है, इसी माह चैत्र नवरात्रि अनुष्ठान होंगे। इस दौरान व्रतियों के लिए प्रस्तुत है, कुछ खास रेसिपीज़। जो व्रत के नियमों और आप के स्वाद दोनों को संतुष्टि प्रदान करेगी - शिवनिका

कोकोनट हलवा

सामग्रीः कच्चे नारियल की गिरी-250 ग्राम, दूध-1/2 लीटर, चीनी-150 ग्राम बादाम, काजू, पेठा चेरी व खरबूजा गिरी-मनचाही मात्रा में, घी- 50 ग्राम।

यूं बनाएंः नारियल गिरी कस लें। दूध में नारियल का कस डालकर उबालें। जब दूध सूख जाए, तब चीनी और घी मिलाकर चलाएं। जब मिश्रण कड़ाही छोड़ने लगे तब आंच से उतारकर सूखे मेवे डाल दें। ठंडा अथवा गरम दोनों ही रूपों में कोकोनट हलवा अत्यंत स्वादिष्ट लगता है।

कच्चे पपीते व पाइनेपल का रायता

सामग्रीः 2 कप अच्छी तरह फेंटा हुआ दही, 3 स्लाइस ताजे पाइनएपल की चॉप कर के एक चौथाई कप पानी में प्यूरी बना लें। 1 टीस्पून चीनी, एक चौथाई कप पपीता छीलकर घिसा सगा, आधा टीस्पून काला नमक, 1-2 हरी मिर्च का पेस्ट, तीन चौथाई कप भुना जीरा पाउडर, आधा टीस्पून नमक, एक चौथाई कप लाल अनार के दाने।

विधिः घिसे हुए हरे पपीते को पानी में तब तक पकाएं जब तक वह गल न जाए। ध्यान रहे यह थोड़ा कुरकुरा रहना चाहिए। पानी से निकाल कर ठंडा कर के अच्छी तरह से पानी निचोड़ लें। पाइनएपल की प्यूरी को 1 टीस्पून चीनी के साथ लगभग 3 मिनट तक पकाएं। आंच से उतारकर ठंडा कर लें। पीपते में पाइनएपल की प्यूरी व दही अच्छी तरह से मिक्स कर लें। यदि आवश्यकता हो तो स्वादानुसार इसमें और चीनी मिला लें। ठंडा कर के अनार के दानों से गार्निश करें व परोसें।

मक्खन टिकिया

सामग्रीः मध्यम आकार के उबले और मैश किए आलू - चार, नमक-स्वादानुसार, मक्खन-100 ग्राम, नींबू का सत यानी टार्टरिक एसिड - 1/4 छोटा चम्मच (चाहे तो नींबू का रस लें), अजवायन-दो छोटे चम्मच, शाही जीरा-एक छोटा चम्मच, घी में तले हुए सफेद तिल-एक छोटा चम्मच (टिश्यू पेपर पर सुखा लें), कॉर्नफ्लार-एक बड़ा चम्मच, जलजीरा-1/2 छोटा चम्मच।

यूं बनाएंः कड़ाही में मक्खन गरम कर आलू डालकर सुनहरे होने तक पका लें। अजवायन, शाही जीरा, सफेद तिल एवं बाकी सारी सामग्री डालकर पका कर मिश्रण को ठंडा कर लें। तैयार मिश्रण की टिकियां बना लें। टिकियाओं को सफेद तिल व अजवायन में अच्छी तरह लपेट कर कुछ समय सुखा लें। नॉनस्टिक तवे पर मक्खन डाल सुनहरी होने तक सेकें। हरी चटनी या सॉस के साथ परोसें।

केला और पनीर बॉल्स

सामग्रीः 200 ग्राम पनीर घिसा हुआ, 2 कच्चे केले, 2 टीस्पून अदरक पेस्ट, 1 टीस्पून सेंधा नमक, 6 टी स्पून सिंघाड़े का आटा, 4 टी स्पून कुटी हुई मूंगफली, 2 टेबल स्पून ताजा हरा धनिया, तेल।

विधिः केलों को छिलके सहित अच्छी तरह से धो लें। छिलके के साथ ही इन केलों को माइक्रोवेव में 3 मिनट तक रखें अथवा आप केले को पानी में उबाल भी सकती हैं। केले को छीलकर अच्छी तरह से मैश कर लें। मैश किए केले में सभी सामग्री डालकर अच्छी तरह से मिक्स कर लें। इस मिश्रण की छोटी-छोटी बॉल्स बना लें। तेल में हल्का भूरा होने तक इसे डीप फ्राई करें। फिर चटनी के साथ गर्मागर्म परोसें।

प्रत्यूष में विज्ञापन देने के लिए सम्पर्क करें
75979 11992, 94140 77697

प्रत्यूष

इस माह आपके सितारे

पं. शोभालाल शर्मा

मेष

माह का प्रारंभ प्रतिकूलता के साथ होगा। कारोबर मध्यम एवं आय-व्यय का अनुपात समान रहेगा। परिवारजनों से वैमनस्य बढ़ेगा। उदर एवं नेत्र विकार से शरीर में बैचेनी रहेगी, मन क्रोधित तथा चिंताग्रस्त रहेगा, वाहन का सावधानी से प्रयोग करें।

वृषभ

निर्णय लेने की क्षमता में कमी महसूस करेंगे। कारोबार ठीक रहेगा। मान-प्रतिष्ठा और शुभ कार्यों में वृद्धि होगी। यात्रा करनी पड़ सकती है। उदर, ज्वर एवं रक्त विकार से पीड़ा और व्यावसायिक साझेदारी में दरार संभव है।

मिथुन

माह के पूर्वार्द्ध की अपेक्षा उत्तरार्द्ध सुकून देगा। स्वजनों से मनमुटाव दूर होगा, रोग, शोक, दुश्चिंताएं दूर होंगी। कार्य की अधिकता रहेगी। दाम्पत्य जीवन में तनाव व यात्राएं कष्टकारी हो सकती हैं। आय पक्ष उत्तम रहेगा।

कर्क

नवीन कार्यों में लाभ, मनोबल में वृद्धि, भूमि-भवन से संबंधित कार्यों में सफलता मिलेगी। रोग, शोक, ऋण आदि का निवारण होगा, किंतु पारिवारिक उलझने बढ़ सकती हैं, जिससे मानसिक परेशानी होगी। शत्रु पक्ष से सावधान रहें। प्रत्येक कदम सोच-समझकर उठाएं।

सिंह

यह माह शुभ कार्य में सहयोगी रहेगा, आमोद-प्रमोद के साधन बनेंगे। नवीन अनुभवों की प्राप्ति होगी। मानसिक शांति का अनुभव करेंगे। शत्रुओं का शमन होगा। उच्चवर्गीय लोगों से सम्पर्क एवं सफलता प्राप्त होगी। शुभ कार्यों में खर्च अधिक होगा। पूर्ण आत्मबल प्राप्त होगा।

कन्या

माह का उत्तरार्द्ध मानसिक शांति में बाधक रहेगा। व्यवसाय मध्यम रहने से आय-व्यय का संतुलन बिगड़ सकता है, अपेक्षित कार्य पूरे हो सकते हैं। स्त्री तथा संतान से सुख व शत्रु पक्ष पर विजय मिलेगी। पित्तजन्य रोगों से शरीर को कष्ट मिल सकता है। नई योजनाओं को टालने में फायदा है।

तुला

माह का उत्तरार्द्ध आय पक्ष को बढ़ाएगा। कारोबार में धन लाभ रहेगा। कार्य क्षेत्र में सम्मान तथा पदोन्नति मिल सकती है। शुभ कार्यों में रुचि रहेगी, पारिवारिक कलह दूर होगी। शरीर स्वस्थ रहेगा। शत्रु पक्ष का दमन होगा। वाहन आदि सावधानी से प्रयोग करें।

माह के प्रमुख उत्सव

दिनांक	तिथि	पर्व/त्योहार
2.4.2021	चैत्र कृष्णा पंचमी/षष्ठी	श्री रंग पंचमी/गुड फ्राइडे
3.4.2021	चैत्र कृष्णा सप्तमी	शीतला सप्तमी
4.4.2021	चैत्र कृष्णा अष्टमी	शीतलाष्टमी बासोड़ा/ऋषभदेव जयंती
06.4.2021	चैत्र कृष्णा दशमी	दशामाता व्रत
13.4.2021	चैत्र शुक्ल प्रतिपदा	चैत्री नवरात्रि अनुष्ठान प्रारंभ/झूलेलाल जयंती
14.4.2021	चैत्र शुक्ल द्वितीया	अम्बेडकर जयंती
15.4.2021	चैत्र शुक्ल तृतीया	मेवाड़ उत्सव उदयपुर/मेला गणगौर जयपुर
20.4.2021	चैत्र शुक्ल अष्टमी	दुर्गाष्टमी
21.4.2021	चैत्र शुक्ल नवमी	श्री राम नवमी
25.4.2021	चैत्र शुक्ल त्रयोदशी	श्री महावीर जयंती
27.4.2021	चैत्र शुक्ल पूर्णिमा/वैशाख कृष्ण प्रतिपदा	हनुमान जयंती

वृश्चिक

इस माह में आय कम एवं व्यय अधिक रहेगा। व्यापार मध्यम रहेगा। मनोकामनाएं पूर्ण होगी। वाद-विवाद में विजय प्राप्त करेंगे। कार्य क्षेत्र में वृद्धि व पदोन्नति संभव। शत्रु पराजित होंगे। मित्रों से विवाद, रोगों द्वारा शरीर को कष्ट तथा यात्राएं सुखद नहीं रहेंगी।

धनु

व्यक्तित्व का विकास होगा, वाकपटुता से महत्वपूर्ण कार्यों में सफल रहेंगे। दुर्जनों की संगत हानिप्रद है। सतर्क रहे गृह, भूमि, वाहन के सुख मे बाधाएं संभव। ऋण का लेन-देन कदापि न करें। गृह परिवार में मंगलोत्सव के योग हैं। व्यापारिक यात्राएं लाभप्रद रहेंगी।

मकर

यह माह आपके कुटुम्बियों एवं बड़े लागों का समागम करवाएगा। शत्रुओं का पराभव होने, मित्र वर्ग से सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार में उत्तम एवं फलदायी योग बने। कानून विवाद में विजय प्राप्त होगी। व्यक्तित्व का विकास होगा। शरीर स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। संतान की ओर से कष्ट संभव।

कुम्भ

व्यापारिक प्रगति के अच्छे योग हैं। मनोवांछित कार्य पूर्ण होंगे। विश्वसनीय लोगों से धोखा हो सकता है। रचनात्मक कार्यों में सफलता व व्यापारिक यात्राएं लाभ प्रदान करेगी। संतान पक्ष से असंतुष्ट रहेंगे। स्थान परिवर्तन भी संभव। कुटुम्ब का पूर्ण सहयोग मिलेगा।

मीन

कारोबार में आय कम, व्यय अधिक रहेगा। धन हानि की संभावनाएं प्रबल है। लोगों से सम्मान कम मिलेगा। संतान पक्ष से संतुष्ट रहेंगे। विरोधियों एवं शत्रुओं से क्लेश उत्पन्न हो सकता है। शरीर अस्वस्थ रहेगा। माह के उत्तरार्द्ध में आय के नए स्रोत बनेंगे।

चपलोत व कोठारी को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड

उदयपुर। पिछले दिनों यूसीसीआई सभागार में चार्टर्ड एकाउंटेंट की दो दिवसीय 41वीं सेंट्रल इंडिया रिजनल काउंसिल कांफ्रेंस संपन्न हुई। केन्द्र की टेक्स एसेसमेंट कमेटी के सदस्य व दिल्ली के सीए गिरीश आहुजा ने फैसलैस असेसमेंट की बारीकियों की जानकारी दी। काउंसिल को एडवोकेट जतिन हरजाई जयपुर, सीए निहार जम्बूसरिया, देवेन्द्र सोमानी, यशवंत मंगल, अश्विन तनेजा, विधानसभा में विपक्ष के नेता गुलाबचंद कटारिया, योगेश पोखरना, प्रमोद बूब, देबाशीष मित्रा, संजय सिंघल, स्वंय सौरभ, दीपक एरन, अनिल शाह, अनुज गोयल, निलेश विक्रमसे, किमिषा सोनी, विजय मंत्री, प्रमोद जैन ने भी संबोधित किया। कांफ्रेंस फिजिकल एवं वर्चुअल रूप में हुई। कांफ्रेंस में चार्टर्ड अकाउंटेंट डॉ. ओम प्रकाश चपलोत को विभिन्न कार्यों

से लेकर समाज सेवा, आध्यात्म व प्रोफेशन के साथ सीएसआर गतिविधि में अव्वल रहने के लिए लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। सीए आशीष कोठारी को भी लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड दिया गया। उल्लेखनीय सेवाओं के लिए अनिल शाह सहित सहालकार मंडल में शामिल सीए सतीश जैन, सीए निर्मल सिंघवी, सीए एरन, सीए पंकज नेवटिया, मुकेश खूबचंदानी, सीए विमल सुराणा, सीए सुरेन्द्रसिंह खनूजा, सीए निर्मल धाकड़, सीए नरेश माहेश्वरी, अरुणा गेलड़ा, सीए दिलीप कोठारी, नवदीप आमेटा व सीए आनंद गर्ग को भी सम्मानित किया गया।

अग्रवाल सम्मेलन की प्रदेश बैठक

उदयपुर। पिछले दिनों यहां अ.भा. अग्रवाल सम्मेलन की प्रदेश कार्यकारिणी बैठक में समाज को आगे बढ़ाने व सदस्यता अभियान को गति देने सहित अनेक विषयों पर चर्चा कर निर्णय किए गए। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग थे। अध्यक्षता प्रदेशाध्यक्ष के.के. गुप्ता ने की। बैठक में प्रदेश महामंत्री राकेश अग्रवाल, उपाध्यक्ष प्रकाशचन्द्र अग्रवाल, वीणा अग्रवाल, राष्ट्रीय संगठन मंत्री रमेश अग्रवाल, नारायण सेवा संस्थान के संस्थापक पद्मश्री कैलाश मानव, जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश अग्रवाल, महामंत्री चंचल कुमार अग्रवाल, कार्यक्रम संयोजक रविन्द्र अग्रवाल, प्रवासी अग्रवाल समाज अध्यक्ष मदनलाल अग्रवाल, अग्रवाल वैष्णव समाज अध्यक्ष संजय सिंहल, धानमण्डी अग्रवाल समाज के ओमप्रकाश अग्रवाल, जिला कोषाध्यक्ष एवं दिगम्बर जैन अग्रवाल समाज के फतहनगर अग्रवाल समाज के घनश्याम मंगल सत्यनारायण अग्रवाल, फतेहलाल अग्रवाल, द्वारका प्रसाद अग्रवाल, योगेश अग्रवाल खेरवाड़ा, भंवरलाल अग्रवाल खेरवाड़ा से बजरंग अग्रवाल, अवधेश अग्रवाल महिला समिति जिलाध्यक्ष सुधा अग्रवाल, युवा समिति अध्यक्ष दीपक मित्तल उपस्थित थे।

स्काउट व गाइड मंडल अधिवेशन

रघुवीरसिंह मीणा बने प्रधान

राजसमंद। तुलसी साधना शिखर (कांकरोली) में 6 मार्च को संपन्न राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड मंडल मुख्यालय उदयपुर के व्यावहारिक अधिवेशन में 2020-21 के प्रस्तावित बजट को मान्यता प्रदान की गई। अधिवेशन में मण्डल मुख्यायुक्त एवं वरिष्ठ आईएएस अधिकारी जितेन्द्र उपाध्याय के सानिध्य में संपन्न नई कार्यकारिणी के चुनाव में पूर्व सांसद रघुवीरसिंह मीणा को मण्डल प्रधान, पंकज कुमार शर्मा, सरोज नागर, बृजेश प्रयानी, निमेश मेहता, जगदीश अरोड़ा व भंवरपुरी गोस्वामी को मंडल उपप्रधान निर्विरोध मनोनीत किया गया। कोरोना योद्धाओं का सम्मान व संघ सचिव धर्मेन्द्र गुर्जर द्वारा सम्पादित कोरोना योद्धाओं के संस्मरणों पर आधारित पुस्तिका का भी विमोचन किया गया। इस अवसर पर मण्डल सचिव सुरेशचन्द्र खटीक सहित स्काउट व गाइड सदस्य उपस्थित थे।

मास्क-भोजन वितरण

उदयपुर। कोरोना में सतर्कता जरूरी अभियान के तहत उपकार संस्थान ट्रस्ट ने स्व. विश्वमोहिनी शर्मा की जन्म स्मृति पर कुलक्षेत्र शर्मा के सहयोग से राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, पुरोहितों की मादडी में 1000 मास्क बांटे। गौरव शर्मा ने बताया कि राजकीय माध्यमिक विद्यालय, कसनियावद में 251 भोजन पैकेट, छात्र-छात्राओं में वितरित किए गए।

डॉ. अरविंदर ने लिया कॉस्मेटॉलोजी का प्रशिक्षण

उदयपुर। अर्थ डायग्नोस्टिक के सीईओ डॉ. अरविंदरसिंह ने पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन क्लिनिकल कॉस्मेटॉलोजी की ट्रेनिंग व परीक्षा उत्तीर्ण की है। यह कोर्स ग्रिसेवाल्ड मेडिसिन यूनिवर्सिटी जर्मनी और स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयार्क के एसोसिएशन से दिल्ली में हुआ। इसके साथ नेशनल एस्थेटिक सोसयटी की मेम्बरशिप भी प्राप्त कर अब कॉस्मेटिक, ऐस्थेटिक एंड एंटीएजिंग की राष्ट्रीय हस्तियों में डॉ. सिंह का नाम शामिल होगा। डॉ. सिंह उदयपुर में अंतरराष्ट्रीय ऐस्थेटिक व कॉस्मेटिक कंपनीज के सहयोग से लेजर व कॉस्मेटिक सेंटर का राष्ट्रीय स्तर का सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करेंगे। इस सेंटर पर मेडिकल फेशियल जैसे वेंप्यार फेशियल, हायड्रा फेशियल, हायक्लूरोनिक फेशियल, हायलूरोनिक फेशियल आदि के साथ कार्बन लेजर पील तथा क्यू स्विच लेजर भी होगी जो फेस की ग्लो, स्वस्थ तथा गोरा करने में सहायक है। स्किन ट्रीटमेंट तथा हेयर रिमूवल के लिए भी अत्याधुनिक मशीनों की स्थापना की जाएगी।

गांधी ने किया पांच लाख का सहयोग

उदयपुर। श्री गुजराती समाज उदयपुर ट्रस्ट बोर्ड के अध्यक्ष नयनकुमार गांधी ने पारस तिराहा स्थित समाज की धर्मशाला में जल-पान गृह के निर्माण के लिए पांच लाख रुपए की राशि प्रदान की। समाज कार्यकारिणी ने उनके इस सहयोग पर आभार व्यक्त किया है।

सड़क सुरक्षा पर सूक्ष्म पुस्तिका

उदयपुर। पिछले दिनों आयोजित सड़क सुरक्षा सप्ताह के दौरान सूक्ष्म पुस्तिका निर्माता चन्द्रप्रकाश चित्तौड़ा ने एक सूक्ष्म पुस्तिका में सड़क-यातायात व सुरक्षित चलने के नियमों की जानकारी दी। जिसका विमोचन जिला कलेक्टर चेतन देवड़ा व डीटीओ कल्पना शर्मा ने किया। उन्होंने चित्तौड़ा के शिल्प की प्रशंसा की।

एमडीएस स्थापना दिवस

उदयपुर। एमडीएस सीनियर सैकण्डरी स्कूल का 23वां स्थापना दिवस ऑनलाइन मनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन संस्थापक डॉ. रमेशचन्द्र सोमानी व पुष्पा सोमानी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। अध्यापकों और विद्यार्थियों ने ऑनलाइन जुड़कर कविता पाठ, स्लोगन, भाषण आदि प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। स्कूल के निदेशक डॉ. शैलेन्द्र सोमानी व प्राचार्य डॉ. निधि माहेश्वरी ने कोरोनाकाल में स्कूल द्वारा छात्रों की पढ़ाई जारी रखने के लिए किए गए प्रयासों की जानकारी दी।

श्री सीमेंट में सुरक्षा सप्ताह

बांगड़ सिटी रास। श्री सीमेंट परिसर में गत दिनों राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह का आयोजन कोविड 19 के दिशा-निर्देशों के अनुसार किया गया। उद्घाटन कार्मिक एवं प्रशासन विभाग के अतिरिक्त महाप्रबंधक डी.सी. गुप्ता ने ध्वजारोहण कर किया। मेसर्स जय अम्बे इंजीनियरिंग के मुकेश जांगिड़ ने सुरक्षा शपथ दिलाइ। उपप्रबंधक (सुरक्षा) बृजेश कुमार शुक्ला ने सुरक्षा सप्ताह प्रतियोगिताओं की जानकारी दी। पूर्णकालिक निदेशक पी.एन. छंगाणी ने सुरक्षा उपायों पर विचार रखे।

क्षिप्रा लैब में 96-स्लाइस सीटी स्कैन सुविधा

उदयपुर। क्षिप्रा स्कैन्स एंड लैब में गत दिनों 96-स्लाइस वाली सिटी स्कैन मशीन का उद्घाटन हुआ, जिससे बीमारी का पता लगाने और उसके उपचार में आसानी रहेगी। इस मशीन का आरएनटी मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. लाखन पोसवाल, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के सचिव डॉ. आनंद गुप्ता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. जुल्फिकार काजी व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दिनेश खराड़ी ने उद्घाटन किया। इस अवसर पर लैब की सेंटर हेड रिंकू शर्मा ने बताया कि प्रदेश की प्रथम सीमंस कम्पनी की 96-स्लाइस वाली सिटी स्कैन मशीन 250 किलो वजनी मरीज का भी सिटी स्कैन कर सकती है। निदेशक ब्रजेश विकास भारद्वाज ने बताया कि इस मशीन में लो-डोज रेडिएशन निकलता है, जिससे विकिरणजन्य व्याधियों का डर नहीं रहता। उन्होंने बताया कि क्षिप्रा लैब में गामा कैमरा मशीन भी है जो दक्षिणी राजस्थान की एकमात्र न्यूक्लियर स्कैन मशीन है, जिससे डीटीपीए, डीएमएसए, बोन स्कैन, थायराइड की स्कैनिंग की जाती है। रेडियोलॉजिस्ट डॉ. भरत जैन ने बताया कि यहां पर 4-डी, 5-डी सोनोग्राफी मशीन, रक्त जांच के लिए सुसज्जित पैथोलॉजी लैब, डिजिटल एक्सरे, 2-डायमेंशन इको, टीएमटी, ईसीजी, ईईजी, एनसीएस जैसी जांचों की सुविधाएं उपलब्ध है। लैब निदेशक प्रवीण तिवारी ने बताया कि क्षिप्रा स्कैन्स एण्ड लैब पर निदेशक व अहमदाबाद के न्यूक्लियर मेडिसिन सलाहकार डॉ. एलजी कश्यप, रेडियोलॉजिस्ट, डॉ. भरत जैन, डॉ. रवि सोनी, निदेशक व कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. उमेश स्वर्णकार, टेक्निकल हेड व निदेशक डॉ. प्रवीण तिवारी, सेंटर हेड रिंकू शर्मा, निदेशक ब्रजेश विकास भारद्वाज, पैथोलॉजिस्ट डॉ. पीएस राव की सेवाएं उपलब्ध हैं।

31 बैंचें एमबी अस्पताल को भेंट

उदयपुर। सिंधी समाज द्वारा एमबी चिकित्सालय में नवनिर्मित बहिरंग विभाग के मरीजों के लिए 31 बैंचें डॉ. अशोक बैरवा की उपस्थिति में भेंट की गई। इससे पूर्व भी लगभग 100 बैंचें चिकित्सालय में भेंट की जा चुकी है। समाज के प्रताप रॉय चुघ, किशन आहुजा, अशोक खथूरिया, ओमप्रकाश बजाज, हरीश चावला आदि मौजूद थे।

चम्बल मोटोकॉर्प पर न्यू टाटा सफारी लॉन्च

उदयपुर। टाटा मोटर्स के अधिकृत शोरूम चम्बल मोटोकॉर्प पर टाटा की न्यू सफारी की गत दिनों लॉचिंग हुई। मुख्य अतिथि मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. अरविंदरसिंह थे। चम्बल मोटोकॉर्प के निदेशक राजीव कोहली ने बताया कि यह नई सफारी ओमेगा आर्क 08 प्लेटफार्म पर बनी लेटेस्ट एवं नेक्स्ट लेवल टेक्नोलॉजी के साथ एमटी एवं एएमटी दो बेहद ही आकर्षक 6 व 7 सीटर वेरियंट में उपलब्ध है, जो कि ग्राहकों की इच्छाओं व ड्राइविंग थ्रिल को दर्शाता है।

सम्मान

नंदिता भट्ट का यूसीसीआई में सम्मान

उदयपुर। महाराणा प्रताप एयरपोर्ट को प्रथम स्थान मिलने पर उदयपुर चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज में सेलिब्रेशन समारोह हुआ। देश के 57 हवाई अड्डों में से उदयपुर एयरपोर्ट को बेस्ट एयरपोर्ट का दर्जा मिला है। समारोह के आरंभ में यूसीसीआई के संरक्षक अरविंद सिंघल ने कहा कि यूसीसीआई का यह प्रयास रहा है कि उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले संस्थानों को सम्मान देकर प्रोत्साहित कया जाए। अध्यक्ष कोमल कोठारी ने कहा कि प्रथम स्थान प्राप्त करना उदयपुर एयरपोर्ट टीम की उल्लेखनीय उपलब्धि है। टीम की लीडर एयरपोर्ट डायरेक्टर नंदिता भट्ट एवं अन्य अधिकारियों को सम्मानित किया गया।

फोटो स्पर्द्धा में डॉ. शर्मा प्रथम

अजमेर। पृथ्वीराज फाउंडेशन, अजमेर द्वारा पिछले दिनों आयोजित रूपेश डूडी मेमोरियल परिपक्व फोटो प्रतियोगिता में वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर और उदयपुर के जनसंपर्क उपनिदेशक डॉ. कमलेश शर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान पर शैलेश पटेल तथा तृतीय स्थान पर आनंद पटेल (गुजरात) रहे। पृथ्वीराज फाउंडेशन अध्यक्ष डॉ. पूनम पांडे ने बताया कि डीएवी कॉलेज के ऑडिटोरियम में संपन्न समारोह में दरगाह कमेटी नाजिम अशफाक हुसैन मुख्य अतिथि थे। अध्यक्षता आशाराम डूडी ने की। फाउंडेशन सचिव दीपक शर्मा ने बताया कि प्रथम स्थान पर रहे डॉ. कमलेश शर्मा को 10 हजार रुपए का चेक एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

निरंजन भट्ट को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड

जयपुर। यहां रघुनाथ धाम धर्मार्थ सेवा संस्थान के तत्वावधान में हुए ज्योतिष महाकुंभ में उदयपुर के जाने-माने ज्योतिषाचार्य निरंजन भट्ट को गोल्डन लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। भट्ट को यह सम्मान ज्योतिष शास्त्र में विशिष्ट सेवाएं देने के लिए मिला। भट्ट ने गलता पीठाधीश्वर स्वामी अवधेश आचार्य महाराज को रामायण भेंट की। कार्यक्रम में प्रख्यात ज्योतिषाचार्य अजय भाम्बी, आचार्य पंडित रमेश सेमवाल, अखिल भारतीय ब्राह्मण सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेन्द्र शर्मा, रमेश भोजराज द्विवेदी सहित कई विद्वान मौजूद थे।

खेल

स्टेट बॉल बैंडमिंटन: जयपुर चैम्पियन

उदयपुर। जिला बॉल बैडमिंटन संघ उदयपुर की मेजबानी में फतह सी. सैकंडरी स्कूल में हुई दो दिवसीय स्टेट बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता के पुरुष व महिला दोनों ही वर्ग में जयपुर ने खिताब पर कब्जा जमाया। दौसा की टीम उपविजेता बनी। प्रतियोगिता में उदयपुर की महिला टीम को क्वार्टर में हार का सामना करना पड़ा और पुरूष वर्ग में तो पहले ही दौर में बाहर हो गई। समापन समारोह में विजेता व उपविजेता को अतिथि सुनील वशिष्ट, भरत दवे, हेमंत नागदा, पंकज कुमार शर्मा ने पुरस्कार दिए।

स्टेडियम का कार्य जल्दी ही शुरू

उदयपुर। उदयपुर में अगले चार माह में खेड़ा कानपुर में आरसीए के अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम के लिए आवंटित भूमि पर काम शुरू कर दिया जाएगा। आरसीए सचिव महेन्द्र शर्मा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल आरसीए के मुख्य संरक्षक डॉ. सी.पी. जोशी से मिलने जयपुर पहुंचा। प्रतिनिधियों ने स्टेडियम के लिए भूमि आवंटन पर डॉ. जोशी का आभार जताया। सचिव शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर आरसीए के संयुक्त सचिव महेन्द्र नाहर, चूरू से सुशील शर्मा, राजसमंद सचिव गिरिराज सनाढ्य, जैसलमेर सचिव विमल शर्मा और चित्तौड़गढ़ जिला सचिव शक्तिसिंह भी मौजूद थे।

राजेश बी. मेहता सीनियर वाइस प्रेसिडेंट

उदयपुर। कोटा में अखिल राजस्थान गुजराती समाज की साधारण सभा में सर्व सहमति से राजेश बी मेहता को अखिल राजस्थान गुजराती समाज का 4 वर्ष के लिए सीनियर वाइस प्रेसिडेंट नियुक्त किया गया। यह जानकारी अखिल राजस्थान गुजराती समाज के अध्यक्ष जी.डी पटेल ने दी।

बक्शी राष्ट्रीय शिक्षा रत्न से सम्मानित

उदयपुर। शिक्षा के क्षेत्र में बौद्धिक उत्कृष्टता और राष्ट्रीय विकास में योगदान के लिए सीडलिंग ग्रुप ऑफ स्कूल्स के निदेशक हरदीप बक्शी को राष्ट्रीय संगोष्ठी के अवसर पर नई दिल्ली में राष्ट्रीय शिक्षा रत्न सम्मान 2021 से सम्मानित किया गया। बक्षी उदयपुर में नवाचार युक्त गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए सतत प्रयासरत हैं।

नियुक्ति/मनोनयन

फील्ड क्लब चुनाव: मनवीर उपाध्यक्ष, अब्बास कोषाध्यक्ष, डॉ. अनुज निर्विरोध बने सचिव

उदयपुर। फील्ड क्लब के गत दिनों संपन्न चुनाव में सचिव पद पर डॉ. अनुज शर्मा निर्विरोध चुने गए। तीन दिन तक चले चुनाव में 1540 सदस्यों ने मतदान किया। उपाध्यक्ष पद पर 998 वोट हासिल कर मनवीरसिंह कृष्णावत उपाध्यक्ष व अब्बास अली भालमवाला (978) ट्रेजरर चुने गए। गौरव सिंघवी (1423), जिम्मी छाबड़ा (1405), ललित चोरड़िया (1284), मयंकसिंह पंवार (1377), प्रशांत बाजपेयी (1259), सुरेन्द्रसिंह खनुजा (1328) व विशाल लुथरा (1296) कार्यकारिणी सदस्य निर्वाचित किए गए।

डॉ. प्रदीप प्रांतीय अध्यक्ष बने

उदयपुर। भारत विकास परिषद दक्षिण प्रांत की कार्यकारिणी बैठक में डॉ. प्रदीप कुमावत को वर्ष 2021-22 के लिए परिषद का प्रांतीय अध्यक्ष नियुक्त किया गया। राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ. जयराज आचार्य, नेशनल वाइस चेयरपर्सन महिला एवं बाल विकास राजश्री गांधी, शंकरलाल पंचाल आदि मौजूद थे। डॉ. कुमावत ने कहा कि भाविप में सम्पर्क, सहयोग, संस्कार, सेवा और समर्पण सर्वाधिक महत्वपूर्ण हैं।

सुषमा सदस्य नियुक्त

उदयपुर। केन्द्रीय वस्तु एवं सेवा आयुक्तालय शिकायत समिति में सुषमा कुमावत को सदस्य नियुक्त किया गया है। शिकायत समिति केन्द्रीय वस्तु एवं सेवा आयुक्तालय के उदयपुर, चित्तौड़, भीलवाड़ा कार्यालय में कार्यरत महिला अधिकारी या कर्मचारी के साथ कार्यालय क्षेत्र मे कोई ज्यादती होती है तो उस पर कार्रवाई करवाएगी।

प्रवीण रतलिया राष्ट्रीय अध्यक्ष

उदयपुर। महात्मा ज्योतिबा फूले राष्ट्रीय जागृति मंच के संरक्षक मोतीलाल सांखला ने समाजसेवी प्रवीण रतलिया सैनी को युवा शाखा का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया। रतलिया ने समाज सेवा के क्षेत्र में 8 विश्व रिकॉर्ड बनाए है। उनकी सामाजिक गतिविधियों को देखते हुए ही उन्हें इस पद का दायित्व दिया गया है।

गौरीकांत शर्मा ने पदभार संभाला

उदयपुर। राज्य जनसम्पर्क सेवा के 2012 बैच के अधिकारी गौरीकांत शर्मा ने आबकारी आयुक्त कार्यालय में सहायक निदेशक, जनसम्पर्क के पद पर कार्यभार ग्रहण कर लिया। वे भीलवाड़ा सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय से स्थानांतरित होकर प्रतिनियुक्ति पर आए हैं। इससे पूर्व दिसम्बर 2016 से अगस्त 2019 तक वे सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय उदयपुर में उप निदेशक पद पर सेवाएं दे चुके हैं।

डॉ. कुंजन संयोजक

उदयपुर। राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी जयपुर ने मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार के विभागाध्यक्ष डॉ. कुंजन आचार्य को अकादमी की पत्रकारिता विषय का पाठ्यक्रम समिति का संयोजक मनोनीत किया है।

शिवजी गौड़ पदोन्नत

उदयपुर। संयुक्त निदेशक (स्कूल शिक्षा) शिवजी गौड़ को माध्यमिक शिक्षा निदेशक, राजस्थान ने पदोन्नत कर आएससीईआरटी में प्रोफेसर नियुक्त किया है। संयुक्त निदेशक के पद का अतिरिक्त कार्यभार धर्मेन्द्र जोशी को सौंपा गया है, जो इस समय आरएससीईआरटी में प्रोफेसर हैं।

'प्रणम्या मातृ शक्ति' पुस्तक का विमोचन

उदयपुर। समुत्कर्ष समिति की ओर से समुत्कर्ष पुस्तक माला के चतुर्थ पुष्प 'प्रणम्या मातृ शक्ति' पुस्तक का गत दिनों विमोचन किया गया। पुस्तक में त्याग, भक्ति शौर्य तथा उज्जवल चरित्र वाली 70 श्रेष्ठ नारियों का जीवन चरित्र संकलित है। राष्ट्र सेविका समिति की प्रमुख संचालिका शांता कुमारी, राष्ट्र सेविका समिति की अखिल भारतीय सह निधि प्रमुख एवं चित्तौड़गढ़ अरबन कॉपरेटिव बैंक लि. की प्रबंध निदेशक वंदना वजीरानी, भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेशाध्यक्ष अलका मूंदड़ा, शिक्षाविद् दर्शना शर्मा, पूर्व महापौर रजनी डांगी, महिला समन्वय की अखिल भारतीय सह संयोजिका भाग्यश्री साठ्ये ने किया इस दौरान प्रतिमा सामर व सुदर्शना भट्ट भी उपस्थित थी।

डॉ. अलका रेलवे जोन बोर्ड की सदस्य

उदयपुर। राजस्थान भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अलका मूंदड़ा को उत्तर-पश्चिम रेलवे जोन बोर्ड का सदस्य नियुक्त किया गया है। बताया गया कि जोन में कुल 19 सदस्यों की नियुक्ति की गई है, जिनमें डॉ. अलका मूंदड़ा भी शामिल है।

विवेक चुनाव कॉर्डिनेटर

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा के चुनावों में उदयपुर के युवा कांग्रेस नेता विवेक जैन को प्रदेश का चुनाव कोर्डिनेटर नियुक्त किया है। वे पश्चिम बंगाल प्रदेश प्रभारी, जितिन प्रसाद के नेतृत्व में चुनावी कार्यभार संपादित करेंगे। इस आशय का पत्र एआईसीसी के महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने जारी किया।

कोरोनाकाल में योग-आयुर्वेद देते हैं हौसला : प्रो. सारंगदेवोत

उदयपुर। राजस्थान विद्यापीठ डिम्ड टू बी विश्वविद्यालय के संघटक लोकमान्य तिलक शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय के अंतर्गत संचालित योग विभाग के छात्र-छात्राओं का दीक्षारंभ कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो. एसएस सारंगदेवोत, मुख्य अतिथि एडवोकेट सुशील कुमार सतवार, आयुर्वेदाचार्य डॉ. केके कौशल ने किया। अध्यक्षता करते हुए प्रो. सारंगदेवोत ने कहा कि योग स्वयं के माध्यम से स्वयं तक पहुंचने की यात्रा है, योग हमारी प्राचीन अमूल्य धरोहर है, योग गुरु शिष्य की परम्परा को पुनस्थापित करने का कार्य करती है। योग के जनक माने जाने वाले पतंजलि भी लोगों को योग करने की सलाह देते है योग आदिकाल से चला आ रहा है और इससे किसी भी प्रकार कोई नुकसान नहीं होता है। उन्होंने अष्टांग मार्ग, प्राणायाम, ध्यान, यम नियम आदि को विस्तृत बताया। संचालन डॉ. रोहित कुमावत ने किया जबकि आभार डॉ. संतोष लाम्बा ने दिया। समारोह में योग विद्यार्थियों ने अतिथियों के सम्मुख विभिन्न आसनों को प्रदर्शित किया। डॉ. बलिदान जैन, डॉ. सुनिता मुर्डिया, डॉ. हरीश चौबीसा, डॉ. ममता कुमावत, इंदू आचार्य सहित कार्यकर्ता उपस्थित थे। विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस पर विद्यार्थियों की ओर से तैयार किए गए पोस्टर प्रदर्शनी का अतिथियों ने उद्घाटन किया।

संवेदना

उदयपुर। श्री सौरभजी औदिच्य (सोनू) का 26 फरवरी को आकस्मिक निधन हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल माता-पिता श्री श्रीनाथजी शर्मा-कल्पलता शर्मा, धर्मपत्नी श्रीमती आशा शर्मा, पुत्र हर्षल सहित वृहद परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। समाजसेवी व उद्यमी श्री विरेन्द्र कुमारजी टाया (टाया एंटरप्राइजेज) का 10 मार्च को निधन हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल धर्म पत्नी श्रीमती गीता देवी, पुत्र पुनीत टाया व भाई-भतीजों का संपन्न व समृद्ध परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री भगवानदासजी उधानी पुत्र स्व. हीरानंदजी उधानी का 6 मार्च को आकस्मिक देहांत हो गया। वे शोकाकुल परिवार में धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या, पुत्र संदीप उधानी, पुत्रियां रोमा, हिना, संगीता व वर्षा तथा उनका भरपूरा कुटुम्ब छोड़ गए हैं।

उदयपुर। पूर्व जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ. उमाशंकरजी शास्त्री का 13 मार्च को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय धर्मपत्नी श्रीमती शकुंतला दाधीच, पुत्र प्रकाश, तरुण, राजेश, कमलकांत, डॉ. गगन, युगल, भूपेश व मनीष दाधीच सहित समृद्ध व सम्पन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री महेन्द्र अरोड़ा (न्यू ट्रेक ऑफसेट) का 26 फरवरी को निधन हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय पत्नी श्रीमती गायत्री, पुत्र तेजस व पुत्री निष्ठा सहित भाई-भतीजों का संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। युवा उद्यमी श्री आयुष जी जावरिया का 28 फरवरी को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय माता-पिता श्रीमती प्रेमलता- श्री राजेश जी जावरिया तथा भाई-बहिनों का संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्रीमती यशोदा पानेरी धर्मपत्नी स्व. श्री हीरालालजी पानेरी का 5 मार्च को देहावसान हो गया। वे अपने शोक संतप्त परिवार में पुत्र सुरेश, दयाशंकर, दिनेशचन्द्र व पुत्री इन्द्रा पालीवाल को छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्री बसंतीलाल जी सांखला का 10 मार्च को हृदयगति रूक जाने से स्वर्गवास हो गया। वे अपने व्यथित परिवार में धर्मपत्नी श्रीमती कुसुम देवी, पुत्र कुलदीप व पुत्री श्वेता सहित भाई-भतीजों का वृहद कुटुम्ब छोड़ गए हैं।

नीमच। अग्रवाल समाज के प्रतिष्ठित मित्तल परिवार के स्व. श्री मुरारीलाल जी मित्तल के छोटे पुत्र विजयकुमार मित्तल (रिटायर्ड स्टेट बैंक ऑफ इंडिया मैनेजर)का 14 मार्च को हृदयाघात से आकस्मिक निधन हो गया। उन्होंने अपनी सेवाओं में नीमच, सिंगोली, जावी, मनासा एवं मेन ब्रांच इंदौर की एसबीआई शाखाओं में सफलतापूर्वक कार्य किया। उनके बड़े पुत्र वैभव मित्तल इंडियन बैंक नीमच में ब्रांच मैनेजर, छोटे पुत्र अक्षय मिष्ठान के व्यवसाय में हैं। श्री राम डेयरी के श्री जगदीश प्रसाद उनके बड़े भ्राता हैं। उन्होंने अपनी सेवा कार्य में अनेको ं जटिल कार्य सरलता से संपन्न किए।

उदयपुर। श्रीमती शोभाग्यवती देवी जी (धर्मपत्नी स्व. मगन भारती जी) का 9 मार्च को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त पुत्र लोकेश, गिरीश भारती (पार्षद) व पुत्री निहारिका मंत्री सहित पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों का भरपूरा परिवार छोड़ गई हैं।

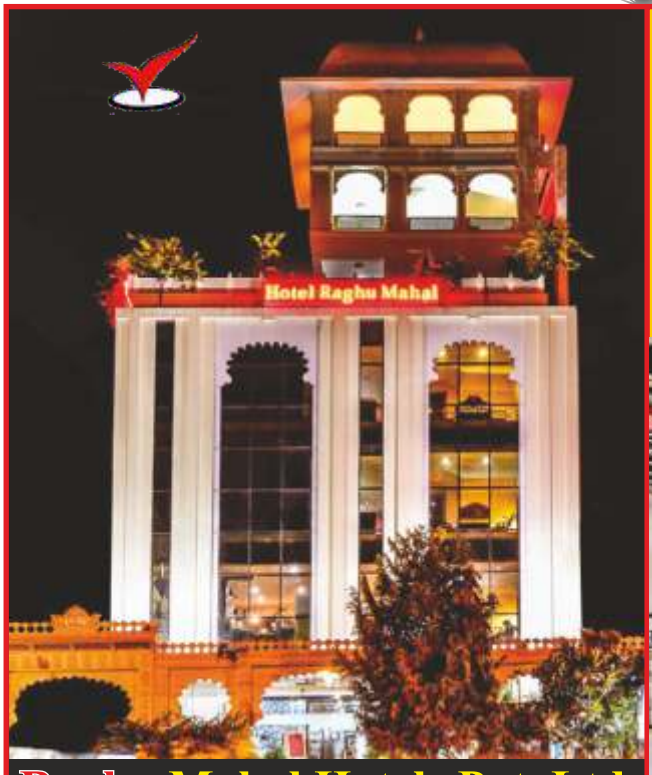

Raghu Mahal Hotels Pvt. Ltd.

Ph :- 0294-2425694 M.:- 09649466662
Subhash
(F&B) Manager

FLAMES RESTAURANT
(Multi Cusine)
(A Unit of Raghu Mahal Hotels Pvt. Ltd.)

Spa-Beer-Bar-Banquet Hall

93, Opp. M.B. College. Darshanpura, Airport Road,Udaipur (Raj.) Tel :- 0294-2425690-93
Email :- raghumahalhotels@gmail.com Website :- www.raghumahalhotels.com

Kapil Jain Intodia
Website : kapiljainarchitects.com
Call : 9414166959 | 7610012349

kapil jain architects
Complete design solutions

✦ Architecture Designing ✦ Interior Design ✦ Green Building Designing
✦ Affordable Housing Designing ✦ Structural Designing ✦ All Municipal Liaisioning ✦ RERA Consultancy
✦ Vaastu Consultancy ✦ M.E.P. Consultancy ✦ Project Management

Office : 2-A, Residency Road, Opp. Monalisa Studio, Sardarpura, Udaipur
1, Saraswati Apartment, SVP Road, opp. Bhagwati Hospital, Borivali (West), Mumbai

www.medicentre.co.in

मेडिसेन्टर

सोनोग्राफी एण्ड क्लिनिकल लेब

13 वर्षों से आपकी सेवा में

सही जाँच
सटीक ईलाज

NABL*
श्रेष्ठ गुणवत्ता का
सर्वोच्च मापदंड

लगातार चौथे वर्ष
हमारी गुणवत्ता को
NABL* से
फिर मिली मान्यता

13 वर्षों से विश्वसनीय, NABL*प्रमाणित,
पूर्णतया ऑटोमेटेड, जाँच सेवाऐं हमारे **
अनुभवी डॉक्टर्स द्वारा

गोकुल-1, अलंकार ज्वैलर्स के पास, हॉस्पिटल रोड, कोर्ट चौराहा, उदयपुर
श्रीनाथ प्लाजा, M.B. हॉस्पिटल के सामने, उदयपुर

+91-76650-00234

Follow Us on

Nirmal Ratodia, Director
9352521995, 0294-2484257

Rochin Ratodia, Director
9636814573, 8112208509

RATODIA ELECTRICALS

Cables, Wire, Pipe, Band Switches & Domestic Fitting Accessories

LEGEND CAB® *Wires & Cables*

Building Wires | Multi Strand Wire

HT/LT Powered
Control Cables

4- Hotel Payal Building, Udaipole, Udaipur - 313 001

वही उत्कृष्ट गिरनार सिंगल सुपर फॉस्फेट अब नये पैकिंग में उपलब्ध

गिरनार सिंगल सुपर फॉस्फेट
पाउडर

सभी फसलों के लिये उपयोगी

गिरनार®

गिरनार स्वाद का वादा
उन्नत कृषि सम्पन्न किसान

गिरनार सिंगल सुपर फॉस्फेट
दानेदार

गिरनार सिंगल सुपर फॉस्फेट, यही है सबसे अच्छा, क्योंकि

इसमें है गुणवत्ता पूर्ण 16 %फॉस्फोरस (14.5%WS) साथ ही 11 % सल्फर एवं 21 %कैल्शियम मुफ्त ।

फॉस्फोरस से लाभ

जड़ों का पूर्ण विकास
दाने पुष्ट व चमकदार
शाखाओं का अधिक फूटान।
जमीन की उर्वरकता बनी रहती है।
पौधों में रोग प्रतिरोधक शक्ति में वृद्धि।

कैल्शियम से लाभ

कृषि भूमि में सुधार
गन्ने में शर्करा की मात्रा में वृद्धि
पौधों में सामान्य से अधिक वृद्धि
तिलहनी फसलों में तेल की मात्रा में वृद्धि
ठंडक व बीमारियों से लड़ने की क्षमता में वृद्धि

सल्फर से लाभ

पौधों में अधिक मजबूती।
पौधों की बढ़वार एवं भरपूर विकास।
अधिक तापमान के प्रति सहनशीलता।
भूमि की संरचना व क्षारीयता में सुधार।
अन्य पौषक तत्वों के अवशोषण में वृद्धि।

उपयोग की मात्रा 500 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर

ISO 9001:2008

QUALITY CERTIFIED

निर्माता Rama

रामा फॉस्फेट्स लिमिटेड

4807/11, उमरा, झामरकोटड़ा रोड, तहसील - गिर्वा, उदयपुर (राजस्थान) / कॉरपोरेट ऑफिस : 51-52, फ्री प्रेस हाउस, नरिमन पॉईंट, मुम्बई-400021
Ph. : 0294-2342010, E-mail : rama.udaipur@ramagroup.co.in
visit us : www.ramaphosphates.com

Rajasthan State Mines and Minerals Limited

(A Premier PSU of Government of Rajasthan)

CIN U14109RJ1949SGC000505

GSTIN 08AAACR7857H1Z0

Mining Prosperity from Beneath the Surface

OUR PRODUCTS

Rock Phosphate

- + 30% P_2O_5 Crushed Chips (-12mm size)
- + 31.5% P_2O_5 Crushed Chips (-12mm size)
- + 31.54% P_2O_5 Beneficiated Concentrate (200 mesh size)
- + 18% P_2O_5 Powder (RAJPHOS) An Organic Direct Application Fertilizer

Lignite

- Lignite with calorific value of 2800-3200 Kcal/Kg.
- GOI has allotted Lignite blocks having reserve of more than 400 million tons

Gypsum

- Run Of Mine (ROM) Gypsum-used in Cement industries and land reclamation
- Run of Mine (ROM) Selenite- used for manufacture of Plaster of Paris & Ceramics

Limestone

- +95% $CaCO_3$ Low Silica<1.5%, Steel Melting Shop (SMS) grade Limestone

Power

- 106.3 MW capacity Wind Energy Project in operation, with generating capacity of 1650 Lac KWH (units) grid quality clean power per year.
- Projects registered under CDM, UNFCCC (Kyoto Protocol) for CERs earnings.
- 5 MW Solar project also in operation at Gajner, Bikaner

Industrial Beneficiation Plant, Jhamar Kotra

Panoramic View of Giral Lignite Mines, Barmer

Ariel View of Solar Plant at Bikaner

Limestone Crushing Plant at Sanu Mines, Jaisalmer

Wind Energy Farm at Bada Bagh, Jaisalmer

OUR STRENGTHS

- Consolidating leadership in Fertilizer, Steel, Cement, and Power Sector.
- One of the Biggest Revenue Contributing PSU to state exchequer.
- Only Producer of SMS grade Limestone & largest producer of natural Gypsum & High Grade Rock Phosphate in the country.
- Achieved unprecedented growth in Productivity, Turnover, Revenue and Commanding Share in Industrial Mineral Sector of India.
- Established rare distinction of being the first PSU in India to earn foreign exchange by successfully trading Carbon Credit in International Market.
- Taking care for society under CSR. Contribution for Health & Medical, Education, Water Supply, Infrastructure and Community Development, Environment Protection and Plantation in Project Districts.

OUR PROJECTS

Petroleum & Natural Gas

- Wholly owned subsidiary company formed in the name of Rajasthan State Petroleum Corporation Limited for carrying out activities in Petroleum & Natural Gas Sector in Rajasthan.
- A joint venture Company in the name of Rajasthan State Gas Limited with joint venture partner GAIL Gas Ltd has been incorporated for developing City Gas Distribution network in Rajasthan.

Venture to mine out Lignite & Sand

- A joint venture company M/s Barmer Lignite Mining Company Limited has been incorporated with joint venture partner Rajwest Power Limited wherein RSMML hold 51% equity.
- A newly formed strategic business unit has been established to explore business opportunities in sand.

CORPORATE OFFICE

4, Meera Marg, Udaipur - 313 004, Tel. : +91-294-2428763-67, Fax : +91-294-2428770, 2428739, e-mail: info.rsmml@rajasthan.gov.in

REGISTERED OFFICE

C-89/90, Janpath, Lal Kothi Scheme, Jaipur - 302 015, Tel. : 0141-2743734, Fax : 0141-2743735

Visit us at www. rsmm. com